राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, शुक्रवार 28 अगस्त 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 103 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

22 भर्ती परीक्षाएं रद्द करने पर हाईकोर्ट पहुंचा मामला

सिविल जज भर्ती पर 31 अगस्त को होगी सुनवाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार की ओर से 22 भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने के फैसले को अब हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। इसी क्रम में सिविल जज जूनियर डिवीजन भर्ती प्रक्रिया रद्द करने के राज्य सरकार के निर्णय के खिलाफ दाखिल याचिका पर गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। याचिकाकर्ताओं ने सरकार की अधिसूचना को रद्द करने की मांग की है। मामले की अगली सुनवाई 31 अगस्त को होगी। मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस एमएस सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ में हुई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से मामले की शीघ्र सुनवाई का आग्रह किया गया। इसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 31 अगस्त की तारीख तय की। याचिकाकर्ता आदित्य भास्कर और आयुष कुमार वर्मा ने राज्य सरकार के आदेश को चुनौती दी है। उनकी ओर से अधिवक्ता अभय आनंद और सोनल ने पक्ष रखा। यह मामला सिविल जज जूनियर डिवीजन परीक्षा के विज्ञापन संख्या 22/2023 से संबंधित है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि भर्ती प्रक्रिया रद्द करने के सरकार के फैसले को न्यायिक जांच के दायरे में लाया जाना चाहिए। दरअसल भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच के दौरान सीआईडी की ओर से सामने आए तथ्यों के आधार पर राज्य सरकार ने उन परीक्षाओं की समीक्षा और कार्रवाई का निर्णय लिया जिनमें टीडीपीएल की भूमिका सामने आई थी। सरकार ने वर्ष 2014 से आयोजित भर्ती परीक्षाओं में संभावित अनियमितताओं की जांच कराने की भी घोषणा की है। इसके बाद कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने अधिसूचना जारी कर 22 परीक्षाओं को रद्द करने, छह परीक्षाओं की प्रक्रिया पर रोक लगाने और 17 परीक्षाओं को जांच के दायरे में रखने का निर्णय लिया। अब सिविल जज जूनियर डिवीजन भर्ती प्रक्रिया रद्द करने के फैसले की वैधता पर झारखंड हाईकोर्ट में 31 अगस्त को आगे सुनवाई होगी।

खान एवं खनिज संशोधन बिल के विरोध में कांग्रेस का हल्ला बोल

किसी भी कीमत पर नहीं छीनने देंगे झारखंड का खनिज : अंबा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। केंद्र सरकार द्वारा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक 2026 के जरिए राज्यों के खनिजों पर उपकर (सेस) लगाने के अधिकार को समाप्त करने के प्रस्ताव के विरोध में कांग्रेस ने गुरुवार को हजारीबाग और रामगढ़ में एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। दोनों जिला मुख्यालयों पर आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव, बड़कागांव की पूर्व विधायक और कांग्रेस की वरिष्ठ मंत्री अंबा प्रसाद ने केंद्र सरकार पर झारखंड के अधिकारों पर हमला करने का आरोप लगाया। हजारीबाग समाहरणालय और रामगढ़ जिला मुख्यालय के समक्ष आयोजित धरना में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के

खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि खनिज संपदा से समृद्ध झारखंड को उसके संसाधनों पर मिलने वाले अधिकारों से वंचित करने की कोशिश की जा रही है, जिसका कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक विरोध करेगी। धरना को संबोधित करते हुए अंबा प्रसाद ने कहा कि केंद्र सरकार का यह फैसला केवल एक कानूनी बदलाव नहीं, बल्कि झारखंड के आर्थिक अधिकारों और जनहित पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को स्पष्ट रूप से यह अधिकार दिया था कि वे अपने खनिजों पर उपकर लगाकर स्थानीय विकास के लिए संसाधन जुटा सकते हैं। ऐसे में केंद्र सरकार का यह कदम राज्यों के अधिकारों को कमजोर करने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार झारखंड के कोयले, लौह अयस्क और अभ्रक जैसी खनिज संपदा से होने वाली आय पर नियंत्रण स्थापित करना चाहती है। उनके मुताबिक इससे राज्य की आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी और विकास योजनाओं पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। अंबा प्रसाद ने कहा कि केंद्र सरकार पहले से ही झारखंड के हिस्से का करीब 1.36 लाख करोड़ रुपये का बकाया रोके हुए है। अब यदि खनिज सेस लगाने का अधिकार भी राज्यों से छीन लिया जाता है तो इससे झारखंड के 3.5 करोड़ आदिवासी और मूलवासी गंभीर आर्थिक संकट में फंस जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि खनिज राजस्व में कमी आने से राज्य की कई जनकल्याणकारी योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं। धरना के अंत में कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार से संशोधन विधेयक वापस लेने की मांग दोहराई। अंबा प्रसाद ने कहा कि झारखंड के खनिजों पर पहला अधिकार राज्य और यहां के लोगों का है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि झारखंड का खनिज, झारखंड का अधिकार किसी भी कीमत पर छीने नहीं दिया जाएगा। कांग्रेस ने संकेत दिया कि यदि केंद्र सरकार अपने फैसले पर पुनर्विचार नहीं करती है तो पार्टी इस मुद्दे पर सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन जारी रखेगी और राज्य के आर्थिक अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष तेज करेगी।

संक्षिप्त समाचार

डॉक्टर को धमकी देने वाला आरोपित गिरफ्तार

रांची(नबिटा ब्यूरो)। अरगोड़ा थाना क्षेत्र में रहने वाले एक डॉक्टर से पांच करोड़ की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने वाले अपराधी को गिरफ्तार किया गया है। मामले को लेकर डॉक्टर ने अरगोड़ा थाने में एफआईआर दर्ज करवाई थी। अरगोड़ा थाना पुलिस ने पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी दीपक कुमार दास को गिरफ्तार कर लिया है। रांची के हटिया डीएसपी नीरज ने बताया कि आरोपी मोबाइल फोन के जरिए लगातार रंगदारी की मांग कर रहा था। मामले में पुलिस ने इस्तेमाल किए गए मोबाइल सिम को भी बरामद किया है।

बहुमंजिला फ्लैट से गिरने के कारण युवती की मौत

सरायकेला(नबिटा ब्यूरो)। जिले के आदित्यपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गम्हरिया के एक आवासीय परिसर में गुरुवार एक दर्दनाक हादसा सामने आया। बहुमंजिला फ्लैट से नीचे गिरने के कारण 20 वर्षीय युवती खुशबू कुमारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे अपार्टमेंट और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार यह घटना गुरुवार सुबह की है।

चलते ट्रक में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान

गिरिडीह(नबिटा ब्यूरो)। गिरिडीह-मधुपुर मुख्य मार्ग पर बेंगाबाद मोड़ के पास गुरुवार को एक चलते ट्रक में अचानक आग लग गई। इस घटना में ट्रक चालक ने समय रहते कूदकर अपनी जान बचाई। वहीं आग की चपेट में पीछे चल रहा एक पिकअप मालवाहक वाहन भी आ गया जिससे उसका अगला पहिया जल गया। दरअसल बेंगाबाद मोड़ के पास अचानक ट्रक की डीजल टंकी में जोरदार धमाका हुआ। ब्लास्ट के बाद टंकी से निकला डीजल सड़क पर फैलने लगा और उसमें अचानक आग लग गई।

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में कथित अनियमितता मामले में दो गिरफ्तार

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 21 और 22 सितंबर 2024 को आयोजित झारखंड स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2023 में कथित अनियमितता के मामले में सीआईडी ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सीआईडी थाना कांड संख्या 01/2025 में जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा संचालन से जुड़े सोमांश प्रकाश, निवासी रोहतास (बिहार), वर्तमान पता दिल्ली तथा उनके सहयोगी राहुल कुमार, निवासी वैशाली (बिहार), वर्तमान पता दिल्ली को गिरफ्तार किया गया है। सीआईडी के अनुसार दोनों की गिरफ्तारी परीक्षा में कथित अनियमितता की जांच के क्रम में की गई है। मामले में पुलिस आगे की कार्रवाई और आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पूर्व रेलवे की जीएम ने किया जसीडीह स्टेशन का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। पूर्व रेलवे की महाप्रबंधक गीतिका पांडे ने जसीडीह रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पर यात्री सुविधाओं, साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और रेल परिचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से यात्रियों को उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। व्यवस्था को और बेहतर बनाने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित रेलवे अधिकारी भी मौजूद रहे। महाप्रबंधक ने स्टेशन की व्यवस्थाओं को यात्रियों की जरूरतों के अनुरूप बेहतर और सुविधाजनक बनाने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। जसीडीह रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के बाद महाप्रबंधक गीतिका पांडे बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर पहुंचीं। उन्होंने बाबा बैद्यनाथ मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की और बाबा का आशीर्वाद

लिया। इस दौरान उन्होंने देश, राज्य और आम लोगों की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने अपनी मनोकामना व्यक्त करते हुए कहा कि सर्वे भवन्तु सुखिनः अर्थात सभी सुखी रहें। उन्होंने देश और भारतवर्ष की निरंतर प्रगति की कामना भी की। गीतिका पांडे ने भारतीय रेल के माध्यम से देश की सेवा और विकास के विजन को साकार करने की इच्छा जतायी। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी को श्रद्धा और समर्पण के साथ देश के विकास में योगदान देना चाहिए। उन्होंने भारतीय रेल को देश की प्रगति और लोगों के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। साथ ही रेल व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास करने की बात कही। महाप्रबंधक के देवघर आगमन और बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं और रेल अधिकारियों में उत्साह देखा गया। जीएम ने कहा कि देवघर स्टेशन पर बन रहे वाशिंग पिट का काम तेजी से कराया जा रहा है। जल्द ही इसे पूरा कर चालू किया जायेगा। वहीं जसीडीह-रोहिणी बाइपास का कार्य भी उनकी निगरानी में चल रहा है। इसे सितंबर के पहले या दूसरे सप्ताह तक चालू करने की योजना है। उन्होंने कहा कि जसीडीह ही नहीं, बल्कि सभी स्टेशनों पर यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण और ब्रांडेड भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। मौके पर आसनसोल डिवीजन के डीआरएम संघर्ष मौर्य, सीनियर डीसीएम मार्शल ए सिल्वा, आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार, जसीडीह स्टेशन प्रबंधक शंकर शैलेश, सीटीआई ऋषि देव कुमार, टीआई यूके चौधरी, आरपीएफ इंस्पेक्टर शिव शंकर सिंह, गुड्स के संजय कुमार, अमित कुमार, अनूप कुमार निराला समेत अन्य रेलवे पदाधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवकों को मारी टक्कर, दो की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। राजगंज थाना क्षेत्र के चालीबंगला के समीप एनएच-19 पर सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान पांडरपाला-रहमतगंज निवासी ओसामा और सैजान तबरेज के रूप में हुई है। घटना के बाद सड़क पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। पुलिस के अनुसार दोनों युवक वासेपुर के रहमतगंज इलाके के रहने वाले थे। दोनों बाइक से अपने घर से निकले थे। राजगंज थाना क्षेत्र के चालीबंगला के पास एनएच-19 पर पहुंचने के दौरान उनकी बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों गंभीर रूप से घायल हो गये और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोग घटनास्थल पर जुट गए। घटना की सूचना मिलते ही राजगंज पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद स्थित एसएनएमएमसीएच भेज दिया। पुलिस ने हादसे को अंजाम देने वाले अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों से भी पुलिस ने जानकारी जुटायी है। पुलिस का कहना है कि वाहन की पहचान करने के लिए आवश्यक जांच की जा रही है। हादसे की खबर पांडरपाला-रहमतगंज पहुंचते ही दोनों परिवारों में मातम छा गया। सैजान तबरेज अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। एक साथ दो युवकों की मौत की खबर से पूरे रहमतगंज इलाके में शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

30 सितंबर तक सभी थानों में कैमरे लगाने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के मामले में राज्य सरकार के रवैए पर नाराजगी जताते हुए पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्र को अवमानना नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने सरकार को 30 सितंबर तक राज्य के सभी थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और इसका अनुपालन रिपोर्ट अदालत में दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने मामले में सुनवाई के दौरान मौखिक रूप से कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि ऐसी स्थिति उत्पन्न न करें जिससे अदालत को कोई कड़ा कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़े। झारखंड हाई कोर्ट के अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि गुरुवार को मामले की सुनवाई के दौरान राज्य के महाधिवक्ता की ओर से दिए गए जवाब पर खंडपीठ ने असंतोष जाहिर किया। अदालत ने स्पष्ट किया कि थानों में सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और उसकी निगरानी को लेकर दिए गए निर्देशों का प्रभावी तरीके से पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसी क्रम में कोर्ट ने डीजीपी को अवमानना नोटिस जारी करते हुए 30 सितंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा है। हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव और गृह सचिव को संयुक्त रूप से शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। दोनों अधिकारियों को 30 सितंबर तक यह बताना होगा कि राज्य के सभी पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं और अदालत के निर्देशों का अनुपालन हुआ है। अदालत ने इसके साथ ही अनुपालन रिपोर्ट भी दाखिल करने को कहा है। मामले में अदालत ने डॉडी अग्रवाल को भी 11 सितंबर तक शपथ पत्र के माध्यम से अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।

नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी में एसी की खरीद पर बवाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी में एसी की खरीद को लेकर बवाल शुरू हो गया है। छात्र संगठनों ने नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. दिनेश कुमार सिंह पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रों ने आंदोलन की भी घोषणा की है और कहा है कि पूरे मामले में कार्रवाई नहीं होती है तो लोकभवन के समक्ष छात्र भूख हड़ताल पर बैठेंगे। दरअसल नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी में 2025-2026 में क्रय समिति की बैठक में 11 एसी खरीद के लिए भुगतान किया गया है। एसी खरीदारी के लिए भुगतान में गड़बड़ी का आरोप लगा है और कहा जा रहा है कि एसी की खरीदारी के लिए 9,27,410 रुपये का भुगतान किया गया है। जबकि 4 जुलाई 2025 को यूनिवर्सिटी को एसी आपूर्ति होती है, 8 जुलाई को यूनिवर्सिटी को प्राप्त होता है, जबकि एसी लगवाने का जिक्र 22 जून को ही दस्तावेज में है। यूनिवर्सिटी में एसी की खरीद को लेकर छात्र संगठन ऑल पलामू स्टूडेंट यूनियन और एनएसयूआई ने आंदोलन की घोषणा की है। छात्र नेताओं का आरोप है कि खरीदी गई सभी एसी यूनिवर्सिटी की जगह कुलपति के आवास में लगाई गई

है। पूरे मामले को लेकर छात्र संगठनों ने गुरुवार को एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की और एक दस्तावेज भी जारी किया है। छात्रों ने मीडिया को बताया है कि सूचना के अधिकार कानून के तहत उन्होंने दस्तावेज लिए हैं जिसमें खरीदारी में गड़बड़ी का जिक्र है और कहा गया है कि यह राशि वसूलने योग्य है। छात्रों ने कहा कि यूनिवर्सिटी का अपना भवन बना हुआ है जिसमें जेएसबीसीएल का एक सेंट्रलाइज्ड एसी है। एसी की खरीद को लेकर वित्त समिति या अभिषद से कब स्वीकृति ली गई थी, संबंधित फाइल में इसका जिक्र नहीं है। इस संबंध में ऑल पलामू स्टूडेंट यूनियन (आपसू) के कमलेश पांडेय का आरोप है कि यूनिवर्सिटी में कई स्तर पर गड़बड़ियां हुई हैं जिसके खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। एसी की खरीदारी में गड़बड़ी हुई है। वहीं एनएसयूआई के अमरनाथ तिवारी ने कहा कि यह बेहद गंभीर मामला है। पूरे मामले में आंदोलन किया जाएगा। वहीं छात्र नेता राहुल दुबे ने कहा कि मुख्यमंत्री और राज्यपाल से छात्रों ने मिलने का समय मांगा है। पूरे मामले से सीएम और राज्यपाल को अवगत कराया जाएगा। कार्रवाई नहीं होने पर छात्र आंदोलन करेंगे और लोकभवन के समक्ष धरना देंगे। वहीं मामले को लेकर एनपीयू के कुलपति डॉ. दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि नियमानुसार जेम पोर्टल के माध्यम से एसी की खरीदारी हुई है। जिस वक्त एसी की खरीदारी हुई थी उस वक्त नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी में कन्वोकेशन (दीक्षांत समारोह) होना था। कन्वोकेशन के लिए कुलपति आवास को गेस्ट हाउस बनाया गया था और उस दौरान सभी एसी यहां इंस्टॉल किया गया था। कुलपति ने कहा कि नियमानुसार जेम पोर्टल से सभी एसी की खरीदारी हुई है। अगर जेम पोर्टल से किसी स्तर की गड़बड़ी हुई है तो पूरे मामले में जानकारी दी जाएगी।

भर्ती सुधार को लेकर छात्रों की यात्रा तेज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में जेपीएससी-जेएसएससी की भर्ती व्यवस्था में सुधार और अभ्यर्थियों के हितों को लेकर छात्रों का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। इसी क्रम में जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच के नेतृत्व में निकाली गई 'भर्ती सुधार यात्रा' गुरुवार को चौथे दिन गिरिडीह से जामताड़ा के लिए रवाना हुई। यात्रा के दौरान जामताड़ा जिले में स्थानीय छात्रों, युवाओं और अभ्यर्थियों के साथ संवाद किया जाएगा। भर्ती सुधार यात्रा को लेकर छात्रों और अभ्यर्थियों में लगातार उत्साह देखा जा रहा है। यात्रा के माध्यम से आंदोलनकारी छात्र प्रदेश के अलग-अलग जिलों में पहुंचकर युवाओं को भर्ती व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर जागरूक कर रहे हैं। साथ ही स्थानीय स्तर पर छात्रों की समस्याओं को समझने और उन्हें आंदोलन से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। जनसभाओं में वक्ताओं ने झारखंड में सरकारी नियुक्तियों की प्रक्रिया को लेकर अपनी चिंताएं सामने रखीं। छात्रों का कहना है कि सरकारी नौकरी की तैयारी करने वाले युवाओं को वर्षों तक परीक्षाओं और परिणामों का इंतजार करना पड़ता है। परीक्षा आयोजित होने के बाद विवाद, अनियमितता या प्रक्रिया में बदलाव की स्थिति में अभ्यर्थियों का समय और मेहनत दोनों प्रभावित होते हैं। ऐसे में भर्ती प्रक्रिया को स्पष्ट, निष्पक्ष और समयबद्ध बनाने की आवश्यकता है। भर्ती सुधार यात्रा का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने राज्य सरकार पर युवाओं के साथ धोखा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार ने झारखंड की युवा पीढ़ी के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया है और राज्य के मानव संसाधन को वह सम्मान नहीं मिला, जिसका वह हकदार है। देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि झारखंड के लाखों युवा सरकारी नौकरियों की तैयारी में वर्षों से मेहनत कर रहे हैं। अभ्यर्थियों की उम्मीद सरकारी भर्ती परीक्षाओं से जुड़ी होती है। ऐसे में परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनिश्चितता का सीधा असर उनके भविष्य पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि छात्रों के भविष्य की गारंटी और पारदर्शी भर्ती व्यवस्था सुनिश्चित होने तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य केवल विरोध करना नहीं बल्कि झारखंड में ऐसी भर्ती व्यवस्था की मांग करना है जिसमें सभी अभ्यर्थियों को समान अवसर मिले और परीक्षाएं निर्धारित समय पर निष्पक्ष तरीके से आयोजित हों। उन्होंने युवाओं से भी अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाने की अपील की। छात्र नेताओं का कहना है कि यात्रा को गांव और प्रखंड स्तर तक ले जाने का प्रयास किया जा रहा है ताकि भर्ती परीक्षाओं से जुड़े मुद्दों पर अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। उनका मानना है कि जब तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों के युवा एक मंच पर आकर अपनी समस्याओं को मजबूती से नहीं उठाएंगे तब तक भर्ती व्यवस्था में व्यापक बदलाव संभव नहीं होगा। भर्ती सुधार यात्रा में छात्रों के साथ अभिभावकों की भी भागीदारी देखने को मिल रही है।

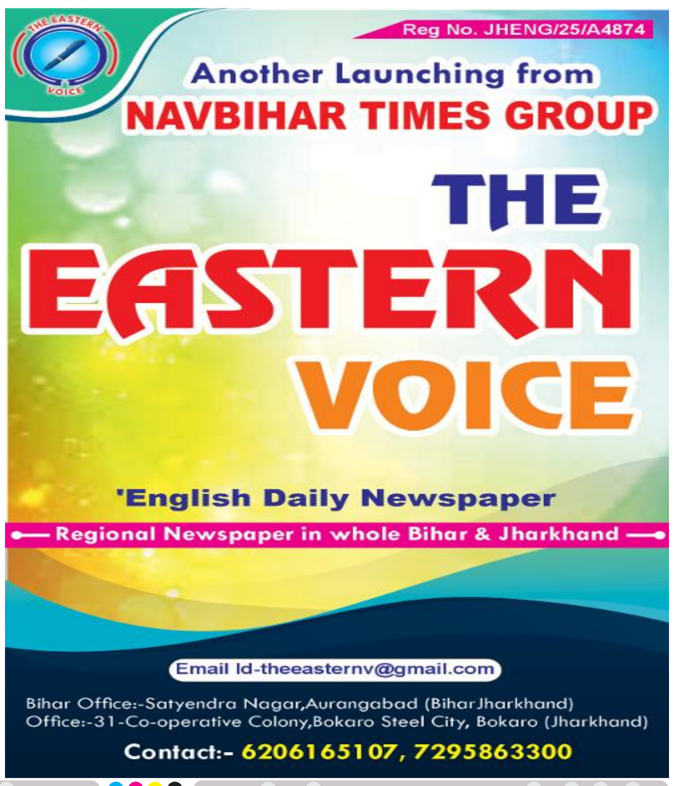

पेड़ों की रक्षा का संकल्प, विधायक प्रदीप प्रसाद ने बांधा रक्षा सूत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। बसोबार स्थित सेवाने नदी मंदिर के समीप गुरुवार को पेड़ रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद शामिल हुए। इस दौरान पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं। पेड़ हमें शुद्ध वायु और छाया देने के साथ पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिस प्रकार हम अपने रिश्तों की रक्षा का संकल्प लेते हैं, उसी प्रकार पेड़ों की रक्षा और उनकी देखभाल करना भी हमारा नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण किसी एक व्यक्ति की

जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी का सामूहिक दायित्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यएक पेड़ मां के नामह्व अभियान ने पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने का काम किया है। इससे प्रेरणा लेते हुए सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की जरूरत है। विधायक ने कहा कि पेड़ बचेंगे, तभी पर्यावरण बचेगा और तभी सभी का भविष्य सुरक्षित रहेगा। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी देखभाल करने तथा आसपास के वातावरण को हरा-भरा और स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। वहीं स्कूल के बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि दिनेश कुशवाहा, दिलीप साहू, रौशन सिन्हा, दारू मंडल अध्यक्ष अशोक कुशवाहा, सदर पश्चिमी मंडल अध्यक्ष शिवपाल यादव, आयोजक महेंद्र कुशवाहा, सुधीर कुशवाहा, प्रकाश कुशवाहा, प्रमोद कुशवाहा, संजय कुशवाहा, राजन सिन्हा, दिनेश पासवान, रंजीत सिन्हा, भरत प्रसाद, सुरेंद्र कुमार, त्रिलोकी कुशवाहा, विक्की कुशवाहा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रोजगार नीति के नाम पर स्पष्टता नहीं : डॉ. अशोक कुमार वर्मा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। झारखंड में रोजगार और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय बेरोजगार मोर्चा के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने सरकार पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राज्य के गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के छात्र अपने बेहतर भविष्य की उम्मीद में दिन-रात मेहनत करते हैं। कई परिवार ऐसे हैं, जो बच्चों की पढ़ाई और नौकरी की तैयारी का खर्च उठाने के लिए अपनी जमीन तक बेचने को मजबूर हो जाते हैं। डॉ. वर्मा ने कहा कि नौकरी की उम्मीद में युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। कोचिंग, किताब, रहने और परीक्षा की तैयारी में परिवार की जमा-पूंजी तक खर्च हो जाती है। गरीब परिवारों के लिए यह केवल पढ़ाई नहीं, बल्कि उनके पूरे परिवार के भविष्य का सवाल होता है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद अगर भर्ती प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट नियम, समयबद्ध नीति और पारदर्शी व्यवस्था नहीं होगी।

खनन बिल के विरोध में कांग्रेस का महाधरना, केंद्र पर बरसे मणिशंकर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। केंद्र सरकार द्वारा पारित नए खनन बिल (एमएमडीआर बिल) के विरोध और झारखंड के खनिज संसाधनों पर राज्य के अधिकारों की रक्षा की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से गुरुवार को टावर चौक पर एक दिवसीय महाधरना आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कांग्रेस जिलाध्यक्ष सतीश केडिया ने की। भारी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता धरना स्थल पर डटे रहे। धरना स्थल पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सह कोडरमा लोकसभा प्रभारी मणिशंकर ने केंद्र सरकार और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि खनन बिल को संसद में पर्याप्त बहस और चर्चा के बिना जल्दबाजी में पारित कराया गया। उन्होंने इसे संघीय ढांचे और राज्यों के अधिकारों पर हमला करार देते हुए कहा कि खनिज संपदा से मिलने वाला राजस्व झारखंड की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला है। मणिशंकर ने कहा कि राज्य सरकार के टैक्स और सेस से जुड़े अधिकारों को प्रभावित करने वाले किसी भी प्रावधान का कांग्रेस विरोध करेगी। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि जांच उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश अथवा संसदीय समिति की निगरानी में होनी चाहिए, ताकि पूरे मामले की वास्तविकता सामने आ सके। उन्होंने भाजपा पर धर्म और आस्था के नाम पर राजनीति करने का आरोप भी लगाया और

अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे में कथित अनियमितताओं की जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि इस मामले में यदि कोई गड़बड़ी हुई है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर सह गिरिडीह जिला प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने भी केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की और कहा कि झारखंड के हितों से जुड़े मुद्दों पर कांग्रेस पीछे नहीं हटेगी। जिलाध्यक्ष सतीश केडिया ने कहा कि झारखंड के हितों और अधिकारों की रक्षा के लिए कांग्रेस की लड़ाई सड़क से सदन और न्यायालय तक जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि 7 सितंबर को प्रदेश स्तर पर राजभवन घेराव किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

दुखिया महादेव वाटर प्लांट का माले नेताओं ने लिया जायजा, काम तेज करने की मांग

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। हजारों घरों को पेयजल उपलब्ध कराने की योजना से जुड़े दुखिया महादेव वाटर प्लांट की वस्तुस्थिति का जायजा लेने सोमवार को भाकपा माले नेताओं की टीम पहुंची। राजेश सिन्हा और कन्हाई पांडेय की अगुवाई में करीब एक दर्जन कार्यकर्ताओं ने प्लांट पहुंचकर निर्माण एवं संचालन से जुड़े कार्यों की प्रगति देखी। टीम ने मौके पर काम जारी पाया और इसे सकारात्मक पहल बताया, लेकिन कार्य में और तेजी लाने की जरूरत भी जताई।

बताया गया कि करीब 15 दिन पूर्व गिरिडीह उपायुक्त रामनिवास यादव की अगुवाई में पीएचईडी विभाग की पूरी टीम वाटर प्लांट पहुंची थी। उपायुक्त ने मौके पर करीब डेढ़ घंटे समय देकर प्लांट को चालू कराने की दिशा में पहल की थी। उस दौरान विभाग की ओर से आवश्यक कार्य पूरा करने के लिए 15 दिनों का समय मांगा गया था। निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद माले नेताओं ने प्लांट की प्रगति देखने का निर्णय लिया। निरीक्षण के दौरान टीम ने पाया कि प्लांट परिसर में काम चल रहा है। बताया गया कि करीब चार वर्षों से बंद पड़ा मुख्य गेट अब खुल गया है। परिसर में उगी बड़ी-बड़ी झाड़ियों की भी सफाई की गई है। मौके पर मौजूद मो. हबीब ने बताया कि विभाग की ओर से लगातार काम कराया जा रहा है। तीन पंचायतों को मिलना है पानी माले नेता राजेश सिन्हा ने कहा कि सरकार द्वारा तैयार इस वाटर प्लांट से तीन पंचायतों के हजारों घरों तक पानी पहुंचाने की योजना है। उपायुक्त के निरीक्षण के बाद विभागीय स्तर पर काम शुरू होना ग्रामीणों के लिए उम्मीद की बात है।माले नेताओं ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की कि अधूरे कार्यों को जल्द पूरा कर वाटर प्लांट को पूरी क्षमता के साथ चालू किया जाए, ताकि लंबे समय से पेयजल संकट झेल रहे हजारों परिवारों को राहत मिल सके। मौके पर राजेश राय, किशोर राय, भीम कोल, मोहन कोल्ह, प्रदीप कुमार, फेकना राय, गुलाब कोल्ह, रंजीत सिंह, टैटू राय, बुधन राय, अरविंद मुर्मू, मोहन कोल समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

श्मशान घाटों में लकड़ी की कमी दूर करने की पहल, वन विभाग से सिविल सोसाइटी ने की मांग

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिले के विभिन्न श्मशान घाटों में दाह संस्कार के लिए लकड़ी की कमी को देखते हुए सिविल सोसाइटी गिरिडीह ने पहल शुरू की है। इसी क्रम में सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को पूर्वी वन प्रमंडल के वन क्षेत्र पदाधिकारी मनीष कुमार तिवारी से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात की और इस समस्या के स्थायी समाधान की मांग रखी। प्रतिनिधिमंडल ने वन क्षेत्र पदाधिकारी को आवेदन सौंपते हुए कहा कि गिरिडीह के विभिन्न सड़क किनारे तथा अन्य स्थानों पर सूखे, जर्जर, मृतप्राय और दुर्घटना का

खतरा पैदा करने वाले झुके हुए पेड़ों को नियमानुसार कटवाया जाए। इन पेड़ों से प्राप्त लकड़ियों को वन विभाग द्वारा न्यूनतम दर पर सिविल सोसाइटी के माध्यम से श्मशान घाटों का संचालन करने वाली समितियों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाए। सिविल सोसाइटी का कहना है कि इससे एक ओर जहां सड़क किनारे खतरनाक पेड़ों से होने वाली दुर्घटनाओं का खतरा कम होगा, वहीं दूसरी ओर दाह संस्कार के लिए जरूरतमंद परिवारों को कम कीमत पर लकड़ी उपलब्ध हो सकेगी। इससे श्मशान घाटों में लकड़ी की समस्या का भी काफी हद तक समाधान किया जा सकता है। वन क्षेत्र पदाधिकारी मनीष कुमार तिवारी ने प्रतिनिधिमंडल की मांग को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस पुनीत कार्य के लिए योजना तैयार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, ताकि दाह संस्कार के लिए लकड़ियों की कमी न हो और लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। प्रतिनिधिमंडल में सिविल सोसाइटी के अध्यक्ष निर्मल झुनझुनवाला, महासचिव शंकर पांडेय, कार्यकारिणी सदस्य लखनलाल, देवराज आनंद, कृष्णा मोदी सहित कई सदस्य मौजूद थे। प्रतिनिधिमंडल ने वन क्षेत्र पदाधिकारी की सकारात्मक सोच और सहयोगात्मक रवैये के लिए उनका आभार जताया।

स्नातकोत्तर फेलोशिप के पहले बैच के लिए आवेदन शुरू

वैशाली (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रवाह ने अपने स्नातकोत्तर फेलोशिप के पहले बैच के लिए आवेदन शुरू कर दिए हैं, जिसमें ₹5 करोड़ की छात्रवृत्ति प्रतिबद्धता के तहत 50 स्नातकों और शुरूआती करियर वाले पेशेवरों को पूरी तरह वित्तपोषित स्थान दिए जा रहे हैं। एक वर्षीय आवासीय कार्यक्रम अगस्त 2027 में लोमा, वैशाली स्थित प्रवाह के कैंपस में शुरू होगा, जिसमें सभी 50 फेलोज

के लिए अकादमिक शिक्षा, आवास और छात्र जीवन का खर्च छात्रवृत्तियों के माध्यम से वहन किया जाएगा। तकनीक और एआई से लगातार अधिक प्रभावित हो रहे कार्यस्थल को ध्यान में रखकर तैयार की गई यह फेलोशिप बिजनेस, डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजाइन और नेतृत्व को व्यावहारिक परियोजनाओं, मेंटरशिप और गहन करियर तैयारी के साथ जोड़ती है। आवेदन पूरे देश से आमंत्रित हैं, जिसमें बिहार के उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। आवेदन 10 अगस्त, 2026 को शुरू हुए। पहली ऑनलाइन परीक्षा 15 सितंबर को निर्धारित है, जबकि साक्षात्कार 10 अक्टूबर से शुरू होंगे और पहले दौर के निर्णय 30 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। आवेदकों के पास किसी भी विषय में स्नातक की डिग्री होनी चाहिए, उनकी आयु 21 से 28 वर्ष के बीच होनी चाहिए, उनके पास अधिकतम पाँच वर्षों का कार्य अनुभव होना चाहिए और अंग्रेजी में कार्यसाधक दक्षता होनी चाहिए।

एसडीओ ने किया कोचिंग संस्थानों का औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। कोचिंग संस्थानों में नियमों की अनदेखी अब भारी पड़ सकती है। उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देश पर गुरुवार को अनुमंडल पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार ने शहर के विभिन्न कोचिंग संस्थानों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं और नियमों के अनुपालन की जांच की। एसडीओ ने विक्रमादित्य क्लासेस, दशरथ मैथेमेटिक्स क्लासेस, राजीव क्लासेस और एग्जाम गाइडेंस समेत कई संस्थानों का जायजा लिया। इस दौरान विद्यार्थियों का पंजीकरण, शिक्षकों से संबंधित अभिलेख, कोचिंग सेंटर का पंजीकरण, कक्षाओं की व्यवस्था, अध्ययन

सामग्री, विद्यार्थियों को उपलब्ध सुविधाएं, सुरक्षा व्यवस्था और अग्निशमन मानकों की जांच की गई। निरीक्षण के दौरान एसडीओ ने कोचिंग संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिया कि संस्थानों का संचालन झारखंड कोचिंग सेंटर नियंत्रण एवं विनियमन अधिनियम, 2025 के प्रावधानों के अनुरूप किया जाए। विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक माहौल देने के साथ उनकी सुरक्षा और आवश्यक सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने को कहा गया। उन्होंने सभी जरूरी दस्तावेज और अभिलेख अद्यतन रखने तथा निर्धारित नियमों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। प्रशासन ने साफ किया कि विद्यार्थियों के हितों की सुरक्षा और कोचिंग संस्थानों में पारदर्शिता उसकी प्राथमिकता है। नियम तोड़े तो होगी कार्रवाई प्रशासन ने चेतावनी दी कि निरीक्षण के दौरान यदि किसी संस्थान में निर्धारित नियमों और मानकों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी कोचिंग संस्थानों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करते हुए विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित, सुव्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन का वातावरण सुनिश्चित करें।

अचानक आई बाढ़ से पीपा पुल पर फंसे तीन युवक, दो मोटरसाइकिलें बहीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केरेडारी (हजारीबाग)। टंडवा के गेरुआ नदी में गुरुवार को अचानक आई तेज बाढ़ के कारण पीपा पुल पार करने के दौरान तीन युवक नदी के बीच फंस गए। तेज बहाव के बावजूद मोटरसाइकिल से नदी पार करने का प्रयास करना युवकों के लिए मुश्किल में डालने वाला साबित हुआ। जानकारी के अनुसार, एक मोटरसाइकिल पर दो युवक सवार थे, जबकि दूसरी मोटरसाइकिल पर एक युवक अकेला था। नदी का जलस्तर और बहाव अचानक बढ़ने से तीनों युवक पीपा पुल के बीचों-बीच फंस गए। इसी दौरान तेज पानी के बहाव में दोनों मोटरसाइकिलें बह गईं। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग और टंडवा पुलिस के जवान मौके पर पहुंचे। पुलिस और स्थानीय लोगों के प्रयास से एक युवक को तेज बहते पानी से सुरक्षित बाहर निकाला गया, जबकि दो अन्य युवक तैरकर नदी से बाहर निकलने में सफल रहे। तेज बहाव के कारण निकाले गए एक युवक को टंडवा स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उसका इलाज किया गया। चिकित्सकों के अनुसार उसकी स्थिति फिलहाल बेहतर बताई गई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने लोगों से अपील की है कि नदी में बाढ़ अथवा तेज बहाव के दौरान पीपा पुल से आवागमन करने का जोखिम न उठाएं।

सीईआईआर पोर्टल से बरामद 65 मोबाइल वास्तविक मालिकों को सौंपे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवीन सिन्हा (हजारीबाग ब्यूरो)। हजारीबाग पुलिस ने गुम हुए मोबाइल फोन को खोजकर उनके वास्तविक मालिकों तक पहुंचाने में बड़ी सफलता हासिल की है। बुधवार को केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बरामद किए गए कुल 65 मोबाइल फोन उनके वास्तविक धारकों को पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने पुलिस कार्यालय हजारीबाग में अपने हाथों से सौंपे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने प्रेस वार्ता कर सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में गुम हुए मोबाइल फोन की तलाश के लिए तकनीकी माध्यमों का उपयोग किया गया। सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर मोबाइल फोन को खोजकर बरामद किया गया और आवश्यक सत्यापन के बाद उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया गया। मोबाइल फोन पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। कई लोगों को उम्मीद नहीं थी कि उनका गुम हुआ मोबाइल दोबारा वापस मिल सकेगा। लोगों ने हजारीबाग पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए पुलिस अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने बरामद सभी मोबाइल फोन को वास्तविक धारकों के बीच अपने हाथों से वितरित किया। उन्होंने कहा कि आमजनों की संपत्ति की सुरक्षा और उनकी समस्याओं का समाधान पुलिस की प्राथमिकता है। गुम हुए मोबाइल फोन की शिकायत मिलने पर तकनीकी माध्यमों से उसे खोजने का लगातार प्रयास किया जाता है। इस वितरण कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अभियान, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, तकनीकी शाखा के पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे। सीईआईआर पोर्टल पर दर्ज आमजनों के गुम हुए मोबाइल फोन की बरामदगी में जिले के सभी थाना प्रभारियों की भूमिका भी सराहनीय रही।

गोविंदपुर खुर्द में डायरिया, मलेरिया व डेंगू जागरूकता सह स्वास्थ्य जांच शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विष्णुगढ़ (हजारीबाग)। डीवीसी परियोजना प्रधान राणा रणजीत सिंह के मार्गदर्शन में विस्थापित गांव गोविंदपुर खुर्द में सीएसआर एवं डीवीसी हॉस्पिटल, कोनार डैम के संयुक्त तत्वावधान में डायरिया, मलेरिया एवं डेंगू से बचाव को लेकर जागरूकता सह सामान्य स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन पूर्व मुखिया कैलाश महतो, चिकित्सक डॉ. बीएन मंडल, डॉ. एजाज अहमद एवं सीएसआर प्रभारी सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर पूर्व मुखिया कैलाश महतो ने कहा कि सीएसआर के माध्यम से इस तरह के स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सराहनीय पहल है। इससे

गांव के बुजुर्ग, वृद्ध एवं असहाय लोगों को स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य जांच एवं उपचार की सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि गोविंदपुर खुर्द विस्थापित गांव है, ऐसे में ग्रामीणों के स्वास्थ्य की नियमित जांच के लिए इस प्रकार के शिविर काफी उपयोगी हैं। शिविर में कुल 230 मरीजों की सामान्य स्वास्थ्य जांच की गई, जबकि 33 मरीजों में उच्च रक्तचाप की पहचान की गई। जांच के बाद मरीजों के बीच आवश्यक दवाओं का निःशुल्क वितरण किया गया। चिकित्सकों ने ग्रामीणों को डायरिया, मलेरिया और डेंगू से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए स्वच्छता, साफ पानी के सेवन तथा आसपास जलजमाव नहीं होने देने के प्रति जागरूक किया।

किरण पब्लिक स्कूल में लायंस क्लब ने लगाए 50 छायादार पौधे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलिट की ओर से किरण पब्लिक स्कूल, कोलडीहा में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्कूल परिसर में 50 छायादार पौधे लगाए गए। रीजन चेयरपर्सन लायन धर्म प्रकाश ने कहा कि प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना जरूरी है। क्लब अध्यक्ष लायन राहुल बर्मन ने बताया कि जुलाई से अब तक विभिन्न स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर 300 से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। क्लब ने इस वर्ष 1000 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन राजेश कुमार गुप्ता ने कहा कि प्राकृतिक असंतुलन के कारण

अतिवृष्टि, अनावृष्टि, बाढ़ और भूस्खलन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण जरूरी है। स्कूल के चेयरमैन अशोक कुमार सिंह और निदेशक राजीव कुमार सिंह ने लायंस क्लब के सामाजिक कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष लायन मसरूर आलम सिद्दीकी, लायन सौरव महासेठ, लायन गौतम सागर समेत क्लब के कई सदस्य मौजूद रहे।

सुरक्षित बाल ग्राम के लिए दो दिवसीय बाल संरक्षण प्रशिक्षण आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सुरक्षित बाल ग्राम कार्यक्रम के तहत बच्चों को सुरक्षित एवं संरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने और बाल संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत टीम की क्षमता बढ़ाने के उद्देश्य से श्री श्याम मंदिर, तिरंगा चौक, गिरिडीह में 26 और 27 अगस्त को दो दिवसीय बाल संरक्षण क्षमता-वर्धन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का आयोजन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के सहयोगी संगठन बनवासी विकास आश्रम, गिरिडीह की ओर से किया गया। प्रशिक्षण में बाल अधिकार एवं संरक्षण की मूल अवधारणाओं के साथ बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी, ऑनलाइन/डिजिटल बाल शोषण और स्कूल से बाहर बच्चों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गईक्प्रतिभागियों को बाल

संरक्षण से जुड़े प्रमुख कानूनों और संस्थागत तंत्र की जानकारी दी गई। विशेष रूप से किशोर न्याय अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम तथा बाल श्रम से संबंधित कानूनी प्रावधानों पर चर्चा हुई। साथ ही बाल संरक्षण मामलों की पहचान, प्रारंभिक प्रतिक्रिया, रेफरल, केस फॉलो-अप और दस्तावेजीकरण की व्यवहारिक प्रक्रिया भी समझाई गई। प्रशिक्षण के दौरान बाल तस्करी एवं बाल विवाह की रोकथाम, बच्चों के शोषण की पहचान तथा समुदाय आधारित बाल संरक्षण व्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया। पंचायत, विद्यालय, आंगनवाड़ी, समुदाय और संबंधित सरकारी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। समापन के अवसर पर प्रतिभागियों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में बाल संरक्षण को मजबूत करने के लिए आगामी कार्ययोजना तैयार की। प्रशिक्षण का उद्देश्य फील्ड स्तर पर बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में टीम को संवेदनशील, जिम्मेदार और प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए सक्षम बनाना रहा। बनवासी विकास आश्रम के सचिव-सह-बाल अधिकार एक्टिविस्ट सुरेश कुमार शक्ति ने बताया कि संस्था नीति आयोग द्वारा चिन्हित गिरिडीह एवं कोडरमा जिलों के 600 गांवों को सुरक्षित बाल ग्राम बनाने की दिशा में प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि इन गांवों में बाल विवाह और बाल तस्करी को रोकने के लिए पंचायत, विद्यालय, आंगनवाड़ी, समुदाय, सरकारी विभागों तथा अन्य हितधारक संगठनों एवं व्यक्तियों के साथ समन्वय किया जा रहा है। सामूहिक प्रयासों से ही बच्चों के लिए सुरक्षित एवं संरक्षणयुक्त वातावरण तैयार किया जा सकता है। प्रशिक्षण में गिरिडीह जिला समन्वयक उत्तम कुमार एवं कोडरमा जिला समन्वयक पप्पू यादव ने प्रशिक्षक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में भागीरथी देवी, रूपा कुमारी, सुजीता कुमारी, सुधीर कुमार, दिलीप राणा, उत्तम कुमार सिंह सहित टीम के अन्य सदस्यों ने भाग लिया।

डीसीएलआर को निगरानी ने रंगे हाथ दबोचा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। समस्तीपुर जिले के रोसड़ा में निगरानी विभाग की टीम ने गुरुवार को भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जिले के रोसड़ा की भूमि सुधार उपसमाहर्ता (डीसीएलआर) कंचन कुमारी झा को एक जमीनी विवाद को सुलझाने के लिए कथित तौर पर मांगे गए दो लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया है।

गुरुवार सुबह निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने रोसड़ा स्थित उनके सरकारी आवास पर कार्रवाई की। गिरफ्तारी के बाद आवास की तलाशी ली गई। विश्वस्त सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार करीब 13 लाख रुपये नकद भी बरामद होने की बात सामने आ रही है। हालांकि, इस बरामदगी की आधिकारिक पुष्टि निगरानी विभाग की ओर से विस्तृत

आवास से भी 13 लाख रुपये बरामद

जानकारी जारी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। मामला विभूतिपुर के रहने वाले मनोज कुमार महतो से जुड़ा बताया जा रहा है। मनोज कुमार का जमीन विवाद से संबंधित मामला डीसीएलआर के स्तर पर लंबित था। आरोप है कि मामले को मनोज के पक्ष में सुलझाने के एवज में कंचन कुमारी झा ने दो लाख रुपये नकद और एक वॉशिंग मशीन की मांग की थी। मामले में शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग ने पहले आरोपों का सत्यापन कराया। शिकायत की पुष्टि होने के बाद टीम ने रिश्वतखोरी के आरोप में कार्रवाई की योजना बनाई।

गुरुवार सुबह करीब नौ बजे निगरानी विभाग की टीम दो वाहनों से रोसड़ा स्थित डीसीएलआर के सरकारी आवास पहुंची। टीम के साथ शिकायतकर्ता मनोज कुमार महतो भी थे। आवास के अंदर कार्रवाई शुरू होने के बाद कथित रूप से जैसे ही दो लाख रुपये की रिश्वत की रकम कंचन कुमारी झा ने स्वीकार की, निगरानी टीम ने उन्हें रंगेहाथों गिरफ्तार कर लिया।

कार्रवाई के बाद पूरे सरकारी आवास को निगरानी टीम ने अपने नियंत्रण में ले लिया। किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई। टीम ने आवास के कमरों और अलमारियों समेत विभिन्न स्थानों की तलाशी शुरू कर दी। गिरफ्तारी के बाद निगरानी टीम ने सरकारी आवास में रखे दस्तावेज और अन्य सामान की जांच शुरू की। इसी दौरान करीब 13 लाख रुपये नकद बरामद किए जाने की बात सामने आई है। निगरानी विभाग की टीम ने कार्रवाई के बाद इतनी बड़ी नकदी कहां से आई और उसका स्रोत क्या है, इसकी जांच में जुट गई। तलाशी के दौरान जमीन और राजस्व से जुड़े दस्तावेजों के अलावा अन्य महत्वपूर्ण कागजात की भी जांच किए जाने की जानकारी है। निगरानी विभाग की टीम पूरे मामले में साक्ष्य जुटा रही है।

डीसीएलआर के सरकारी आवास पर निगरानी की कार्रवाई की खबर फैलते ही जिले सहित रोसड़ा में चचाओं का बाजार गर्म हो गया। बड़ी संख्या में लोग आवास के बाहर जुटने लगे। हालांकि, जांच की गोपनीयता और साक्ष्य सुरक्षित रखने के लिए निगरानी टीम ने पूरे परिसर को अपने घेरे में रखा। कार्रवाई के दौरान रोसड़ा थाना की पुलिस की मौजूदगी भी रही।

धान रोपकर लौट रही महिलाएं हुई वज्रपात की शिकार

मुंगेर। तारापुर थाना क्षेत्र के मधुरा बहियार स्थित बिलैया बांध के समीप बुधवार को धान रोपनी कर लौट रहीं तीन महिलाएं आकाशीय बिजली की चपेट में आ गईं। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। मृतका की पहचान खानपुर निवासी हीरालाल रविदास की पत्नी रूबी देवी के रूप में हुई है। घायलों में मीरा देवी और सावित्री देवी शामिल हैं। दोनों को इलाज के लिए तारापुर अनुमंडल अस्पताल लाया गया।

घायल मीरा देवी ने बताया कि तीनों महिलाएं संजय यादव के खेत में धान रोपनी का काम पूरा करने के बाद खेत से बाहर निकल रही थीं। इसी दौरान तेज आवाज के साथ अचानक ठनका गिरा। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से तीनों महिलाएं जमीन पर गिर पड़ीं। किसी तरह पास के एक घर तक पहुंचकर ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने दोनों घायलों को बाहर निकाला, लेकिन रूबी देवी की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

स्टे होम में पुलिस ने की छापेमारी

आठ महिलाओं व सात युवकों सहित 15 गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। जिले के नवादा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक स्टे होम पर छापेमारी कर 15 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार, यहां संदिग्ध गतिविधियां संचालित होने की सूचना मिली थी। कार्रवाई के दौरान स्टे होम से आठ महिलाओं और सात युवक शामिल हैं। सभी बालिक हैं। पुलिस ने मौके से कुछ आपत्तिजनक सामान भी बरामद किए हैं। कार्रवाई के दौरान स्टे होम के संचालक को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में प्रतिष्ठान के पास आवश्यक लाइसेंस नहीं होने की बात भी सामने आई। इसके बाद दंडाधिकारी की मौजूदगी में स्टे होम को सील कर दिया गया।

पुलिस को नवादा थाना क्षेत्र में स्थित

मौके से आपत्तिजनक सामान बरामद

स्टे होम में संदिग्ध गतिविधियां चलने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित के निर्देश पर कार्रवाई की योजना बनाई गई। प्रशिक्षु महिला डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दंडाधिकारी की मौजूदगी में स्टे होम में प्रवेश कर जांच की। पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान कई लोग वहां मिले। इसमें से कुछ को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि यहां कथित तौर पर चल रही गतिविधियां कब से संचालित थीं और इसमें अन्य लोगों की कोई भूमिका थी या नहीं? हालांकि स्थानीय लोग संचालक पर कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लोगों का आरोप है कि इस होटल में में देह व्यापार चल रहा था। इसके इलाके की छवि खराब हो रही थी।

प्रशिक्षु डीएसपी कोमल ने बताया कि अवैध गतिविधियों की सूचना पर पुलिस ने स्टे होम में छापेमारी की थी। कार्रवाई में करीब 10-12 लोगों को हिरासत में लिया गया है और सभी बालिग हैं। उन्होंने बताया कि स्टे होम का लाइसेंस नहीं पाया गया, जिसके बाद दंडाधिकारी की मौजूदगी में उसे सील कर दिया गया। उन्होंने बताया कि हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है। जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

प्रश्नपत्र लीक मामले में अनुष्का रानी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। गृह रक्षा वाहिनी में अधिनायक लिपिक पद की लिखित परीक्षा के प्रश्नपत्र वायरल करने के मामले में आरोपित वीक्षक अनुष्का रानी को बुधवार को गोविंदपुर स्थित बीआरसी से गिरफ्तार किए गया। इस मामले में अजय कुमार को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों पर परीक्षा प्रश्नपत्र को अनधिकृत तरीके से बाहर ले जाने और वायरल करने के मामले में नवादा नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज है।

पुलिस ने बताया 10 जून 2026 को द दीक्षा पब्लिक स्कूल, मालगोदाम छाय रोड स्थित परीक्षा केंद्र पर गृह रक्षा वाहिनी सेवा संवर्ग में अधिनायक लिपिक पद के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। केंद्र के कमरा नंबर-15 में वीक्षक के रूप में अनुष्का रानी की प्रतिनियुक्ति थी।

इसी कमरे में अनुपस्थित परीक्षार्थी का प्रश्नपत्र रखा हुआ था। शिकायत में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोप लगाया गया है कि करीब 10:30 बजे अजय कुमार प्रश्न पुस्तिकाओं पर मुहर लगाने के बाद उन्हें अपने साथ ले गए। करीब 10 मिनट बाद वापस कमरे में रख गए।

अजय कुमार की उक्त परीक्षा केंद्र पर ड्यूटी नहीं लगी थी, फिर भी केंद्राधीक्षक द्वारा उन्हें सहयोग के लिए लगाया गया था। बाद में प्रश्नपत्र की तस्वीर इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने की सूचना आयोग को मिली।

स्टैटिक दंडाधिकारी सह प्रेक्षक की शिकायत पर केंद्राधीक्षक गणेश पासवान, अजय कुमार, वीक्षक अनुष्का रानी समेत अन्य के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

नवादा नगर थानाध्यक्ष उमाशंकर सिंह ने बताया कि बुधवार को वीक्षक अनुष्का रानी को बीआरसी गोविंदपुर से पकड़ा गया है। नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एक करोड़ का इनामी नक्सली अब भी पुलिस की पकड़ से दूर

एक महीने से कोबरा बटालियन जंगलों में कर रही तलाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड-पश्चिम बंगाल सीमा पर एक महीने से अधिक समय से जारी व्यापक सघन अभियान के बावजूद एक करोड़ रुपये का इनामी शीर्ष नक्सली असीम मंडल पुलिस की पकड़ से बाहर है। दलमा से लेकर घाटशिला तक फैले 30-35 किलोमीटर के दुर्गम बीहड़ क्षेत्र में पुलिस तथा कोबरा बटालियन की कई टुकड़ियां लगातार खोजबीन कर रही हैं। इसके बाद भी संशय है कि नक्सली कमांडर जंगलों में छिपा बैठा है। सुरक्षा बलों को चकमा देकर किसी अन्य स्थान पर भाग निकला है।

सारंडा के जंगलों से भागकर असीम मंडल अपने दल-बल के साथ दलमा और फिर घाटशिला के क्षेत्रों की तरफ बढ़ा था। सुरक्षा बलों को झाटीझरना के लखाईसीनी और तत्पश्चात सुखना पहाड़ी पर उसके

डेरा जमाने की सूचनाएं मिलीं थीं। इस आधार पर कोबरा बटालियन के जवानों ने पहाड़ियों की सख्त घेराबंदी करके सघन तलाशी अभियान शुरू किया।

सुरक्षा बलों ने नक्सली असीम मंडल की उपस्थिति की आशंका में गुड़ाझोर तथा मिगीटांड़ सहित कई बीहड़ गांवों में घर-घर जाकर तलाशी ली। पुलिस अधिकारियों को संदेह था कि नक्सली नेता किसी ग्रामीण के घर में शरण लेकर छिपा हो सकता है। हालांकि, इन बीहड़ बस्तियों और पहाड़ियों में न तो सुरक्षा बलों का नक्सलियों से कोई आमना-सामना हुआ और न ही असीम का कोई सुराग मिला। अब भी केशरपुर, भोमराडीह एवं कालिचती समेत विभिन्न संवेदनशील स्थलों पर बनाए गए सुरक्षा पिकेटों में कोबरा के जवान मुस्तैद हैं तथा समय-समय पर अभियान चला रहे हैं।

इस बड़े अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को महत्वपूर्ण सफलता जरूर मिली।पुलिस ने दलमा के तराई इलाके से असीम मंडल के गिरोह से जुड़े तीन नक्सलियों मदन महतो, सागर सिंह और मीना को गिरफ्तार कर उनसे हथियार बरामद किए। इसके बावजूद नक्सली असीम मंडल, उसका साथी सचिन उर्फ राम प्रसाद मार्डी, उसकी नक्सली पत्नी मीता, बुलू, समीर उर्फ मंगल महतो तथा मालती मुर्मू अब भी पुलिस की पहुंच से दूर हैं।

पीएम सूर्य घर योजना को ले बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजी नगर। प्रधानमंत्री सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना को लेकर शिवाजी नगर प्रखंड मुख्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मियों ने भाग लिया। इस दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा अधिक से अधिक पात्र परिवारों को इसका लाभ दिलाने पर चर्चा की गई बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार सिंह, प्रखंड प्रमुख डॉ. गोविंद, प्रखंड कृषि पदाधिकारी सतीश कुमार सिंह, बिजली विभाग के जेई आकाश वर्मा, मुखिया संघ अध्यक्ष रामचंद्र सिंह, बल्लीपुर मुखिया अनीता देवी, समाजसेवी शंकर मंडल, दासौत मुखिया नटवर राय, शंकरपुर मुखिया सरिता देवी, करियन मुखिया संजीव पासवान, मधुरापुर मुखिया भारत सिंह सहित कई पंचायतों के मुखिया मौजूद रहे। इसके अलावा प्रखंड के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी भी बैठक में उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत पात्र घरेलू उपभोक्ताओं को अपने घर की छत पर रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से अनुदान दिया जा रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार 1 किलोवाट क्षमता पर कुल 40 हजार रुपये, 2 किलोवाट पर 80 हजार रुपये तथा 3 किलोवाट तक के संयंत्र पर अधिकतम 98 हजार रुपये तक का अनुदान मिल सकता है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि योजना का उद्देश्य घरों में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना, बिजली खर्च कम करना तथा स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को प्रोत्साहित करना है। योजना के तहत सोलर सिस्टम से बिजली उत्पादन कर उपभोक्ता अपनी घरेलू बिजली की जरूरत को काफी हद तक पूरा कर सकते हैं। ग्रिड से जुड़े सिस्टम में नेट मीटरिंग की सुविधा के माध्यम से बिजली के आयात-निर्यात का हिसाब भी रखा जाता है। जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने पंचायतों में पात्र उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी देने और आवेदन प्रक्रिया के प्रति जागरूक करने की अपील की गई।

हिमालया बेबीकेयर ने मैची मैची पीएच कैंपेन किया लॉन्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। हिमालया बेबीकेयर ने अपना नया कैंपेन मैची मैची पीएच लॉन्च किया है। इसका मकसद शिशुओं की नाजुक त्वचा के प्राकृतिक पीएच संतुलन को बनाए रखने के महत्व को बताना है। बहुभाषी कैंपेन के जरिए स्वस्थ और सुरक्षित शिशु त्वचा के लिए पीएच 5.5 जेंटल केयर के महत्व को रेखांकित किया गया है। इस कैंपेन में हिमालया बेबीकेयर की पीएच 5.5 जेंटल रेंज शामिल है, जिसमें हिमालया जेंटल बेबी शैम्पू, हिमालया जेंटल बेबी वॉश, जेंटल बेबी लोशन और जेंटल बेबी क्रीम आते हैं। ये उत्पाद शिशु की त्वचा के पीएच से मेल खाते हुए त्वचा की सुरक्षात्मक परत को सुरक्षित रखने और नमी को बनाए रखने में मदद करते हैं। कैंपेन के केंद्र में एक डिजिटल फि ल्म है, जिसमें एक माँ अपने शिशु को उससे मेल खाता हुआ परिधान पहनाती है और इसी के माध्यम से शिशु की त्वचा के पीएच से मेल खाने के महत्व की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है। फि ल्म की टैगलाइन मैची-मैची पीएच है। कैंपेन के बारे में बात करते हुए चक्रवर्ती एन वी, डायरेक्टर, बेबीकेयर, हिमालया वेलनेस ने कहा, मैची मैची पीएच कैंपेन के माध्यम से हमारा मकसद पीएच-बैलेंस्ड स्किनकेयर के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह कैंपेन डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर शुरू किया जा रहा है और देशभर के माता-पिता तक व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर भी प्रसारित किया जाएगा। यह कैंपेन हिंदी, अंग्रेजी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम, मराठी, बंगाली, ओडिया और असमिया भाषाओं में उपलब्ध है।

एसडीओ ने की सीएससी की संदिग्ध गतिविधियों की जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। खैरा प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर स्थित सीएससी में गुरुवार को अनुमंडल पदाधिकारी सौरभ कुमार ने औचक जांच की। जांच के दौरान सीएससी में संदिग्ध गतिविधियां सामने आने पर एसडीओ ने संचालक के मोबाइल और कंप्यूटर की जांच की।

इस दौरान जमीन से संबंधित बड़ी संख्या में दस्तावेज और लेनदेन से जुड़े चैट मिलने की बात सामने आई है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार को करीब एक बजे एसडीओ सौरभ कुमार, बीडीओ खैरा और राजस्व पदाधिकारी के साथ सीएससी पहुंचे।

वहां संचालक नीमनवादा निवासी प्रवीण कुमार तथा तेलियाडीह निवासी अभिषेक कुमार मौजूद थे। जांच के दौरान दोनों किसी अन्य व्यक्ति के खतियानी दस्तावेज की जांच करते पाए गए। संदेह होने पर अधिकारियों ने दोनों के मोबाइल और कंप्यूटर की जांच की। मोबाइल में जमीन से संबंधित कई दस्तावेज तथा वाट्सऐप पर जमीन के काम को लेकर बातचीत और रुपए के लेनदेन से संबंधित विवरण मिलने की बात कही गई है। वहीं, कंप्यूटर में खैरा अंचल से संबंधित विभिन्न जमाबंदी और खतियानी की प्रतियां भी पाई गईं।

जांच के दौरान भीड़ का फायदा उठाकर दोनों युवक अपने-अपने मोबाइल वहीं छोड़कर मौके से भाग निकले। इसके बाद एसडीओ ने राजस्व पदाधिकारी को सीएससी से संबंधित कागजात, कंप्यूटर और प्रोजेक्टर जब्त करने का निर्देश दिया। साथ ही दोनों के विरुद्ध विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है।

मामले की जांच के बाद यह स्पष्ट होगा कि सीएससी में जमीन संबंधी दस्तावेजों का उपयोग किस उद्देश्य से किया जा रहा था और इसमें अन्य लोगों की संलिप्तता है या नहीं।

रक्षाबंधन सह राखी एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

सफल प्रतिभागियों को प्राचार्य ने किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। रामेश्वर प्लस टू उच्च विद्यालय बेलागंज गया जी में सावन माह को ध्यान में रखते हुए रखते हुए विद्यालय में रक्षाबंधन सह राखी एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें नवम वर्ग से 12वीं वर्ग तक की छात्राओं ने भाग लिया। राखी बनाओ पुरस्कार पाओ के अंतर्गत छात्रों के पास उपलब्ध संसाधनों रेशम व सूती धागे और इको फ्रेंडली वस्तु मोती का उपयोग करके आकर्षक और सुंदर राखियां बनाई गई। साथ ही साथ मेहंदी प्रतियोगिता में एक से बढ़कर एक डिजाइन की हाथों में मेहंदी लगाकर विद्यार्थियों ने सावन महोत्सव मनाया। चयन समिति द्वारा प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेता का चयन किया गया जिसमें मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम अंजली कुमारी द्वितीय राधा कुमारी और तृतीय स्थान इकरा चतुर्थ स्थान पर स्वरूप कुमारी पांचवें स्थान पर सबीना खातून छठे स्थान पर नैंसी कुमारी सातवें स्थान पर गीता कुमारी आठवें स्थान पर सुहानी कुमारी नवे स्थान पर अकीरा और दसवीं स्थान पर कायनात परवीन ने पुरस्कार पाया।

वहीं मेहंदी प्रतियोगिता में 11वीं की छात्रा इकरा हसन, प्रथम रोशनी खातून द्वितीय, संजना कुमारी तृतीय, सलोनी कुमारी चतुर्थ और गीता कुमारी पांचवें स्थान पर रही। छात्राओं को विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहम्मद अबरार आलम ने पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को संतान पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहम्मद अबरार आलम ने रक्षाबंधन एवं राखी मेहंदी प्रतियोगिता के आयोजन और उद्देश्य पर अपने विचार रखते हुए कहा कि रक्षाबंधन सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व यह भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को दशार्ता है। इस अवसर पर संगीत शिक्षक प्रेम रंजन कुमार पुस्तकालय अध्यक्ष रिंकी कुमारी सिंह वरीय शिक्षक चंद्रमणि प्रसाद राजेश कुमार राजू मधुबाला, रिंकू कुमारी सोनी कुमारी रीमा सिन्हा दिवाकर कुमार रवि प्रकाश मालवीय, राजेश कुमार ,कहाई दास, चंदन कुमार, रिजवान उल्ला, सुनील कुमार,मानस कुमार, तरुण कुमार,दीपक कुमार सिंह ने कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाई और विद्यार्थियों को बधाई दिया है।

लोजपा व्यावसायिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बने जोगेश साह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के व्यावसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष के देखरेख में आज प्रकोष्ठ के भागलपुर जिला कमिटी का गठन किया गया।

स्थानीय अलीगंज भवन में आयोजित बैठक में मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित लोजपा व्यावसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार निराला के देखरेख में गठित जिला कमिटी के लिए सर्वसम्मति से प्रमुख कार्यकर्ता जोगेश साह को जिलाध्यक्ष बनाया गया। श्री साह के जिलाध्यक्ष बनने पर लोजपा के जिला प्रवक्ता सचिन पासवान,रोशन सिंह, दीपक कुमार, संतोष साह, आशीष कुमार, मंजू रानी, पूनम मंडल,मंजू वर्मा, सौरभ कुमार, आजाद कुमार पासवान, अजीत कुमार आदि ने बधाई देते हुए आशा व्यक्त की है कि श्री साह के नेतृत्व में इस प्रकोष्ठ की गतिविधियां बढ़ेंगी।

इधर नव मनोनीत जिलाध्यक्ष जोगेश साह ने इसके लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान एवं प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष को धन्यवाद देते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के विजन को जिले के व्यवसायियों के बीच पहुंचाने का काम करेंगे। साथ ही इस प्रकोष्ठ का विस्तार पंचायत स्तर तक किया जाएगा।

गंगा के जलस्तर ने बढ़ाई लोगों की चिंता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लखीसराय। बुधवार की शाम अचानक मौसम का मिजाज बदला और जिले में मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। झमाझम बारिश के बीच आसमानी बिजली की तेज गर्जना से लोग सहम गए। पिछले कई दिनों से उमस और गर्मी से परेशान लोगों को तेज बारिश के बाद राहत मिली।

वहीं, धान की रोपनी के दौर में हुई बारिश किसानों के लिए भी राहत लेकर आई है। तेज बारिश शुरू होते ही लखीसराय शहर की मुख्य सड़कें खाली हो गईं।

मुख्य मार्ग से लेकर मोहल्लों तक नालियों का पानी सड़कों पर बहने लगा। कई जगह जल जमाव की स्थिति बन गई। खराब मौसम और तेज बारिश के कारण शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई।

इधर, नेपाल में भारी तबाही की खबर सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद जिले के लोगों में संभावित बाढ़ को लेकर चिंता बढ़ गई है। जिले की किऊल, हरुहर और गंगा नदियां पानी से लबालब हैं। खासकर गंगा नदी का पानी पिपरिया प्रखंड और बड़हिया के नदी तटीय गांवों तक पहुंच गया है। हालांकि, पिछले 24 घंटे में नदियों के जलस्तर में स्थिरता बनी हुई है, लेकिन बाढ़ का खतरा अभी टला नहीं है। पिपरिया प्रखंड के वलीपुर, रामचंद्रपुर और पिपरिया पंचायत के निचले इलाकों तक गंगा का पानी पहुंच गया है। इससे मक्का और सब्जी की फसल को नुकसान हुआ है। दियारा क्षेत्र में पशुपालकों के सामने पशुचारे की समस्या भी बढ़ती जा रही है। ग्रामीण फिलहाल पानी में तैरकर घोड़े से चारा लाने को मजबूर हैं।

जिला प्रशासन नदियों के जलस्तर पर लगातार नजर रखे हुए है। संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन के स्तर से अलर्ट रहने का दावा किया जा रहा है।

रक्षाबंधन पर मिलावट का बढ़ता बाजार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही नरपतगंज प्रखंड मुख्यालय सहित फुलकाहा, घुरना और बसमतिया क्षेत्र के बाजारों में मिठाइयों की मांग बढ़ गई है। त्योहार को लेकर जहां मिठाई दुकानदारों ने बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू कर दी हैं, वहीं दूसरी ओर क्षेत्र में मिलावटी, बासी और सिंथेटिक मिठाइयों की बिक्री को लेकर लोगों में चिंता बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि खाद्य सुरक्षा विभाग की नियमित जांच नहीं होने के कारण कई दुकानदारों के हौसले बुलंद हैं और वे बिना किसी रोक-टोक के संदिग्ध गुणवत्ता वाली मिठाइयां बेच रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि चमकदार और आकर्षक पैकिंग में सजी मिठाइयां देखने में भले ही लुभावनी लगती हैं, लेकिन उनकी गुणवत्ता को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

त्योहारों के दौरान महानगरों और दूसरे स्थानों से भी बड़ी मात्रा में तैयार मिठाइयां मंगाए जाने की बात सामने आती रही है। सस्ती होने के कारण गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लोग ऐसी मिठाइयों की ओर आकर्षित होते हैं। इससे मिलावटखोरी का कारोबार बढ़ने की आशंका रहती है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नरपतगंज के ग्रामीण एवं सीमावर्ती बाजारों में खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से नियमित रूप से मिठाई दुकानों की जांच नहीं की जाती। दुकानों में मिठाइयों की गुणवत्ता, निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री, साफ-सफाई, पैकेजिंग और रख-रखाव की जांच नहीं होने से मिलावटखोरों को खुली छूट मिल रही है। लोगों ने अररिया जिला प्रशासन से त्योहार के मद्देनजर विशेष जांच अभियान चलाने और दोषी दुकानदारों पर कार्रवाई की मांग की है।

रक्षाबंधन के अवसर पर मिठाइयों की बिक्री सामान्य दिनों की तुलना में काफी बढ़ जाती है। इसका फायदा उठाकर कुछ कारोबारी अधिक मुनाफे के लिए घटिया या मिलावटी सामग्री का इस्तेमाल करने का प्रयास करते हैं।

मिठाई की कीमत ने बढ़ाई बहनों की टेंशन

जहानाबाद। रक्षाबंधन का त्योहार नजदीक आते ही बाजार में महंगाई का असर दिखने लगा है। खासकर चीनी के दाम में अचानक हुई बढ़ोतरी ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। कुछ दिनों पहले तक थोक बाजार में करीब 4,600 रुपये प्रति क्विंटल बिकने वाली चीनी अब बढ़कर 6,600 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक पहुंच गई है।

खुदरा बाजार में भी कई दुकानों पर चीनी 70 से 75 रुपये किलो तक बिक रही है। इसका सीधा असर घरेलू बजट पर पड़ रहा है। रक्षाबंधन के अवसर पर मिठाई, खीर और विभिन्न पकवानों में चीनी की खपत बढ़ जाती है। ऐसे में त्योहार से ठीक पहले दाम बढ़ने से परिवारों को पहले की तुलना में अधिक खर्च करना पड़ सकता है।

मिठाई कारोबारियों के मुताबिक, कई मिठाइयों की कीमत में 50 से 100 रुपये प्रति किलो तक का इजाफा हुआ है। दुकानदारों का कहना है कि सिर्फ चीनी ही महंगी नहीं हुई है। दूध, खोआ, मलाई, घी और सूखे मेवों की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है।

राखी का वचन – सुरक्षित सफर का संकल्प

"राखी फॉर रोड सेफ्टी" अभियान संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निदेशानुसार रक्षाबंधन के अवसर पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और आमजन में यातायात नियमों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के उद्देश्य से आज, 27 अगस्त को धनबाद शहर के प्रमुख चौराहों पर रसड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान संपन्न किया गया।इस अनूठे अभियान के तहत विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने शहर के व्यस्ततम चौराहों पर तैनात रहकर दोपहिया एवं चारपहिया वाहन चालकों की कलाई पर रक्षासूत्र (राखी) बांधा और उनसे अपनी व दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भावनात्मक वचन लिया।

चरणबद्ध आयोजन: सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक इंदिरा चौक, बलियापुर चौक, टुंडी मोड़ और निरसा चौक पर क्रमवार जागरूकता अभियान चलाया गया।

सड़क सुरक्षा की शपथ: बच्चों ने वाहन चालकों से दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने, चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाने, ओवर-स्पीडिंग से बचने और यातायात संकेतों का कड़ाई से पालन करने का संकल्प कराया।

नागरिकों का सकारात्मक रुख: राहगीरों और वाहन चालकों ने बच्चों के इस भावनात्मक प्रयास की सराहना की और नियमों के अनुपालन का भरोसा दिया। बिना हेलमेट मिले चालकों को रोककर बच्चों ने स्नेहपूर्वक उन्हें जीवन रक्षा का महत्व समझाया।

जिला प्रशासन की अपील: जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से पुनः अपील की है कि सड़क सुरक्षा नियमों को केवल औपचारिकता न समझें, बल्कि इसे अपनी दैनिक आदत बनाएं।

किशोरी की अर्द्धनग्न लाश बरामद

बेगूसराय। बाया नदी में एक अज्ञात किशोरी का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। नदी में शव मिलने की सूचना पर आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। शव की स्थिति और उससे जुड़े परिस्थितिजन्य तथ्यों ने मामले को संदिग्ध बना दिया है। किशोरी की उम्र करीब 17 वर्ष होने का अनुमान लगाया जा रहा है। शव अर्धनग्न हालत में मिलने के कारण पुलिस यौन अपराध की आशंका समेत हत्या, डूबने और अन्य संभावित पहलुओं को जांच के दायरे में रख सकती है। हालांकि, दुष्कर्म की पुष्टि फिलहाल नहीं हुई है और इस संबंध में किसी निष्कर्ष पर पहुंचना पोस्टमार्टम एवं फोरेंसिक जांच के बाद ही संभव होगा।नदी में शव मिलने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि किशोरी की मौत कैसे हुई? क्या वह नदी में डूबी थी या किसी अन्य स्थान पर उसकी मौत के बाद शव को नदी में फेंका गया? शव की स्थिति को देखते हुए पुलिस इन सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

एमएमडीआर संशोधन कानून पर सुदेश महतो का हेमंत सरकार पर हमला

माइनिंग सेस के इस्तेमाल पर उठाए सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। एमएमडीआर संशोधन कानून को लेकर झारखंड की सियासत में बयानबाजी तेज हो गई है। बोकारो परिसदन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने हेमंत सरकार पर खनन से प्राप्त राशि के इस्तेमाल को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि खनन से मिलने वाली राशि का उपयोग खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास के बजाय राजनीतिक और चुनावी फायदे के लिए किया गया।

सुदेश महतो ने कहा कि जिन क्षेत्रों से खनिज संपदा निकाली जाती है, वहां रहने वाले लोगों को इसका सीधा लाभ मिलना चाहिए। खनन प्रभावित इलाकों में बेहतर सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और रोजगार की व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से मिलने वाली आय का इस्तेमाल क्षेत्र के समग्र विकास में होना चाहिए, ताकि स्थानीय लोगों का जीवन स्तर बेहतर हो सके।

आजसू सुप्रीमो ने एमएमडीआर संशोधन कानून को लेकर झामुमो के विरोध पर भी सवाल उठाया। उन्होंने दावा किया कि झारखंड में सरकारी माइनिंग क्षेत्र की तुलना में हेमंत सोरेन से जुड़े निजी माइनिंग क्षेत्र अधिक हैं और संशोधित कानून का असर इन पर पड़ सकता है। इसी वजह से झामुमो कानून का विरोध कर रहा है।

उन्होंने कहा कि यदि राज्य सरकार को एमएमडीआर संशोधन कानून से किसी तरह की आपत्ति या नुकसान की आशंका है तो उसे केंद्र सरकार के साथ बातचीत करनी चाहिए। राजनीतिक बयानबाजी के बजाय राज्य के हित में समाधान तलाशना जरूरी है।

सुदेश महतो ने कहा कि खनन से मिलने वाली राशि जनता की संपत्ति है और इसका इस्तेमाल खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास में पारदर्शी तरीके से किया जाना चाहिए। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

बच्चों के बीच खेलेगी टीम, जीतेगा इंडिया कार्यक्रम आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, राँची के आह्वान पर राष्ट्रीय खेल दिवस के तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन आज जिला रामरूद्र मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, चास में फिटनेस और मनोरंजक खेल में बच्चों के बीच खेलेगा टीम, जीतेगा इंडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में विद्यालय के शत प्रतिशत बच्चों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ सहभागिता की। खेल के माध्यम से बच्चों में टीम भावना, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा मिला।

कार्यक्रम के पहले दिन आज प्रथम पाली में विद्यालय में पुशअप, स्किपिंग और प्लैंक जैसे फिटनेस चैलेंज आयोजित किए गए । इस चैलेंज में विद्यालय के शत प्रतिशत बच्चों ने हिस्सा लिया। और अंत में कुल 168 पुश अप के साथ वर्ग 9 के चंदन कुमार एवं इसी वर्ग के प्रणव कुमार को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। इसके साथ ही पास द बॉल और स्पोर्ट्स बंधन जैसी गतिविधियां भी आयोजित की गई ।दूसरी पाली में खेल एवं स्वास्थ्य विषय पर विद्यार्थियों के लिए स्लोगन, नारा एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित किया गया जिसमें बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

धनबाद नगर निगम के सभी अंचलों में जल्द खुलेंगे आधार सेवा केंद्र

धनबाद। धनबाद नगर निगम क्षेत्र के आम नागरिकों को आधार नामांकन एवं आधार अद्यतन से संबंधित सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर सुलभ कराने के उद्देश्य से नगर निगम क्षेत्र के सभी अंचलों में नए आधार सेवा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इस संबंध में उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी आदित्य रंजन ने सीएससी एसपीवी झारखंड के राज्य प्रमुख को पत्र प्रेषित कर जनहित में सभी चिन्हित अंचलों में यथाशीघ्र आधार सेवा केंद्र खोलने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। उपायुक्त ने कहा कि धनबाद नगर निगम क्षेत्र के आम नागरिकों को आधार नामांकन एवं आधार अद्यतन से संबंधित सेवाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने के लिए कतरास अंचल, छाताटांड़ अंचल, धनबाद अंचल, झरिया अंचल तथा सिन्दरी अंचल में आधार सेवा केंद्र स्थापित किया जाएगा। इससे स्थानीय निवासियों को नया आधार बनवाने, नाम-पता-मोबाइल नंबर अपडेट कराने सहित आधार कार्ड से जुड़ी विभिन्न सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और उन्हें अपने ही अंचल में ये सुविधाएँ आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी।

डीईओ ने किया ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण

बोकारो। गुरुवार को कैंप-टू स्थित ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी (डीईओ) सह उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने किया। निरीक्षण के दौरान डीईओ सह डीसी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, तकनीकी उपकरणों की स्थिति तथा भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की। अधिकारियों द्वारा ईवीएम की वर्तमान स्थिति, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, अग्निशमन यंत्र, यूपीएस बैकअप एवं अन्य तकनीकी सुविधाओं की जानकारी दी। डीईओ सह डीसी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ईवीएम वेयरहाउस का नियमित निरीक्षण किया जाता है तथा मशीनों की सुरक्षा एवं क्रियाशीलता से संबंधित प्रतिवेदन समय-समय पर मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग, रांची को प्रेषित किया जाता है। उन्होंने निर्वाचन शाखा को आवश्यक प्रतिवेदन निर्धारित समय पर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

महंत परमेश्वर दास का निधन

एकमा (सारण)। नगर पंचायत एकमा बाजार क्षेत्र में स्थित सुविख्यात मौज बाबा के मठिया स्थित राम-जानकी मंदिर के महंत श्री श्री 108 श्री परमेश्वर दास का गुरुवार को हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वे 72 वर्ष के थे। उनके निधन की जानकारी मिलते ही मंदिर परिसर सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और उनके सानिध्य में रहने वाले श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। दरभंगा मां श्यामा मंदिर न्यास समिति के सदस्य, गोस्वामी जागरण मंच के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष एवं जदयू के सारण जिला उपाध्यक्ष डॉ. अरुण गिरी ने महंत जी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी उनका एकमा आना होता था, वे महात्मा जी से अवश्य मिलते थे। उनके निधन से धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है। महंत परमेश्वर दास के निधन पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोगों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। लोगों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा उनके अनुयायियों एवं शिष्यों को इस दुःख की घड़ी में धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की है।

चलाया गया टिकट चेकिंग अभियान

धनबाद। धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज धनबाद मंडल में मेगा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। यह टिकट चेकिंग अभियान सुनियोजित कार्यक्रम के तहत दिन-रात चलाया गया। इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप 514 यात्रियों को पकड़ा गया, जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे। इस दौरान उनसे 4,40,577 रूपए जुमानें के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। चेकिंग टीमों द्वारा स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग किया गया।

चंदा चोरी और एमएमडीआर विधेयक के खिलाफ कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चंदे में पारदर्शिता और निष्पक्ष जांच तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम 2026 के विरोध में गुरुवार को धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी ने जिला मुख्यालय पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया।

धरना का नेतृत्व जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महासचिव सह जिला प्रभारी डॉ. राकेश किरण महतो और विशिष्ट अतिथि के रूप में धनबाद लोकसभा की पूर्व प्रत्याशी अनुपमा सिंह शामिल हुईं। मुख्य अतिथि डॉ. महतो ने कहा कि एमएमडीआर संशोधन के माध्यम से झारखंड जैसे खनिज समृद्ध राज्यों के अधिकारों को प्रभावित करने का प्रयास किया गया है। झारखंड की अर्थव्यवस्था खनिज संसाधनों से जुड़ी है, इसलिए खनन राजस्व में राज्य का उचित अधिकार सुनिश्चित होना चाहिए। उन्होंने श्रीराम मंदिर के चंदे में भी पूर्ण पारदर्शिता और स्वतंत्र ऑडिट की मांग की।

अनुपमा सिंह ने कहा कि झारखंड केवल खनिज का भंडार नहीं, बल्कि यहां के लोगों की मेहनत और भविष्य से जुड़ा है। खनन के दुष्परिणाम - विस्थापन, प्रदूषण, पर्यावरण क्षति - सबसे ज्यादा यहीं की जनता झेलती है। ऐसे में राजस्व में राज्य और प्रभावित जनता का उचित हिस्सा मिलना चाहिए। उन्होंने भी मंदिर चंदे में जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की।

जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि यह आंदोलन किसी धार्मिक आस्था के विरोध में नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास, वित्तीय पारदर्शिता और राज्यों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए है। धरना के बाद प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मंदिर चंदे का स्वतंत्र वित्तीय ऑडिट और एमएमडीआर संशोधन के उन प्रावधानों की संवैधानिक समीक्षा की मांग की गई जो राज्यों की वित्तीय स्वायत्तता को प्रभावित करते हैं। इस अवसर पर एके झा, सुल्तान अहमद, मदन महतो, मुख्तार खान, मनोज यादव, दुर्गा दास, राशिद राजा अंसारी, सीता राणा, बिलकिस खानम, निशा सिंह, शंकर प्रजापति, लक्ष्मण तिवारी, जोगेंद्र सिंह जोगी, रामगोपाल भवानिया, कयूम खान, अवध बिहारी, दिनेश यादव, महेंद्र दुबे, इरफान खान चौधरी, मंटू दास सहित हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आभा कार्ड से डिजिटल होगा स्वास्थ्य रिकॉर्ड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत जिले में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) को महत्वपूर्ण पहल के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। आभा के माध्यम से नागरिक अपने स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण रिकॉर्ड को डिजिटल रूप में सुरक्षित और व्यवस्थित रख सकते हैं।सिविल सर्जन डॉ. अभय भूषण प्रसाद ने जिलावासियों से अधिक से अधिक संख्या में आभा कार्ड बनवाने और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड व्यवस्थित रहने से जरूरत के समय उपचार से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सकती है।

आभा एक 14 अंकों की विशिष्ट स्वास्थ्य पहचान संख्या है। इसके माध्यम से प्रिस्क्रिप्शन, जांच रिपोर्ट, डिस्चार्ज समरी सहित अन्य स्वास्थ्य दस्तावेजों को डिजिटल रूप से लिंक और व्यवस्थित किया जा सकता है। मरीज की सहमति के आधार पर अधिकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता के साथ रिकॉर्ड साझा करना भी संभव है। आभा कार्ड से पुराने स्वास्थ्य रिकॉर्ड आसानी से उपलब्ध होने के साथ पर्ची और कागजी फाइल संभालने की परेशानी कम होगी। ऑनलाइन अपॉइंटमेंट और टेली-कंसल्टेशन जैसी डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी आसान हो सकती है।

जिले के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आभा कार्ड बनाने की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है। नागरिक नजदीकी प्रज्ञा केंद्र (सीएससी) से भी आभा बनवा सकते हैं। आधिकारिक आभा पोर्टल के माध्यम से आधार या ड्राइविंग लाइसेंस से पंजीकरण किया जा सकता है। सत्यापन के बाद 14 अंकों की हेल्थ आईडी तैयार हो जाती है।

रेमकी कंपनी की गाड़ी की चपेट में आने से एक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद नगर निगम क्षेत्र में कचरा एवं कूड़ा उठाव का कार्य कर रही रेमकी कंपनी की गाड़ी की चपेट में आने से आम नागरिक मिथिलेश रजक गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मृतक के परिजनों एवं स्थानीय लोगों ने नगर निगम के गेट के समीप शव रखकर धरना-प्रदर्शन शुरू किया। सूचना मिलने पर अनुपमा सिंह मौके पर पहुंचीं और मृतक के परिजनों से मुलाकात कर इस दुख की घड़ी में अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए उन्हें ढांढस बंधाया। अनुपमा सिंह ने मौके से ही धनबाद नगर निगम के नगर आयुक्त आशीष गंगवार से दूरभाष पर वार्ता कर मृतक के परिवार को 10 लाख का उचित मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी तथा मृतक के बच्चों की शिक्षा एवं परवरिश के लिए आवश्यक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग रखी।

वार्ता के बाद परिवार को सहायता उपलब्ध कराने पर सहमति बनी। इसके तहत 2.50 लाख की नगद राशि मृतक की पत्नी को दी जाएगी। साथ ही रेमकी कंपनी मैं मृतक की पत्नी को नौकरी 20,000 प्रतिमाह का भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा गाड़ी के इंश्योरेंस से मिलने वाली राशि तथा झारखंड सरकार की ओर से 4 लाख और केंद्र सरकार की ओर से 2 लाख की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इस पूरी वार्ता को कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह जिला अध्यक्ष संतोष सिंह के सहयोग एवं पहल से संपन्न कराया गया। मृतक के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा गया कि परिवार को न्याय एवं उचित सहायता दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। परिवार को आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं संस्थाओं के साथ लगातार समन्वय किया जाएगा।

एमएमडीआर संशोधन अधिनियम के खिलाफ

झामुमो चलाएगा जनआंदोलन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। केंद्र सरकार द्वारा पारित खान एवं खनिज संशोधन अधिनियम, 2026 के खिलाफ झारखंड मुक्ति मोर्चा धनबाद जिला समिति ने पंचायत स्तर तक व्यापक जनआंदोलन चलाने का निर्णय लिया है। इसको लेकर बुधवार 27 अगस्त को कुमीर्डीह स्थित जिला कार्यालय में एक विस्तारित बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह ने की, जबकि संचालन जिला सचिव मन्नू आलम ने किया। बैठक में सरकार के मुख्य सचेतक सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो उपस्थित रहे। बैठक में तय किया गया कि 30 अगस्त को सभी प्रखंड एवं नगर स्तर पर बैठक कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। 31 अगस्त से जिले की प्रत्येक पंचायत में जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। 7 सितंबर को सभी प्रखंडों एवं नगर क्षेत्रों में विशाल विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो ने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था, रोजगार और भविष्य से जुड़ा विषय है। यदि केंद्र ऐसे कानून बनाता है जिससे राज्यों के अधिकार प्रभावित होते हैं, तो झामुमो उसका पुरजोर विरोध करेगा। उन्होंने कार्यकताओं से 7 सितंबर के प्रदर्शन को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया।

जिला उपाध्यक्ष मुकेश सिंह ने कहा कि झारखंड ने हमेशा देश के विकास के लिए संसाधन दिए हैं, अब समय आ गया है कि संसाधनों पर पहला हक झारखंड की जनता का सुनिश्चित हो। जिला सचिव मन्नू आलम ने कहा कि झामुमो हमेशा से जल, जंगल, जमीन की लड़ाई लड़ता आया है।

लाश बरामद- दरभंगा। लोआम गांव में उस समय सनसनी फैल गई, जब शादी के महज एक साल बाद दुल्हन का शव फंदे से लटका मिला।

जेजेएम के विभागीय सम्मेलन को लेकर जिला स्तरीय परामर्श बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आज जिला जल एवं स्वच्छता समिति की जिला स्तरीय परामर्श बैठक का आयोजन किया गया। इसमें जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आगामी 01 एवं 02 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 'डिपार्टमेंटल समिट' की पूर्व तैयारी के संदर्भ में विस्तृत चर्चा की गई। इस संबंध में उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला जल एवं स्वच्छता समिति आदित्य रंजन ने कहा कि नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इस राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य रूप से पेयजल स्त्रोतों की स्थिरता व सततता, ग्रामीण पेयजल आपूर्ति का संचालन एवं रखरखाव के अलावा अन्य विषयों पर फोकस किया जाएगा। बैठक में पीएचईडी यांत्रिक प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि मल्टी विलेज स्कीम में संबंधित कंपनी को फुल ब्लॉक कवरेज करना है। कंपनी के बड़े-बड़े पंप और मोटर लगे हैं। फिर भी रखरखाव के अभाव में योजना बंद हो रही है। उन्होंने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय सम्मेलन में बताया जाएगा कि इसका संचालन विभागीय स्तर से होना चाहिए। पानी का डिस्ट्रीब्यूशन, पाइपलाइन एवं रिवेन्यू कलेक्शन ग्राम जल स्वच्छता समिति को मिलना चाहिए। कहा कि जिला अंतर्गत सभी ट्यूबवेल के रिचार्ज हेतु सोक पिट, तालाबों का जीर्णोद्धार, रेन वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य संबधित विभाग से कराया जाय। जबकि पेयजल श्रोतों की नियमित जाँच फील्ड टेस्ट किट एवं जिला जल जाँच प्रयोगशाला से करना सुनिश्चित करें। पूर्ण जलापूर्ति योजनाओं को ग्राम जल एवं स्वछता समिति को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया गया। वहीं कार्यपालक अभियंता (मैकेनिकल) ने कहा कि जिले में बड़ी तादाद में ट्यूबवेल बने हैं। लेकिन किसी भी ट्यूबवेल का हिस्ट्री कार्ड नहीं है। राष्ट्रीय सम्मेलन में हर ट्यूबवेल का हिस्ट्रीकर्ड बनाने का सुझाव दिया जाएगा। इससे भविष्य में यह पता लगाने में आसानी होगी कि उस क्षेत्र में कितनी गहराई में पानी मिला है। उन्होंने ड्राई ट्यूबवेल को पुनः जीवित करने के लिए हाइड्रो-फ्रैक्करिंग तकनिक का उपयोग करने का सुझाव दिया। उपायुक्त ने सभी सुझावों की सराहना की और उसे राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत करने को कहा।

बैठक में पीएचईडी 2के कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार मंडल, कार्यपालक अभियंता (मैकेनिकल) मयंक कुमार भगत, सभी सहायक अभियंता, अन्य विभाग के जिला स्तरीय पदाधिकारी, कनीय अभियंता मौजूद थे।

प्रतियोगिता का आयोजन

तेनुघाट। बेरमो अनुमंडल स्थित पूज्य तपस्वी श्री जग जीवन जी महाराज ज्योति सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, पेटरवार में रक्षाबंधन के अवसर पर रंगोली, मेहंदी, आरती थाल एवं राखी निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का सुंदर प्रदर्शन किया। छात्राओं ने आकर्षक रंगोली एवं सुंदर मेहंदी डिजाइन बनाकर अपनी कला-कौशल का परिचय दिया। वहीं विद्यार्थियों ने मनमोहक आरती थाल तथा विभिन्न प्रकार की सुंदर एवं आकर्षक राखियों का निर्माण किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा वातावरण देखने को मिला।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-टीटीआर-एसटीई-बीडब्ल्यूएन-26-27, दिनांक: 25.08.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निविदा सं.: एसडीएसटीई-टीटीआर-एसटीई-बीडब्ल्यूएन-26-27 के प्रतिपक्ष निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। कार्य का नाम: सिग्नलिंग कार्य-हावड़ा मंडल-टीटीआर (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएससी) 60 केजी 1 इन 8.5-50 सेट। बोली प्रणाली : एकल पैकेट। विज्ञापित मूल्य: रु. 1,13,26,040.50, बयाना राशि/बोली प्रतिभूति: रु. 2,26,500/-, निविदा कागजात का मूल्य: रु. 0.00, समापन अवधि: 12 माह। प्रस्ताव की वैधता : 60 दिन। निविदा अपलोड करने की तिथि और समय: दिनांक 25.08.2026 को 18.38 बजे। बोली प्रारंभ होने की तिथि: दिनांक 04.09.2026, निविदा की अंतिम तिथि और समय: दिनांक 18.09.2026 को 15.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। HWH-304/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहां देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

शुद्धिपत्र

मंडल रेल प्रबंधक (इंजीनियर)/दक्षिण पूर्व रेलवे/आद्रा द्वारा पूर्व प्रकाशित एनआईटी सं. ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-68-26, दिनांक 30.07.2026 के संबंध में शुद्धिपत्र, प्रशासनिक कारण से, निविदा की अंतिम तिथि 31.08.2026 के बदले 01.09.2026 पुनर्निर्धारित की जाती है। मूल निविदा सूचना के अन्य सभी नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। शुद्धिपत्र के साथ ई- निविदा सूचना का विवरण www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होगा। (PR-678/C)

पूर्व रेलवे

ई-निविदा संख्या 201_2026-27, दिनांक 26.08.2026, वरिष्ठ मंडल अभियंता/सी, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत सम्प्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: वरिष्ठ डीईएन/मुख्यालय/हावड़ा के अधीन। कार्य का विवरण : एईएन/2/हावड़ा के अधीन सॉर्टिंग यार्ड कोचिंग कॉम्प्लेक्स में डीप ट्रफ ड्रेन (300 X 200 मिमी) छाया को बैठाने की व्यवस्था। अनुमानित मूल्य : रु. 14,45,259.70, बयाना राशि: रु. 28,900/-निविदा प्रपत्र का मूल्य : रु.0.00, समापन अवधि : स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 03 (तीन) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। निविदा की अंतिम तिथि और समय : दिनांक 23.09.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। टिप्पणी: आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा। HWH-308/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहां देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

जीविका दीदियों को दी गई 17,300 करोड़ की राशि

संवर रही महिलाओं की तकदीर : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास एवं जल सम्पर्क मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार में पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों वर्ष 2006 में डाली गई जीविका की नींव आज वटवृक्ष का रूप ले चुकी है। राज्य में सक्रिय 11 लाख 88 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) से एक करोड़ 81 जीविका दीदियां जुड़ी हैं। मुख्यमंत्री प्रोत्साहन योजना के तहत अब तक 16 हजार 700 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि जीविका दीदियों को दी जा चुकी है। इसके अलावा 600 करोड़ रुपये गुरुवार को जारी की गई है। इस तरह अब तक 17 हजार 300 करोड़ रुपये दीदियों के खाते में जारी किए जा चुके हैं। इसके अलावा इन दीदियों को बैंकों से 74 हजार 100 करोड़ रुपये का ज्यादा की ऋण दिलायी जा चुकी है। दीदियों की यह ईमानदारी ही कही जाएगी कि इनमें 99 फीसदी दीदियों ने ऋण चुका दिया है। मंत्री श्री कुमार गुरुवार को ग्रामीण विकास विभाग की ओर से गांधी मैदान स्थित बापू सभागार में आयोजित समृद्ध महिला-समृद्ध बिहार कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि जीविका एक संस्था नहीं बल्कि विकसित बिहार की मजबूत स्तंभ है जिसके माध्यम से बिहार आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आयाम को छू रहा है। यह अदम्य साहस, सूझबूझ एवं दूरदर्शिता को प्रदर्शित करता विकसित भारत 2047 का आधारशिला है। मंत्री ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व से एक दिन पूर्व जीविका दीदियों को आर्थिक सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है जिसके तहत आज सातवीं चरण में कुल चार लाख जीविका दीदियों के खातों में 10-10 हजार रुपये का प्रोत्साहन और एक लाख दीदियों के खातों में 20-20 हजार रुपये दूसरी किस्त के रूप में अंतरण की जाएगी। इसके अलावा जीविका निधि से 10 हजार दीदियों को 50 करोड़ रुपये ऋण दी गई है। राज्य में जीविका दीदी लखपति बनकर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। मंत्री श्री कुमार ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री ने महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में कई योजनाओं को लागू किया। उसी का परिणाम है कि आज हमारी बहनें तेजी के साथ आत्मनिर्भर हो रही हैं। श्री कुमार ने कहा कि देश में पहला राज्य बिहार है जहां सतत जीविकोपार्जन योजना लागू किया गया। ताड़ी, शराब बेचकर जिंदगी का गुजर-बसर करने वाले दो लाख एक हजार परिवारों को चिन्हित कर इस योजना के तहत राजकीय खजाने से एक रुपये से दो लाख रुपये तक का आर्थिक सहायता पहुंचाया गया और उन्हें वैकल्पिक रोजगार मुहैया कराया गया। उन्होंने कहा कि जीविका दीदियों के उत्पाद को उचित मूल्य और उनकी हुनर को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल सके, इसके लिए सरकार तेजी से काम कर रही है। इसके लिए पंचायत, प्रखंड से लेकर जिला स्तर पर अत्याधुनिक बाजार-हाट का निर्माण किया जाएगा।

हिंदी भावना, संस्कृति और राष्ट्रीय अभिव्यक्ति की साक्षी : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जगदम्बी प्रसाद यादव स्मृति प्रतिष्ठान एवं अंतरराष्ट्रीय हिन्दी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में नागालैंड के राज्यपाल नंदकिशोर यादव के अभिनंदन समारोह के अवसर पर अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन, राष्ट्रीय संगोष्ठी, काव्य गोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद नंदकिशोर यादव को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। स्वागत संबोधन में बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं, बल्कि भावना, संस्कृति और राष्ट्रीय स्तर की अभिव्यक्ति की साक्षी है। यह गांव की संस्कृति, संतों की वाणी और स्वतंत्रता संग्राम की बोली से लेकर राष्ट्रीय कवियों और मूर्धन्य साहित्यकारों की धरोहर की प्रतीक है। देववाणी संस्कृत से उद्गम लेने वाली हिंदी साहित्य के व्यापक इतिहास की संगिनी रही है। उन्होंने हिंदी साहित्य की समृद्ध परंपरा में साहित्यकार और कवियों के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि अपनी मातृभाषा के स्वरूप को बेझिझक अंगीकार करने और हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। हिंदी की अनुभूति, स्वीकृति और संस्कृति को नई ऊंचाई देने का समय आ गया है। नंदकिशोर यादव ने कहा कि हिंदी साहित्य और संस्कृति के प्रकटीकरण तथा प्रस्तुतीकरण को जोड़ने वाली सशक्त कड़ी है। इसे शिक्षा, ज्ञान, विज्ञान, प्रतियोगी परीक्षाओं, चिकित्सा और अभियांत्रिकी जैसे क्षेत्रों में उपयोग करने की आवश्यकता है, ताकि हिंदी भाषी क्षेत्र के लोग अपनी भाषा पर गर्व कर सकें। इस अवसर पर 'राजभाषा दर्पण' स्मारिका का विमोचन किया गया तथा हिंदी के क्षेत्र में सराहनीय योगदान देने वालों को जगदम्बी प्रसाद यादव स्मृति शिखर सम्मान, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। समारोह में मेघालय एवं सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे और पूर्व पुलिस महानिदेशक आलोक राज ने भी हिंदी की विरासत को समृद्ध करने पर विचार रखे।

'समृद्ध महिला-समृद्ध बिहार अभियान' एक ऐतिहासिक पहल : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि समृद्ध महिला-समृद्ध बिहार अभियान महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने की दिशा में बिहार सरकार की महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल है। महिलाओं की आर्थिक समृद्धि से परिवार, समाज और बिहार के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि पटना के बापू सभागार में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित अभियान का शुभारंभ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने किया। इस दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत पांच लाख महिला लाभुकों के खातों में राशि का अंतरण, जीविका निधि से 10 हजार लाभुकों को ऋण वितरण तथा विकसित भारत-जी राम जी योजना के तहत 112 ग्रामीण हाटों के निर्माण का कार्यारंभ किया गया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय और मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी हुए। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के जरिए महिलाओं को स्वरोजगार और रोजगार के अवसर देकर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास हो रहा है। जीविका के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। गया जिले में योजना के तहत अब तक 36,677 लाभुकों को लाभ मिला है जिनमें प्रथम चरण के 34,359 और द्वितीय चरण के 2,318 लाभुक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। केंद्र और राज्य सरकार महिलाओं के कौशल विकास, स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा दे रही है। महिला सशक्तिकरण केवल महिलाओं का विकास नहीं, बल्कि परिवार और समाज का विकास है।

हिमालया बेबीकेयर ने प्योर बिगिनिंग्स घी गिफ्ट पैक पेश किया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। हिमालया बेबीकेयर ने अपने नए हिमालया बेबीकेयर प्योर बिगिनिंग्स घी गिफ्ट पैक के लिए एआई से तैयार किया गया नया डीवीसी लांच किया है। तकनीक आधारित कहानी कहने, सांस्कृतिक जुड़ाव और प्रीमियम प्रोडक्ट पोजिशनिंग के माध्यम से हिमालया बेबीकेयर नवजात शिशुओं के लिए तेजी से विकसित हो रही गिफ्टिंग श्रेणी में अपनी उपस्थिति को और मजबूत कर रहा है। कैंपेन के बारे में बात करते हुए एनवी चक्रवर्ती, डायरेक्टर, बेबीकेयर, हिमालया वेलनेस कंपनी ने कहा कि हिमालया बेबीकेयर में हमारा मानना है कि शिशु का पहला उपहार सोच-समझकर चुना गया, शुद्ध और वास्तव में खास होना चाहिए क्योंकि यह नवजात शिशु के आगमन पर मिलने वाले प्यार और देखभाल को दर्शाता है।

मध्यमा परीक्षा 2027 में नया कीर्तिमान स्थापित करने की तैयारी

31 अक्टूबर तक बिना विलंब शुल्क भरे जाएंगे परीक्षा फॉर्म

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड ने मध्यमा परीक्षा 2027 की तैयारियां व्यापक स्तर पर शुरू कर दी है। बोर्ड का लक्ष्य आगामी परीक्षा में विद्यार्थियों की सहभागिता, परीक्षा की गुणवत्ता, पारदर्शिता और परिणाम–सभी क्षेत्रों में नया कीर्तिमान स्थापित करना है। मध्यमा परीक्षा 2027 में सम्मिलित होने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए बिना विलंब शुल्क परीक्षा फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। इसके पश्चात निर्धारित नियमों के अनुसार विलंब शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म स्वीकार किए जाएंगे। बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष मृत्युंजय झा ने कहा कि बोर्ड इस वर्ष मध्यमा परीक्षा में विद्यार्थियों की संख्या को अभूतपूर्व स्तर तक पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाएगा। उन्होंने कहा कि मध्यमा परीक्षा 2025 की तुलना में मध्यमा परीक्षा 2026 में विद्यार्थियों की संख्या में लगभग दोगुनी वृद्धि हुई थी। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के बाद अब वर्ष 2027 में इससे भी आगे बढ़ते हुए नया कीर्तिमान स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मृत्युंजय झा ने कहा कि इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए पूरे बिहार में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। संस्कृत विद्यालयों के शिक्षक, प्रधानाध्यापक और आचार्य विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को मध्यमा परीक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करेंगे तथा अधिक से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन एवं परीक्षा फॉर्म भरवाने के लिए विशेष प्रयास करेंगे। उन्होंने बताया कि आगे चलकर इस अभियान को और व्यापक बनाने के लिए जन-जागरूकता एवं संपर्क यात्रा भी आयोजित की जाएगी। अध्यक्ष मृत्युंजय झा ने स्पष्ट कहा कि विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाना बोर्ड का एकमात्र उद्देश्य नहीं है। परीक्षा की गुणवत्ता, पारदर्शिता, सुव्यवस्थित व्यवस्था और विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार बोर्ड की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मध्यमा परीक्षा 2026 में लगभग 87.5 प्रतिशत परिणाम प्राप्त हुआ, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। परीक्षा के बाद विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बोर्ड द्वारा पूरक परीक्षा का भी आयोजन किया गया। विशेष रूप से, मध्यमा परीक्षा 2026 का परिणाम मात्र 27 दिनों में घोषित किया गया, जो बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

एल.बी.एफ.सी. ट्रस्ट और पटना रंग गुरुकुल की ऐतिहासिक पहल

प्रेमचंद रंगशाला में मंचित 'अवलोकन' ने छुआ दर्शकों का दिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कला एवं संस्कृति विभाग के सौजन्य से 26 अगस्त को प्रेमचंद रंगशाला में पटना रंग गुरुकुल द्वारा निर्मित एक दिवसीय नाट्य प्रस्तुति नाटक 'अवलोकन' का मंचन हुआ। एल.बी.एफ.सी. ट्रस्ट (अध्यक्षः रागिनी पटेल) और पटना रंग गुरुकुल का यह पहला साझा रंगमंचीय प्रयास था जिसका मुख्य उद्देश्य उभरते कलाकारों को बड़ा मंच देना है। कार्यक्रम में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष इंद्रजीत पटेल का भी विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान एल.बी.एफ.सी. ट्रस्ट एवं पटना रंग गुरुकुल द्वारा सभी अतिथियों को मोमेंटो व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। एल.बी.एफ.सी. ट्रस्ट का मानना है कि रंग गुरुकुल के साथ मिलकर काम करना युवा कलाकारों को तराशने का एक सशक्त जरिया है। ममता मेहरोत्रा की कहानी पर आधारित इस नाटक का नाट्य रूपांतरण मणिकांत चौधरी ने किया। मुंबई से आकर पटना में स्थानीय प्रतिभाओं को तराशने में जुटे निर्देशक राजवीर गुंजन ने कलाकारों को कड़ी मेहनत से तैयार कर इस कहानी को मंच पर जीवंत किया। नाटक के माध्यम से बच्चों के सुरक्षित भविष्य और सही मार्गदर्शन का बड़ा संदेश दिया गया।

बी. डी. कॉलेज में मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बी. डी. कॉलेज, पटना की सांस्कृतिक समिति की ओर से महाविद्यालय में मेहंदी प्रतियोगिता का सफल एवं उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता, कलात्मक प्रतिभा एवं कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर दिवाकर प्रसाद के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. सरिता कुमारी, डॉ. ममता शर्मा एवं डॉ. अफ्सा निगार उपस्थित रहीं। निर्णायकों ने छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मेहंदी डिजाइनों का विभिन्न कलात्मक मानकों के आधार पर मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान-माशिरा रिजवान, द्वितीय स्थान चांदनी कुमारी तथा सूर्या कुमार ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। तृतीय स्थान रूमाना परवीन ने प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त सांत्वना पुरस्कार भी कई छात्राओं को प्रदान किया गया। विजेता छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापकों सहित विभिन्न विभागों के शिक्षकगण आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित रहे और छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का समन्वय सांस्कृतिक समिति के समन्वयक डॉ. विनीता तिवारी के नेतृत्व में किया गया। सांस्कृतिक समिति के सभी सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए प्रतियोगिता को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्राचार्य प्रोफेसर दिवाकर प्रसाद ने छात्राओं की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे रचनात्मक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास और सृजनात्मकता को भी बढ़ावा देते हैं।

विधान सभा सदस्यों और कर्मियों के लिए लागू होगी कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को उनके कार्यालय कक्ष में स्वास्थ्य विभाग के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में वर्तमान एवं पूर्व सदस्यों तथा सभा सचिवालय के पदाधिकारियों और कर्मचारियों को कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने पर विस्तार से चर्चा हुई। स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने बताया कि विभागीय निर्णय के अनुसार कैशलेस व्यवस्था को आयुष्मान भारत से जोड़ा जाएगा और वर्तमान एवं पूर्व सदस्यों तथा उनके आश्रितों के लिए यह सुविधा एक जनवरी 2027 से लागू होगी। फिलहाल कैशलेस सुविधा अंतर्वासी चिकित्सा के लिए होगी, जबकि बर्हिवासी चिकित्सा की प्रतिपूर्ति पूर्ववत रहेगी। आयुष्मान भारत से जुड़े सरकारी एवं गैर-सरकारी सूचीबद्ध अस्पतालों में प्रतिपूर्ति की सीमा निर्धारित करने के सुझावों पर भी चर्चा हुई। चिकित्सा विपत्रों के सत्यापन के लिए सिविल सर्जन कार्यालय जाने की प्रक्रिया में होने वाले विलंब को दूर करने तथा कैंसर, किडनी और हृदय रोग से पीड़ित कर्मियों के मामलों में प्रतिपूर्ति प्रक्रिया को त्वरित और सुगम बनाने पर जोर दिया गया। बैठक में गयाजी में स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा के साथ आईएमए भवन स्थित मगध आई रिट्रीवल सेंटर के लाइसेंस के संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए। 25 सितंबर से 10 अक्टूबर तक होने वाले पितृपक्ष मेला में श्रद्धालुओं के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की पुख्ता व्यवस्था पर भी चर्चा हुई।

रक्षा बंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और निष्ठा का पवित्र पर्व : विस अध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने प्रदेशवासियों को रक्षा बंधन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और निष्ठा के पवित्र बंधन का प्रतीक है। यह पर्व प्रत्येक वर्ष श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर मनाया जाता है। इस दिन बहनें भाई की लंबी आयु और मंगलकामना के लिए उनकी कलाई पर राखी बांधती है जबकि भाई बहन की सदैव रक्षा करने का वचन देता है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि रक्षा बंधन से जुड़ी विभिन्न पौराणिक और ऐतिहासिक मान्यताएं हैं। मान्यता है कि देवासुर संग्राम के दौरान भगवान इंद्र की पत्नी इंद्राणी ने उन्हें अभिमंत्रित रक्षा सूत्र बांधा था जिसके बाद इंद्र की विजय हुई और इसी से रक्षा बंधन की परंपरा शुरू हुई। अन्य मान्यताओं के अनुसार देवी लक्ष्मी ने राजा बलि तथा द्रौपदी ने श्रीकृष्ण को राखी बांधी थी। इतिहास में मेवाड़ की रानी कर्णावती द्वारा मुगल सम्राट हुमायूं को राखी भेजकर रक्षा का आग्रह किए जाने और हुमायूं द्वारा रक्षा का वचन निभाने का भी उल्लेख मिलता है। उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का पर्व नहीं, बल्कि माताओं और बहनों की सुरक्षा, सम्मान तथा सशक्तिकरण के संकल्प का भी प्रतीक है। उन्होंने कामना की कि यह पवित्र पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए।

केवाइपी बचाओ महाआंदोलन के तीसरे दिन पुतला दहन, रिन्यूवल की मांग पर अड़े केंद्र संचालक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में पिछले करीब दस वर्षों से संचालित केवाईपी केंद्रों को अघोषित रूप से बंद रखे जाने तथा पुराने केंद्रों को रिन्यूवल देने के बजाय नया टेंडर लाने की विभागीय कवायद के विरोध में 25 अगस्त से पटना के गर्दनीबाग में शुरू हुआ केवाईपी बचाओ महाधरना गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। लगातार तीन दिनों के आंदोलन के बावजूद सरकार और विभाग की ओर से कोई ठोस सकारात्मक पहल नहीं होने से केंद्र संचालकों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। आंदोलन के तीसरे दिन आक्रोशित केंद्र संचालकों ने युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के सचिव कौशल किशोर एवं विभागीय मंत्री अरुण शंकर प्रसाद का पुतला दहन कर विरोध जताया। इससे पहले आंदोलन स्थल पर बुद्धि-शुद्धि हवन का आयोजन किया गया। आंदोलनकारियों ने कहा कि वर्षों से केवाईपी के माध्यम से युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने वाले केंद्रों को अचानक बंद रखना और पुराने केंद्रों के रिन्यूवल के बजाय नए टेंडर की बात करना केंद्र संचालकों के हितों के साथ-साथ युवाओं के भविष्य को भी प्रभावित करता है। धरना स्थल पर सम्पूर्ण बिहार के केंद्र संचालकों की उपस्थिति रही जो धरना-प्रदर्शन में भाग लिया। इस दौरान आंदोलनकारियों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए कहा 'जब तक रिन्यूवल नहीं, तब तक धरना जारी रहेगा। जब तक एडमिशन नहीं, तब तक धरना जारी रहेगा।' आंदोलनकारियों का कहना है कि पुराने और वर्षों से संचालित केवाईपी केंद्रों को प्राथमिकता के आधार पर रिन्यूवल दिया जाना चाहिए। साथ ही केवाईपी प्रशिक्षण के लिए नए एडमिशन तत्काल शुरू किए जाएं, ताकि बिहार के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से वंचित न होना पड़े। इसी बीच दीघा के भाजपा विधायक संजीव चौरसिया भी धरना स्थल पर पहुंचे और आंदोलनकारियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने आश्वासन दिया कि केवाईपी से संबंधित समस्याओं और केंद्र संचालकों की मांगों को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का काम करेंगे। हालांकि, आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि केवल आश्वासन से आंदोलन समाप्त नहीं होगा। उनका कहना है कि जब तक पूरे 1700 केवाईपी केंद्रों का रिन्यूवल नहीं किया जाता और प्रशिक्षण के लिए एडमिशन शुरू नहीं होता, तब तक गर्दनीबाग में महाधरना जारी रहेगा।

एशियन कराटे चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे हर्ष कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के कराटे जगत के लिए यह गर्व और गौरव का क्षण है। बिहार के हर्ष कुमार, जो एशियन कराटे फेडरेशन के जज हैं, आगामी एशियन कराटे चैंपियनशिप 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता जॉर्डन में आयोजित होने जा रही है। हर्ष कुमार चैंपियनशिप में जज के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे तथा रेफरीशिप का दायित्व संभालेंगे। वे इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भारत की ओर से आधिकारिक अधिकारी के रूप में सेवाएं देंगे। हर्ष कुमार 5 सितंबर 2026 को जॉर्डन के लिए रवाना होंगे। हर्ष कुमार का एशियन स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए चयन होना बिहार के लिए गौरव की बात है। उनके चयन से बिहार के कराटे खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों एवं खेल जगत में खुशी का माहौल है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करना हर्ष कुमार के साथ-साथ पूरे बिहार के लिए भी सम्मान की बात है।

संस्कृत भाषा की उपयोगिता पर होगा विचार-विमर्श

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना की ओर से पाटलिपुत्र कालोनी स्थित पेंशनर भवन में 28 अगस्त को संध्या 4 बजे संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा जिसमें आधुनिक सन्दर्भ में संस्कृत भाषा की उपयोगिता पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इसमें मुख्य अतिथि के रुप में बिहार एवं झारखंड के पूर्व मुख्य सचिव विजय शंकर दुबे, अध्यक्षता के रूप में विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के अध्यक्ष डॉ शिववंश पाण्डेय, मुख्य वक्ता के रूप में गंगा देवी महिला महाविद्यालय पटना की संस्कृत विभागाध्यक्षा प्रो. रागिनी वर्मा, विशिष्ट अतिथि के रुप में बिहार सरकार के पूर्व विशेष सचिव डॉ उपेन्द्र नाथ पांडेय, मंच संचालन विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा, डॉ अनिल कुमार चौबे, डॉ नीरा कुमारी, डॉ राम नारायण सिंह, प्रो. अशोक कुमार, पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष, पटना विश्वविद्यालय, प्रो. मीनाक्षी प्रसाद, पूर्व प्राचार्या महिला महाविद्यालय खगौल, डॉ रागनी कुमारी, डॉ भारती कुमारी, डॉ अंजलि कुमारी, तरुण कुमार पाण्डेय, शम्भु नाथ पांडेय, श्रद्धा कुमारी, राहुल कुमार सहित विहार संस्कृत संजीवन समाज के सभी सदस्य एवं संस्कृत प्रेमी उपस्थित रहेंगे।

इलाज से लेकर न्याय की राह तक, बाल गृहों के बच्चों को मिलेगी चारपहिया वाहन की सुविधा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। समाज कल्याण विभाग के तहत संचालित बाल गृहों में रहने वाले बच्चों को अस्पताल और न्यायालय ले जाने के लिए अब चारपहिया वाहन की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार राज्य के 40 बाल गृहों के लिए यह व्यवस्था की जा रही है। इससे बच्चों को अस्पताल में इलाज कराने अथवा न्यायालय में पेशी के लिए ले जाने में सहूलियत होगी और उनके सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी।

40 बाल गृहों को मिलेगी वाहन सुविधा

विभाग से मिली जानकारी के अनुसार राज्य के 40 विभिन्न बाल गृहों को एक-एक चारपहिया वाहन की सुविधा दी जाएगी। इन वाहनों का उपयोग बाल गृहों में रहने वाले बच्चों को आवश्यकता के अनुसार अस्पताल, न्यायालय अथवा अन्य निर्धारित स्थानों तक ले जाने के लिए किया जाएगा। अब तक बच्चों को ऑटो, रिक्शा या अन्य उपलब्ध वाहनों के माध्यम से ले जाना पड़ता था। नई व्यवस्था से उनके आवागमन को अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाया जा सकेगा। वाहनों की सुविधा आउटसोर्सिंग के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। सभी 40 बाल गृहों के लिए सातों दिन और 24 घंटे चारपहिया वाहन उपलब्ध रहेगा, ताकि आपात स्थिति में भी बच्चों को अस्पताल अथवा अन्य आवश्यक स्थानों पर तत्काल ले जाया जा सके। विभाग की ओर से प्रत्येक वाहन के लिए 75 हजार रुपये प्रतिमाह की दर से भुगतान किया जाएगा। समाज कल्याण विभाग ने इस व्यवस्था को एक वर्ष के लिए मंजूरी दी है। विभागीय जानकारी के अनुसार 40 वाहनों की व्यवस्था पर एक वर्ष में कुल 3 करोड़ 60 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत की अध्यक्षता में बाढ़ पूर्व तैयारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक

गर्भवती महिलाओं की मैपिंग तथा अस्थायी चिकित्सा शिविरों की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नेपाल में गंडक नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में फ्लैश फ्लड की स्थिति उत्पन्न होने तथा गंडक नदी में अचानक जलप्रवाह बढ़ने की संभावना के मद्देनजर राज्य में संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा बाढ़ पूर्व तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। स्वास्थ्य विभाग के सभागार में आयोजित इस उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य मंत्री श्री निशांत ने की। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री को राज्य के बाढ़ संभावित जिलों में आमजन की सुरक्षा, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था तथा संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए तैयार किए गए माइक्रो प्लान की विस्तृत जानकारी दी गई। समीक्षा के दौरान बाढ़ प्रभावित होने की संभावना वाले प्रमुख छह जिलों–पश्चिमी चंपारण (बेतिया), पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर एवं वैशाली–में विशेष सतर्कता बरतने पर जोर दिया गया। इसके अतिरिक्त सीतामढ़ी, शिवहर एवं अन्य संवेदनशील जिलों की स्थिति पर भी निरंतर नजर रखने का निर्देश दिया गया। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के सचिव कुमार रवि, राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक श्री अमित कुमार पांडेय, विशेष सचिव अरविंद कुमार वर्मा, बीएमएसआईसीएल के प्रबंध निदेशक सुब्रत कुमार सेन, मंत्री के आप्त सचिव कौशलेंद्र कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग, राज्य स्वास्थ्य समिति एवं बीएमएसआईसीएल के कई वरिष्ठ अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने निर्देश दिया कि आपदा के समय सबसे अधिक जोखिम वाले वर्गों–गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं, नवजात शिशुओं, बुजुर्गों तथा गंभीर असाध्य रोगों से पीड़ित मरीजों–पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आशा एवं एएनएम के माध्यम से बाढ़ संभावित क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं की लाइन लिस्टिंग पूरी कर ली गई है।

संपादकीय

देश में चीनी महंगी क्यों हुई? गन्ना उत्पादन में कमी या फिर कुछ और?

गौरतलब है कि भारत चीनी की घरेलू आपूर्ति के साथ-साथ इसके निर्यात के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है। देश भर में चीनी के दामों में अप्रत्याशित बढ़ोतरी ने त्योहारी मौसम की मिठास में महंगाई की कड़वाहट घोल दी है। चीनी की कीमतें क्यों बढ़ीं, इसके अलग-अलग तर्क दिए जा रहे हैं। सरकार का कहना है कि गन्ने की कमी से चीनी का उत्पादन प्रभावित हुआ, जिससे दाम बढ़े हैं। वहीं, चीनी उद्योग का तर्क है कि कीमतें बढ़ने की उम्मीद में कारोबारियों एवं थोक व्यापारियों की ओर से की गई ज्यादा खरीदारी भी एक कारण हो सकता है।मगर विपक्षी दल इन तर्कों से इत्तिफाक नहीं रखते, उनका आरोप है कि गन्ने का एथनाल उत्पादन में इस्तेमाल बढ़ाने से चीनी की कीमतें बढ़ रही हैं। वजह चाहे कोई भी हो, लेकिन यह बात साफ है कि इसका असर आम उपभोक्ता के घरेलू बजट पर पड़ रहा है। सवाल है कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रण में रखने की जिम्मेदारी किसकी है? हालांकि, सरकार की ओर से दस लाख टन कच्ची चीनी का शुल्क-मुक्त आयात करने की बात कही जा रही है, लेकिन यह निर्णय अपने आप में कई सवाल खड़े करता है।गौरतलब है कि भारत चीनी की घरेलू आपूर्ति के साथ-साथ इसके निर्यात के मामले में दुनिया में दूसरे स्थान पर है। इसके बावजूद अगर देश में चीनी आयात करनी पड़े, तो इसे किस तरह देखा जाएगा। विपक्ष का आरोप है कि देश में चीनी का भंडार नौ साल के निचले स्तर पर पहुंच गया है, जबकि सरकार का दावा है कि घरेलू मांग पूरी करने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद है।मगर सवाल यह भी है कि अगर सरकार का दावा सही है, तो फिर चीनी की कीमतें क्यों बढ़ी हैं? इसका जवाब सरकार के उन नए दिशा-निर्देशों में भी ढूंढ़ा जा सकता है, जिनके तहत चीनी के बड़े कारोबारियों, शीतल पेय, मिठाई एवं आइसक्रीम विनिर्माताओं और थोक उपभोक्ताओं के लिए भंडारण सीमा लागू की गई है। यानी सरकार को लगता है कि चीनी की कालाबाजारी से भी इसके दामों में बढ़ोतरी हो रही है।मगर यह बात समझ से परे है कि संकट आने के बाद ही सरकार की ओर से ऐसे कदम क्यों उठाए जाते हैं? कालाबाजारी के खिलाफ कानून होने के बावजूद उसे सख्ती से लागू करने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की जाती !सवाल सिर्फ कीमतों का ही नहीं है, बल्कि सरकारी और सार्वजनिक क्षेत्र से जुड़े निजी उपक्रमों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता का भी है। देश भर के खुदरा और थोक बाजारों में चीनी की कीमतों में एक माह के भीतर करीब पच्चीस फीसद की बढ़ोतरी देखी गई है। इसको लेकर विरोधाभासी दावों ने भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है। एक ओर विपक्ष इसे पेट्रोल में एथनाल मिश्रण बढ़ाने की सरकारी नीति से जोड़कर देख रहा है, तो दूसरी तरफ सरकार का दावा है कि देश में कुल एथनाल का केवल एक-चौथाई हिस्सा ही गन्ने से बनता है, जबकि बाकी मुख्य रूप से मक्का जैसे अनाज से तैयार होता है।

आये दिन होने वाले प्रदर्शनों के चलते सामान्य जनजीवन को बंधक बना देने की प्रवृति पर दिल्ली उच्च न्यायालय की टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि प्रदर्शनों के कारण कई बार तो जीवन मरण तक के हालात पैदा हो जाते हैं। अन्य सब कारणों और परिणामों को थोड़ी देर के लिए अलग कर भी दिया जाएं तो भी हालात यहां तक हो जाते हैं कि यातायात प्रभावित होने से तत्काल मेडिकल रिलिफ की आवश्यकता वाले बीमारों तक का जीवन संकट में पड़ जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि लोकतंत्र में अपनी बात कहने, अपनी बात रखने और अपना विरोध अंकित कराने का सबको अधिकार है।

विरोध प्रदर्शन करें पर ना हो सीमाओं का अतिक्रमण

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

क्या कभी सोचा है कि हमारे प्रदर्शन से प्रदर्शन वाले शहरवासियों को कितना प्रभावित करता है। प्रदर्शन वाले शहर का कहीं ज्यादा तो कहीं कम यातायात प्रभावित हो जाता है। निजी व सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बाधित हो जाती है। मरीजों व जरुरी काम वालों को बीच रास्ते अटकना पड़ जाता है।

आये दिन होने वाले प्रदर्शनों के चलते सामान्य जनजीवन को बंधक बना देने की प्रवृति पर दिल्ली उच्च न्यायालय की टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि प्रदर्शनों के कारण कई बार तो जीवन मरण तक के हालात पैदा हो जाते हैं। अन्य सब कारणों और परिणामों को थोड़ी देर के लिए अलग कर भी दिया जाएं तो भी हालात यहां तक हो जाते हैं कि यातायात प्रभावित होने से तत्काल मेडिकल रिलिफ की आवश्यकता वाले बीमारों तक का जीवन संकट में पड़ जाता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि लोकतंत्र में अपनी बात कहने, अपनी बात रखने और अपना विरोध अंकित कराने का सबको अधिकार है। केई गलत हो रहा है तो उसका विरोध भी होना चाहिए पर इसका मतलब यह तो नहीं होना चाहिए कि हम अपनी बात कहने के चक्कर में दूसरों को अपने सामान्य नागरिक अधिकारों से वंचित कर दें। विरोध प्रदर्शन के साथ ही साथ दायित्व भी होता है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का विरोध भी नहीं होता पर कब इस तरह के प्रदर्शन हिंसक हो जाते हैं और कानून व्यवस्था के गंभीर हालात हो जाते हैं इसका खामियाजा प्रदर्शनकारियों को नहीं अपितु प्रशासन और आमजन को भुगतना पड़ता है। सीजीपी के हालिया प्रदर्शनों के दौरान दिल्ली में जो हालात बने और जयपुर में पिछले दिनों सीजीपी द्वारा स्कूल प्रकरण को लेकर ग्रामवासियों और सीजीपी लोगों के साथ हालात बने यह अपने आप में गंभीर हो जाता है। रांची और देश के अन्य स्थानों के प्रदर्शनों को भी इसी संदर्भ में देखना होगा। शहर की सामान्य व्यवस्था को ही प्रभावित करने वाले स्थानों पर प्रदर्शन स्वीकृति पर भी प्रश्न उठना स्वाभाविक है। न्यायमूर्ति अमित महाजन की यह टिप्पणी महत्वपूर्ण हो जाती है कि शहर के बीच प्रदर्शन की अनुमति क्यों कर दी जानी चाहिए। दरअसल सीजीपी द्वारा जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किये गये और यह प्रदर्शन देखते देखते हिंसक हो गया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस प्रशासन और पक्ष प्रतिपक्ष द्वारा एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल जाता है पर मूल कारण को नजरअंदाज कर दिया जाता है। इससे पहले 2017-18 में जलकट्टू घटना के संदर्भ में गठित न्यायमूर्ति राजेश्वरन आयोग की सिफारिशें भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

लोकतंत्र में विरोध अधिकार हो सकता है पर विरोध का एक तरीका होता है। शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का सबको अधिकार है पर अपने विरोध प्रदर्शन के चक्कर में अन्य और वह भी आमनागरिकों का जनजीवन प्रभावित करने का किसी को अधिकार नहीं हो सकता। विरोध के चलते कानून हाथ में लेना या क्षेत्राधिकार से बाहर जाना एक सभ्य समाज और सभ्य नागरिक की पहचान नहीं हो सकती। सरकारी या निजी संपत्ती को नुकसान पहुंचाना या कानून को हाथ में लेने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता। एक बात यह भी समझनी होगी कि पुलिस प्रशासन भी आखिर आदमी है और देखा जाएं तो उनका मरण दोनों तरफ से हो जाता है। यदि प्रदर्शनकारियों को एक सीमा से अधिक बढ़ने पर रोके नहीं तो प्रशासन की विफलता कहने में कोई देरी नहीं लगाता, यहां तक कि प्रशासन की इंटेलिजेंस फैलियर जैसे आरोप लग जाते हैं। प्रदर्शन के हिंसक होने पर प्रशासन द्वारा कार्रवाई की आलोचना आम हो जाती है पर जब कई बार प्रदर्शनकारियों द्वारा प्रदर्शन के दौरान बेरिकेड़ तोड़ने, पत्थरबाजी, तोड़फोड़ और निरपराध आमजन को निशाने पर लेने लगते हैं तो एक बात साफ हो जानी चाहिए कि फिर प्रशासन गुलाब के फूल देकर तो प्रदर्शन को नियंत्रित नहीं कर सकता हांलाकि प्रशासन को भी संयम बरतते हुए ही कदम उठाने चाहिए। दरअसल तस्वीर के दोनों पक्षों को देखना होगा। यदि प्रदर्शन सामान्य होता है और अनुमति प्राप्त शांतिपूर्ण प्रदर्शन हो तो उस पर पुलिस प्रशासन की सख्ती को किसी भी हालात में स्वीकारा नहीं जा सकता पर प्रदर्शनकारियों द्वारा लक्ष्मण रेखा लांघी जाती है तो उस पर प्रशासन को भी कानूनी दायरें में रहते हुए कार्रवाई तो करनी ही पड़ेगी।

अब जयपुर के स्कूल की घटना का विश्लेषण करें तो हालात की ओर ध्यान दिलाना एक उचित कदम हो सकता है पर स्कूल या किसी भी सरकारी-गैरसरकारी संस्थान का निरीक्षण का अधिकार किस कानून ने दे दिया है। एक सीमा तक प्रदर्शन आपका अधिकार हो सकता है पर प्रदर्शन से माहौल को तनावपूर्ण और द्वेषतापूर्ण बनाने की किसी भी व्यवस्था में अनुमति नहीं दी जा सकती और नहीं दी भी जानी चाहिए। प्रशासन, प्रदर्शनकारियों और आमजन को अपनी सीमाओं को समझना होगा। सुर्खियों में बनने के लिए कदम उठाना किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

क्या कभी सोचा है कि हमारे प्रदर्शन से प्रदर्शन वाले शहरवासियों को कितना प्रभावित करता है। प्रदर्शन वाले शहर का कहीं ज्यादा तो कहीं कम यातायात प्रभावित हो जाता है। निजी व सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बाधित हो जाती है। मरीजों व जरुरी काम वालों को बीच रास्ते अटकना पड़ जाता है। नौकरीपेशा या धंधे पर जाने वाले रास्ते में ही अटक जाते है। दैनिक काम के आधार पर रोजी रोटी कमाने वालों की मजदूरी अटक जाती है। शहर की सभी तरह की सप्लाई चैन बाधित हो जाती है। पुलिस प्रशासन व्यवस्था बनाये रखने के लिए व्यस्त हो जाता है तो लोगों में असुरक्षा की भावना बनती है और बाहर निकलने से पहले सोचने को मजबूर हो जाते हैं। और अब तो प्रशासन द्वारा ऐसे शहरों में इंटरनेट बंद करने तक का निर्णय कर लिया जाता है जिससे सामान्य गतिविधियां, बैंकिंग व्यवस्था, सूचनाओं का आदान-प्रदान और पढ़ाई-लिखाई तक पर असर पड़ता है। ऐसे में दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अमित महाजन की यह टिप्पणी कि शहर को बेवजह बंधक बनाने की इजाजत कैसे दी जा सकती है।

प्रशासन भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। पहले तो प्रशासन को भी चाहिए कि प्रदर्शन आदि के लिए ऐसा स्थान निर्धारित हो जहां से सामान्य जनजीवन किसी तरह से प्रभावित ना हो सके। आम जन, शहरी यातायात, शहर का दैनिक जनजीवन किसी तरह से प्रभावित ना हो। ऐसी व्यवस्था हो जिससे प्रदर्शनकारियों की बात वे जहां पहुंचाना चाहते हैं वहां तक पहुंचाई जा सके। प्रदर्शनकारियों को भी प्रदर्शन के दौरान शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखनी चाहिए। असामाजिक तत्वों को किसी तरह का मौका ही नहीं दिया जाना चाहिए। जब किसी प्रदर्शन के दौरान हिंसा या गलत गतिविधियां होने लगती है और व्यवस्था हाथों से निकलने लगती है व प्रशासन द्वारा सख्ती होती है तो यह सामान्य जबाव होता है कि हिंसा या हालात बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्व उनमें से नहीं थे पर ऐसा कहने मात्र से जिम्मेदारी से नहीं बचा जा सकता। इसलिए दिल्ली उच्च न्यायालय व न्यायालयों द्वारा पूर्व में भी दी गई टिप्पणियों को गंभीरता से प्रदर्शनकर्ताओं और प्रशासन दोनों को समझना होगा व दोषारोपण के नाम पर जिम्मेदारी से भागने की इजाजत किसी भी हालत में नहीं दी जा सकती। अपनी बात कहने के अधिकार के साथ दूसरों के मौलिक अधिकारों का भी सम्मान करना होगा। कानून व्यवस्था को हाथ में लेने या सीमाओं को लांघने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बढ़ती कीमतों से कम हुआ चीनी का सेवन, जानें मीठा कम खाना अच्छा या बुरा?

(रीतेश कुण्डले)

क्या आप भी चीनी पूरी तरह से छोड़ रहे हैं? इस खबर में जानें कि ऐसा करने से आपके शरीर पर क्या असर पड़ता है। पिछले एक साल में चीनी की रिटेल और होलसेल कीमतों में लगभग 40 फीसदी से 50 फीसदी की भारी बढ़ोतरी देखी गई है. उत्तराखंड, पंजाब, मध्य प्रदेश और ओडिशा समेत आठ राज्यों में चीनी की कीमतें 65-70 रूपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर गई हैं.

त्योहारों के मौसम की शुरुआत में कीमतों में हुई इस बढ़ोतरी ने घरों के किचन बजट को पूरी तरह से बिगाड़ दिया है. हालांकि, दूसरी तरफ देखें तो हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना ??है कि कीमतों में इस बढ़ोतरी से लोग चीनी का सेवन कम कर सकते हैं, जो कि एक बहुत अच्छी बात है. डॉक्टर ऐसा क्यों कह रहे हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि चीनी एक कार्बोहाइड्रेट है. शरीर इसे ग्लूकोज में तोड़ता है, जिससे आपको जरूरी एनर्जी मिलती है. हालांकि, कुछ तरह की चीनी फलों और डेयरी प्रोडक्ट्स में नेचुरली पाई जाती है, जबकि दूसरी तरह की चीनी नुकसानदायक चीजों से मिलती है. इन्हें अपनी रोज की डाइट में शामिल करने से आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है. भले ही चीनी शरीर को ग्लूकोज के रूप में एनर्जी देती है, लेकिन यह ब्लड शुगर लेवल भी बढ़ाती है. समय के साथ, इससे डायबिटीज हो सकती है. इसीलिए आजकल बहुत से लोग चीनी खाना पूरी तरह छोड़ रहे हैं।

लेकिन, क्या आप जानना चाहते हैं कि चीनी कम खाने से आपके शरीर पर क्या असर पड़ता है? अगर हां, तो नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के अनुसार चीनी का सेवन कम करने से वजन काफी कम हो सकता है. ऐसा इसलिए है क्योंकि चीनी में 'खाली कैलोरी' ज्यादा होती है. ये कैलोरी भूख बढ़ाती हैं और ज्यादा खाने की आदत डालती हैं. चीनी से परहेज करके आप अपनी भूख को नियंत्रित कर सकते हैं और ज्यादा खाने से बच सकते हैं, जिससे वजन कम होता है।

चीनी से ब्लड ग्लूकोज का स्तर तेजी से बढ़ता है, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं और ऊर्जा के स्तर में उतार-चढ़ाव आ सकता है. चीनी का सेवन कम करने से रक्त और शरीर में ग्लूकोज का स्तर स्थिर रहता है, जिससे दिन भर आपकी ऊर्जा का स्तर बना रहता है।

अधिक चीनी का सेवन मुंहासे और रोसैसिया जैसी त्वचा संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकता है. इसे कम करने से मुंहासे और सूजन कम हो सकती है और त्वचा साफ और चमकदार बन सकती है।

जब आप चीनी का सेवन कम करते हैं, तो आपका कोलेस्ट्रॉल लेवल अपने आप कम हो जाता है. फैट का जमा होना, जो दिल की बीमारी का कारण है रुक जाता है. नतीजतन, आपका दिल ज्यादा हेल्दी हो जाता है।

बहुत से लोगों को पता नहीं होता कि चीनी का सेवन कॉग्निटिव फंक्शन पर भी असर डालता है. ज्यादा चीनी लेने से ब्रेन फॉग हो सकता है. इसे कम करने से मेंटल क्लैरिटी, कॉन्संट्रेशन और कॉग्निटिव परफॉर्मेंस में सुधार हो सकता है। बहुत ज्यादा चीनी खाने से ब्लड शुगर लेवल ऊपर-नीचे हो सकता है, जिससे मूड में उतार-चढ़ाव आ सकता है. चीनी का सेवन कम करने से मानसिक स्थिरता बढ़ सकती है, दिमाग की सेहत बेहतर हो सकती है और मूड को स्थिर रखने में मदद मिल सकती है। ज्याद चीनी वाली डाइट से पेट के बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे पेट फूलने और गैस जैसी पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं. चीनी का सेवन सीमित करने से पेट का माइक्रोबायोम स्वस्थ रहता है, जिससे पाचन और पोषक तत्वों का अवशोषण बेहतर होता है। हर कोई जानता है कि ज्यादा मीठा खाने से दांतों की समस्याएं हो सकती हैं, जैसे दांतों का सड़ना और कैविटी. इसलिए, चीनी का सेवन कम करने से आप दांतों की इन समस्याओं से बच सकते हैं।

कूटनीतिक मोर्चे पर उलझा बांग्लादेश

बांग्लादेश के आर्थिक विकास, पूर्वोत्तर भारत के साथ संपर्क, क्षेत्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और बंगाल की खाड़ी के रणनीतिक मसलों में भारत की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। वहीं, भारत के लिए भी स्थिर, शांतिपूर्ण और सहयोगी बांग्लादेश उसके पूर्वी पड़ोस की सुरक्षा और एक्ट ईस्ट नीति के लिए अहम है। ढाका अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय सम्मान को लेकर स्पष्ट होना चाहता है, लेकिन उसे यह भी समझना होगा कि राष्ट्रीय सम्मान और राष्ट्रीय हित के बीच टकराव पैदा करना कूटनीति नहीं है।

(ब्रह्मदीप अलूने)

इसमें दोराय नहीं कि अविश्वास की कूटनीति के सहारे पड़ोसियों से अच्छे संबंध कायम नहीं किए जा सकते। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की नीति में भारत को लेकर सबसे बड़ी चिंता यही है कि वे नई दिल्ली को एक संभावित साझेदार से अधिक संशय की दृष्टि से देख रहे हैं।

बांग्लादेश से सकारात्मक संबंधों की राजनयिक कोशिशों की दिशा में तारिक रहमान को द्विपक्षीय यात्रा और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित करके भारत ने एक अच्छी पहल की थी, लेकिन ढाका की ओर से अनुकूल वातावरण, सम्मानजनक निमंत्रण और अन्य राजनीतिक अपेक्षाओं को सामने रखकर दूरी बनाए जाने के संकेत मिले है।

बांग्लादेश के आर्थिक विकास, पूर्वोत्तर भारत के साथ संपर्क, क्षेत्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और बंगाल की खाड़ी के रणनीतिक मसलों में भारत की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। वहीं, भारत के लिए भी स्थिर, शांतिपूर्ण और सहयोगी बांग्लादेश उसके पूर्वी पड़ोस की सुरक्षा और एक्ट ईस्ट नीति के लिए अहम है। ढाका अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय सम्मान को लेकर स्पष्ट होना चाहता है, लेकिन उसे यह भी समझना होगा कि राष्ट्रीय सम्मान और राष्ट्रीय हित के बीच टकराव पैदा करना कूटनीति नहीं है।

मजबूत विदेश नीति वह होती है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए संवाद के रास्ते खुले रखे। इसलिए तारिक रहमान के सामने चुनौती भारत से दूरी बनाने की नहीं, बल्कि अविश्वास को संवाद में बदलने की है। यदि उनकी बांग्लादेश प्रथम की नीति वास्तव में राष्ट्रीय हित को केंद्र में रखती है, तो भारत से व्यावहारिक और स्थिर संबंध उसका महत्त्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। भारत के प्रति संशय यदि तारिक रहमान की विदेश नीति का स्थायी आधार बनता है, तो यह केवल भारत-बांग्लादेश संबंधों की राह में बाधा नहीं बनेगा, बल्कि अंततः बांग्लादेश के अपने रणनीतिक और आर्थिक हितों को भी सीमित कर सकता है।

बांग्लादेश में तारिक रहमान के सत्ता में आने के बाद यह उम्मीद की जा रही थी कि भारत से संबंधों में एक नई शुरुआत होगी। शेख हसीना के दौर के बाद द्विपक्षीय रिश्तों में आई कड़वाहट को कम करने और व्यावहारिक कूटनीति को आगे बढ़ाने की जरूरत दोनों पक्ष महसूस कर रहे थे। रहमान ने भी भारत से संबंध सुधारने के लिए अनुकूल वातावरण बनाने की जरूरत पर बल दिया था। मगर हाल के घटनाक्रमों ने इन उम्मीदों पर प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

भारत ने बांग्लादेश को केवल पड़ोसी देश के रूप में नहीं, बल्कि अपने व्यापक क्षेत्रीय हितों के महत्त्वपूर्ण साझेदार के रूप में देखा है। इसी दृष्टि से भारत ने रहमान को सितंबर में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया था। मगर उनका इससे दूरी बनाने का संकेत भारत के लिए स्वाभाविक रूप से निराशाजनक है। इससे यह संदेश जाता है कि बांग्लादेश की नई सरकार भारत के साथ संबंधों को केवल आर्थिक और रणनीतिक सहयोग के आधार पर नहीं, बल्कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण जैसे राजनीतिक प्रश्नों के संदर्भ में भी देख रही है। यहीं से समस्या अधिक जटिल हो जाती है।

भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध केवल दो सरकारों के रिश्ते नहीं हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार, नदी जल, ऊर्जा, संपर्क, सुरक्षा और पूर्वोत्तर भारत की स्थिरता जैसे अनेक साझा हित जुड़े हैं। इसलिए किसी एक राजनीतिक विवाद को पूरे द्विपक्षीय संबंधों का आधार बना देना दोनों के दीर्घकालिक हित में नहीं होगा।

शेख हसीना का मुद्दा निश्चित रूप से संवेदनशील है। ढाका लगातार उनके प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है, जबकि भारत ने कहा है कि वह इस अनुरोध को कानूनी ढांचे के तहत देख रहा है। मगर बांग्लादेश की विदेश नीति का केंद्रीय आधार यदि भारत पर दबाव बनाना और घरेलू राजनीतिक समर्थन हासिल करना बन जाता है, तो इससे संबंधों में स्थायी अविश्वास पैदा हो सकता है। कूटनीति में विदेश यात्राएं केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं होतीं, वे राजनीतिक विश्वास, संवाद की इच्छा और रिश्तों की दिशा का संकेत भी देती हैं। मगर बांग्लादेश के प्रधानमंत्री भारत यात्रा के इसी कूटनीतिक और राजनीतिक महत्त्व को शर्तों के पीछे रखकर कमजोर करने की कोशिश करते दिख रहे हैं।

इसमें उनकी मां खालिदा जिया की विदेश नीति की छाया नजर आती है। दरअसल, रहमान को अपनी मां की राजनीतिक विरासत और बांग्लादेश के राष्ट्रीय हित के बीच अंतर समझना होगा। उनकी भारत से दूरी के पीछे बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति, राष्ट्रवाद, इस्लामी राजनीति, पाकिस्तान के साथ बदलते रिश्ते और भारत के प्रति दशकों से चली आ रही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी काम कर रही है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की राजनीति में भारत के प्रति संदेह नया नहीं है। खालिदा जिया के प्रधानमंत्रित्व काल में भारत से संबंधों में कई बार तनाव दिखाई देता था। सुरक्षा, सीमा, जल बंटवारा और भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के साथ संपर्क जैसे मुद्दे द्विपक्षीय संबंधों में विवाद के विषय बने रहे।

वर्ष 2001 से 2006 के दौरान बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार में जमात-ए-इस्लामी के गठबंधन ने बांग्लादेश की राजनीति को अलग दिशा दी थी। इससे भारत में यह आशंका बढ़ी कि ढाका में ऐसी शक्तियों का प्रभाव बढ़ रहा है, जो भारत के प्रति अधिक संदेहपूर्ण और पाकिस्तान के प्रति अपेक्षाकृत नरम है। इसके विपरीत, शेख हसीना की अवामी लीग ने बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम की विरासत, धर्मनिरपेक्षता और भारत के साथ ऐतिहासिक संबंधों को अपनी राजनीति का महत्त्वपूर्ण आधार बनाया। यही कारण है कि हसीना के शासनकाल में भारत-बांग्लादेश संबंधों में अभूतपूर्व विस्तार दिखा। मगर रहमान के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश के संबंधों में नई सक्रियता दिख रही है। पाकिस्तान की ओर से व्यापार, संपर्क, शिक्षा और दोनों ओर के लोगों के बीच संबंधों को बढ़ाने की कोशिशें भी बढ़ी हैं। हालांकि, बांग्लादेश के लिए बेहतर यही होना चाहिए कि वह भारत से अपने भौगोलिक, आर्थिक व रणनीतिक हितों को समान रूप से महत्त्व देता रहे।

तारिक रहमान अगर भारत विरोध को अपनी राष्ट्रवादी राजनीति का स्थायी आधार बनाते हैं, तो अल्पकाल में उन्हें राजनीतिक लाभ मिल सकता है, लेकिन उन्हें यह समझना होगा की शासन केवल राष्ट्रवादी नारों से नहीं चलता। बांग्लादेश को आर्थिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा, रोजगार, निवेश, निर्यात बाजार, क्षेत्रीय जुड़ाव और स्थिरता की जरूरत है। इन सभी क्षेत्रों में भारत के साथ सहयोग की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

इसलिए बांग्लादेश के प्रधानमंत्री को यह तय करना होगा कि वे भारत को अपने घरेलू राजनीतिक विमर्श का विरोधी बनाना चाहते हैं या बांग्लादेश के आर्थिक विकास का साझेदार। चीन के साथ भी बांग्लादेश की नजदीकियां बढ़ रही हैं। उसके लिए चीन अहम आर्थिक साझेदार हो सकता है, लेकिन वह भारत का विकल्प नहीं है।

भारत और बांग्लादेश की साझा सीमा, व्यापार, ऊर्जा, जल, संपर्क एवं सुरक्षा हित उन्हें एक-दूसरे से गहराई से जोड़ते हैं। इसलिए बांग्लादेश की दीर्घकालिक समृद्धि और रणनीतिक स्थिरता के लिए भारत के साथ सहयोग को प्राथमिकता देना उसके राष्ट्रीय हित में है। वास्तव में भारत के साथ बेहतर संबंध बांग्लादेश को अधिक विकल्प, बेहतर संपर्क और रणनीतिक एवं व्यापक आर्थिक अवसर दे सकते हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार है)

टोटो की सीट फाड़ने के आरोप में 12 वर्षीय भतीजी की पीट-पीटकर हत्या

लोहनी रुचिदेव शिमरिया गांव में सनसनीखेज घटना की जांच में जुटी पुलिस एवं फॉरेंसिक टीम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। प्रखंड के पोठिया थाना क्षेत्र के शब्दा पंचायत लोहनी रुचिदेव सिमरिया गांव में टोटो रिक्शा की सीट फाड़ने के आरोप में एक 12 वर्षीय किशोरी की पीट-पीटकर हत्या कर देने का मामला प्रकाश में आया है। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गयी। मृतका की पहचान कोमल कुमारी(12) के रूप में की गई है। परिजन का कहना है कि टोटो की सीट फाड़ने का आरोप लगाकर उसके बड़े पापा अखिलेश मंडल टोटो मालिक ने उसे घर में बंधक बनाकर बेरहमी से पिटाई की। जिससे उसकी मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलते ही पोठिया थानाध्यक्ष नवीन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच-पड़ताल शुरू की। सदर एसडीपीओ टु सुनील कुमार शर्मा भी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस द्वारा घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाये

जा रहे हैं। जिला मुख्यालय से पहुंची फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल की बारीकी से जांच शुरू कर दी है। मृतका के नाना ढोराय मंडल ने बताया कि कोमल पर उसके बड़े पापा अखिलेश मंडल ने टोटो रिक्शा की सीट फाड़ने का आरोप लगाया था। आरोप लगाने के बाद कथित तौर पर कोमल को पकड़कर घर में बंधक बनाकर रखा गया। नाना ढोराय मंडल का आरोप है कि बच्ची के साथ मारपीट की गयी और इसी दौरान उसकी जान चली गयी। नाना ने कहा कि टोटो की सीट फटने से हुए नुकसान की भरपाई के लिए वह मुआवजा देने को तैयार थे। उन्होंने आरोपित पक्ष से कहा कि नुकसान की भरपाई कर दी जाएगी और बच्ची उनकी अपनी भतीजी है। उसे छोड़ दिया जाए तथा टोटो की सीट की मरम्मत करा ली जाय। लेकिन उनके मुताबिक किसी ने उनकी बात नहीं मानी आसपास के लोगों ने भी समझाने बुझाने का प्रयास किया। नाना का कहना है कि आसपास के ग्रामीणों ने भी मामले को शांत कराने और बच्ची को छोड़ने के लिए समझाने का प्रयास किया लेकिन बात नहीं मानी। घटना की खबर फैलते ही गांव में बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गये। वारदात को लेकर लोगों में आक्रोश और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों की मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर बच्ची की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। घटना के बाद नामजद आरोपित पक्ष के कई लोग घर से फरार हो गये हैं। वहीं एक महिला को पुलिस द्वारा हिरासत में लिये जाने की सूचना है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और फॉरेंसिक टीम द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य जुटाये जा रहे हैं। पुलिस की जांच पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फॉरेंसिक जांच के बाद ही किशोरी की मौत की वास्तविक परिस्थितियों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है। बच्ची को कब और किस परिस्थिति में घर में रखा गया। उसके साथ कितनी देर तक मारपीट हुई। घटना के समय वहां कौन-कौन मौजूद था और उसकी मौत किस कारण से हुई—इन सभी बिंदुओं की जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने घटनास्थल की जांच तेज कर दी है। मामले में दोषी पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई किये जाने की उम्मीद है। मासूम किशोरी की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं घटना ने गांव के लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

रक्षाबंधन से पहले पर्यावरण प्रहरी बने अरिहाना स्कूल के बच्चे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। गुरुवार को रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले मध्य विद्यालय अरिहाना के छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर अनूठी एवं प्रेरणादायी पहल की।विद्यालय के इको क्लब और यूथ क्लब के बच्चों ने रक्षाबंधन को प्रकृति से जोड़ते हुए फूलों की पंखुड़ियों और पत्तियों से इको-फ्रेंडली राखियां तैयार कीं। इसके बाद बच्चों ने विद्यालय परिसर में लगे पौधों को राखी बांधकर उनकी रक्षा, देखभाल और संवर्धन का संकल्प लिया। इस अनोखी पहल के दौरान बच्चों ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के बीच रक्षा के वचन का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझने का भी अवसर है। इको क्लब की छात्रा रौशनी कुमारी, राखी कुमारी, लाडली खातून, प्रयोशी कुमारी आदि ने कहा कि पेड़-पौधे भी हमारी रक्षा करते हैं। हमें शुद्ध हवा, छाया, फल और जीवन देते हैं। इसलिए इनकी रक्षा करना भी हमारा संकल्प है। बच्चों ने पौधों की नियमित देखभाल करने और दूसरों को भी पौधे लगाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। विद्यालय के शिक्षक विप्लव कुमार ने कहा कि राखी के माध्यम से बच्चों ने प्रकृति के साथ भावनात्मक रिश्ता जोड़ने का प्रयास किया है। जब बच्चा किसी पौधे को अपना साथी और उसकी रक्षा की जिम्मेदारी को अपना कर्तव्य समझेगा। तभी पर्यावरण संरक्षण का संदेश वास्तविक रूप से समाज तक पहुंचेगा। प्रधानाध्यापक रंजन कुमार विश्वास ने बच्चों की पहल की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय में बच्चों को केवल किताबों के माध्यम से शिक्षा देना

पर्याप्त नहीं है। उन्हें प्रकृति समाज और अपने आसपास के वातावरण के प्रति जिम्मेदार बनाना भी शिक्षा का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। बच्चों द्वारा पौधों को राखी बांधकर उनकी रक्षा का संकल्प लेना विद्यालय के लिए गौरव की बात है। ऐसी गतिविधियां बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के संस्कार विकसित करती हैं। विद्यालय परिवार ने कहा कि फूलों की पंखुड़ियों और पत्तियों से राखी तैयार करने से बच्चों को पुनः उपयोग और प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली का संदेश भी मिला। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों ने प्लास्टिक और कृत्रिम सजावटी सामग्री के विकल्प के रूप में प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग का संदेश दिया। इस अवसर पर शिक्षक नुरुल होदा, अनुजा भारती एवं टोला सेवक चन्दन राय सहित इको क्लब और यूथ क्लब के सदस्य सक्रिय रूप से मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

भमरैली पंचायत भवन में आयोजित हुआ समरसता शिविर

डंडखोरा/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। राज्य सरकार के आदेश तथा जिला पदाधिकारी के निर्देश पर गुरु संत रविदास के 650 जयंती वर्ष पर प्रखंड अन्तर्गत भमरैली पंचायत भवन में समरसता शिविर का आयोजन किया गया।प्रखंड कल्याण पदाधिकारी संजीत कुमार के नेतृत्व में आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों के कर्मी सहित आमजन उपस्थित रहे। सरकार की ओर से संचालित लाभकारी सभी योजनाओं को अनुसूचित जाति के पात्र लाभुकों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित समरसता शिविर को लेकर पंचायतस्तर पर लाभ से वंचित अनुसूचित जाति के 29 लोगों से प्राप्त आवेदनों को शिविर में हीं निष्पादन किया गया। बीड्ब्ल्यूओ ने बताया कि आवेदनकर्ता को निष्पादन होने का प्रमाणपत्र भी निर्गत कर दिया गया है। मौके पर पंचायत सचिव, कार्यपालक सहायक, कचहरी सचिव, सभी विकास मित्र सतीश राय, मनीष कुमार राय, राजदेव राय, सुशीला कुमारी, द्रौपदी कुमारी, सुमंती कुमारी सहित कई अन्य उपस्थित रहे।

सावन पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की सेवा में उपस्थित रहे कमेटी के सदस्य

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मनिहारी गंगा घाट से जल लेकर कांवरिया आजमनगर प्रखंड के गोरखनाथधाम एवं हसनगंज प्रखंड के भारीडीह अवस्थित शिव मंदिर में जल चढ़ाने को लेकर काफी भीड़ पूर्णिया - नारायणपुर फोरलेन सड़क में देखी गई। वहीं सावन माह के पूर्णिमा को लेकर विभिन्न शिव मंदिर में कांवरिया के द्वारा जल चढ़ाने को लेकर भी देखी जा रही हैं। वहीं कजरा, मरंगी, हफलागंज, बथना, उदामा रेखा में बोल बम सेवा समिति के द्वारा शरबत, चाय, फल आदि का वितरण किया जा रहा था। वहीं मनिहारी से गंगाजल लेकर कांवरिया पैदल गोरखनाथधाम एवं भारीडीह की ओर प्रस्थान कर रहे थे एवं बोल बम का नारा हैं बाबा एक सहारा हैं के साथ कांवरिया आगे बढ़ रहे थे।

सरस्वती शिशु मंदिर में राखी बंधन एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अरुण चौधरी सरस्वती शिशु मंदिर बरमसिया में भारतीय संस्कृति संस्कार एवं कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बड़े हर्षोल्लास के साथ राखी बंधन कार्यक्रम एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के भैया-बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बहनों एवं आचार्य दीदी द्वारा भैया-बहनों को मेहंदी लगाई गई तथा बच्चों ने अपनी सुंदर कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। राखी बंधन कार्यक्रम के माध्यम से भाई-बहन के प्रेम, स्नेह, विश्वास एवं सुरक्षा के पवित्र संबंध का संदेश दिया गया। विद्यालय के सचिव अमित कुमार गुप्ता उर्फ बबलू गुप्ता ने कार्यक्रम का निरीक्षण करते हुए राखी एवं मेहंदी के सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विद्यालय के आचार्यो नेहा जी, प्रिया जी,आशीष जी, कोमल वर्मा जी एवं कर्मचारी नीलू जी की सक्रिय सहभागिता रही।

एंटी रेबीज का टीका सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही में नहीं है उपलब्ध

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनसाही में 21 अगस्त 2026 से एंटी रेबीज का टीका उपलब्ध नहीं हैं। मालूम हो की कुत्ता के काटे जाने पर एंटी रेबीज का टीका लेना पड़ता हैं। उन व्यक्तियों को पहले एंटी रेबीज के साथ टीटी का टीका दिया जाता हैं। साथ ही टीकाकरण के तीसरे दिन एवं सातवें दिन दूसरा एवं तीसरा टीका लेना पड़ता हैं। लेकिन 21 जुलाई से एंटी रेबीज का टीका उपलब्ध नहीं रहने के कारण। डॉग बाइट के रोगियों को वापस घूम कर जाना पड़ रहा हैं। इस बाबत प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. प्रेमराज ने बताया कि स्टॉक नहीं हैं। सदर अस्पताल कटिहार में भी स्टॉक समाप्त हो गया हैं। एंटी रेबीज टीके की मांग की गई हैं।

205 ग्राम स्मैक के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

आजमनगर/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। आजमनगर पुलिस आजकल तस्करों के खिलाफ अभियान चलाकर काफी चर्चा में है। बंगाल बिहार बॉर्डर में अवस्थित आजमनगर थाना क्षेत्र में गांजा शराब तथा स्मैक की तस्करी काफी जोरों से चल रहा है। इस दौरान आजमनगर पुलिस भी काफी चुस्त दुरुस्त नजर आ रही है। लगातार छापामारी के बाद तस्करों की गिरफ्तारी होने से आजमनगर पुलिस काफी चर्चा में बने हुए हैं। बुधवार की रात्रि गुप्त सूचना के आधार पर 205 ग्राम स्मैक के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार किए गए हैं। मौके पर एक मोटरसाइकिल तथा दो मोबाइल भी जप्त कर ली गई है। बताया जाता है कि स्मैक तस्कर मोहम्मद शमीम, मोहम्मद सद्दाम एवं ताज अशरफी को 205 ग्राम मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि कागजी प्रक्रिया पूरी कर तीनों तस्कर को न्यायिक हिरासत कटिहार भेज दिया गया है।

बाबा गोरखनाथ धाम पहुंचे एसपी

सालमारी/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार गुरूवार के शाम में बाबा गोरखनाथ धाम पहुंच कर श्रावणी पूर्णिमा की तैयारी का जायजा लेते हुए बाबा गोरखनाथ धाम मंदिर का निरीक्षण किये। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर, आसपास की सड़कों और कांवरियों के मार्ग की सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिये।उन्होंने स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस बल और मंदिर समिति को आवश्यक दिशा-निर्देश

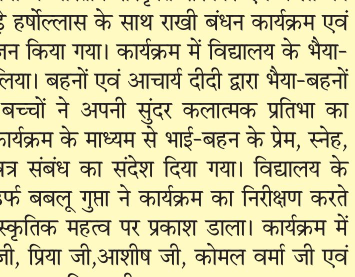

दिये। उन्होंने कहा कि श्रावणी पूर्णिमा के मौके पर आज रात से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। इसलिए सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाये। विशेष तौर पर भीड़ नियंत्रण, सीसीटीवी कैमरे की निगरानी, वाहन पार्किंग की उचित व्यवस्था और आपातकालीन चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने पर जोर दिये। पुलिस कप्तान ने स्थानीय लोगों से भी मुलाकात कर उनकी समस्याओं और सुझावों को गंभीरता से सुने। उन्होंने कहा कि भक्तों की सुविधा और सुरक्षा प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। इस अवसर पर बारसोई डीएसपी अजय कुमार, सालमारी थाना अध्यक्ष कुमारी जूली, मंदिर कमेटी के सचिव पिंटू यादव, उपाध्यक्ष अक्षय कुमार सिंह आदि उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने कांवरियों के जलाभिषेक के लिए बनाये गये अस्थायी शिविरों और पेयजल आपूर्ति की भी समीक्षा की।

अररिया में नदियों का जलस्तर सामान्य, जिलाधिकारी ने परमान नदी का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया । जिला पदाधिकारी विनोद दूहन एवं पुलिस अधीक्षक अररिया जितेन्द्र कुमार ने गुरुवार को अररिया प्रखंड के बेलवा स्थित परमान नदी के जलस्तर का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने नदी के जलस्तर के साथ-साथ तटबंध एवं कटाव की स्थिति का भी जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि परमान नदी का जलस्तर वर्तमान में सामान्य स्थिति में है। जलस्तर में किसी प्रकार की असामान्य वृद्धि नहीं पाई गई तथा नदी खतरे के निशान से नीचे बह रही है। जिलाधिकारी ने स्थानीय ग्रामीणों से भी नदी के जलस्तर

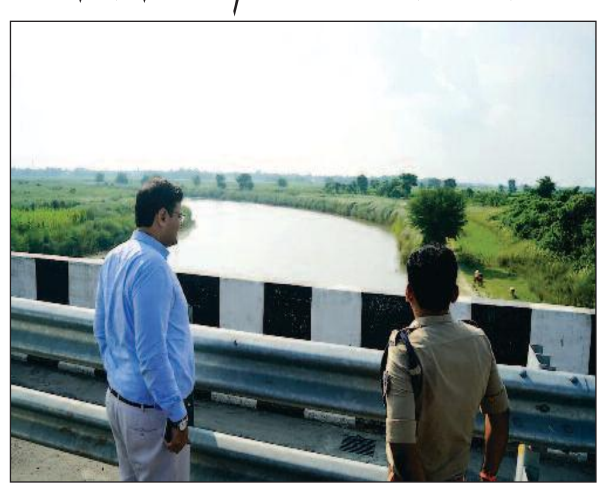

एवं आसपास की स्थिति की जानकारी ली। ग्रामीणों ने भी स्थिति को सामान्य बताया। जिले की प्रमुख नदियों का जलस्तर :- अररिया स्थित परमान नदी खतरे के निशान 47.00 मीटर से 2.11 मीटर नीचे बह रही है, जो स्थिर अवस्था में है। वहीं, जोकीहाट स्थित कनकई नदी खतरे के निशान 46.94 मीटर से 1.39 मीटर नीचे तथा सिकटी स्थित बकरा नदी खतरे के निशान 61.40 मीटर से 1.75 मीटर नीचे बह रही है। तीनों नदियों का जलस्तर वर्तमान में स्थिर अवस्था में है। जिला प्रशासन द्वारा नदियों के जलस्तर एवं तटबंधों की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। किसी भी आपात स्थिति में जिला आपातकालीन संचालन केन्द्र, अररिया के मोबाइल नंबर 9471682459 पर संपर्क किया जा सकता है। आपदा नहीं हो भारी, यदि पूरी हो तैयारी।

श्रावण पूर्णिमा को लेकर बाबा गोरखनाथ धाम सजधज कर तैयार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। श्रावणी पूर्णिमा को लेकर जलाभिषेक करने के लिए लाखों कांवरिया व शिव भक्त श्रद्धालु मनिहारी उत्तर वाहिनी गंगा तट से कांवर में जल लेकर पैदल एवं अन्य वाहनों के जरिए गोरखधाम मंदिर पहुंचने लगे है।इसी कड़ी में लाखो शिव भक्त श्रद्धालु विभिन्न कांवरिया शिवरों में पड़ाव डालते हुए हैं।गोरखधाम मंदिर के श्वेत मानस लिंग पर जलाभिषेक करने को लेकर पहुंचना शुरू कर दिए हैं। गोरखधाम मंदिर में पहुँचने वाले शिव भक्त श्रद्धालुओं के लिए मंदिर में अभूतपूर्व व्यवस्था की गई है।

गुरुवार से ही ओर आज शुक्रवार को अले सुबह से जलाभिषेक का सिलसिला शुरू हो गया है।जो निरंतर चलता रहेगा।इस दौरान मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था और शिव भक्त श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर बड़ी संख्या में प्रशासनिक व्यवस्था की गई है।वहीं शिविरों का भी आयोजन किया गया है। हर चौक-चौराहे पर पुलिस मुस्तैद है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के साथ नगर आयुक्त ने किया संवाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। प्रधानमंत्री सबके लिए आवास योजना के अंतर्गत अधूरे आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने के उद्देश्य से कटिहार नगर निगम की ओर से चलाए जा रहे विशेष 15 दिवसीय आवास पूर्ण महाअभियान के तहत गुरुवार को वार्ड संख्या 23, 24 एवं 25 के आवास योजना के लाभार्थियों के साथ विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक का आयोजन सामुदायिक भवन रामपारा में किया गया। बैठक में वार्ड संख्या 23 की पार्षद रेशमा रानी, वार्ड संख्या 24 के पार्षद मो. इजहार अली एवं वार्ड संख्या 25 के पार्षद कैलाश शर्मा उपस्थित रहे। इस दौरान नगर आयुक्त संतोष कुमार ने बताया कि यह विशेष बैठक मुख्य रूप से

वार्ड संख्या 23, 24 एवं 25 में लाभार्थियों के साथ नगर आयुक्त ने की वार्डवार बैठक

वैसे लाभार्थियों के साथ की जा रही है, जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रथम अथवा द्वितीय किस्त की राशि प्राप्त हो चुकी है। लेकिन उनके आवास का निर्माण कार्य अभी तक पूर्ण नहीं हुआ है। उन्होंने लाभार्थियों से व्यक्तिगत रूप से एक-एक कर संवाद किया और आवास निर्माण में आ रही समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने लाभार्थियों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करते हुए उन्हें आवास निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के लिए प्रेरित किया। नगर आयुक्त ने लाभार्थियों को स्पष्ट रूप से अवगत कराया कि सितंबर 2026 के बाद आवास निर्माण कार्य पूर्ण करने वाले लाभार्थियों को सरकार से मिलने वाली राशि में कठिनाई हो सकती है। इसलिए सभी लाभार्थियों से अपील की गई कि वे सितंबर माह के प्रथम सप्ताह तक अपने आवास का निर्माण कार्य पूर्ण कर लें। ताकि उन्हें सरकार से मिलने वाली शेष राशि ससमय उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि एचएफए 1.0 को सितंबर 2026 तक पूर्ण कराने का निर्देश विभाग से प्राप्त हुआ है। विभागीय निर्देश के अनुपालन एवं लंबित आवासों को समय सीमा के भीतर पूर्ण कराने के लिए नगर निगम द्वारा 15 दिनों का विशेष ह्लआवास पूर्ण महाअभियानह्व चलाया जा रहा है।

महिला विकास मंच की ओर से सावन मिलन समारोह

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। शहर के शिवाजी नगर ललियाही स्थित निजी विवाह भवन में महिला विकास मंच के बैनर तले सावन मिलन समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम का नेतृत्व महिला विकास मंच की जिलाध्यक्ष सह पूर्व मेयर प्रत्याशी रश्मि कुणाल ने किया। जबकि संचालन महासचिव श्रीमती चम्पा कामती ने किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंच की मुख्य संरक्षिका श्रीमति वीणा मानवी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रानी जायसवाल शामिल हुई। इस अवसर पर हरा रंग का वस्त्र एवं श्रृंगार कर सैकड़ों महिलाओं ने एक दूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मिलन समारोह में महिलाएं सावन मास में भगवान भोले एवं माता गौरी की पूजा अर्चना कर लोक गीत संगीत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर खूब मनोरंजन किया।कार्यक्रम का उद्घाटन वीणा मानवी ने फीता काट कर शुरू किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बिहार के हर जिला में यह कार्यक्रम आयोजित की गई है। अंतिम पखवाड़े में कटिहार में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया की सभी महिलाओं को हरी हरी चूड़ियां देकर सम्मानित किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रानी जायसवाल ने कहा कि सावन मिलन में महिलाएं उत्सव मनाती है।

एक दिवसीय इंडोर गेम का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दानापुर। दानापुर स्थित आरपीएस गर्ल्स पब्लिक स्कूल, के प्रांगण में बुधवार को एक दिवसीय इंडोर गेम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय के खेल शिक्षक युवराज कुमार द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्राओं ने बड़े उत्साह और खेल भावना के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता को दो श्रेणियों में आयोजित किया गया थाः कैरम प्रतियोगिता जिसमें कक्षा चौथी से आठवीं की छात्राओं ने भाग लिया। तथा कक्षा 9वी से 12वीं तक की छात्राओं ने चेस (शतरंज) प्रतियोगिता में भाग लिया` कार्यक्रम के समापन, सह पुरस्कार वितरण समारोह में

विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती मधु ठाकुर ने सभी विजेता छात्राओं को मैडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रधानाध्यापिका श्रीमती मधु ठाकुर ने कहा, "खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि यह मानसिक और शारीरिक क्षमता को बढ़ाते हैं। इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है और उनमें अनुशासन व प्रतिस्पर्धा की भावना मजबूत होती है।

सार्वजनिक दुर्गा मंदिर मरंगी के न्यू मंदिर निर्माण के उपरांत छत ढलाई कार्य का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार)। सावन पूर्णिमा के शुभ अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के मरंगी पंचायत के सार्वजनिक दुर्गा मंदिर मरंगी के भव्य रूप से न्यू दुर्गा मंदिर का निर्माण 2024 में विजयादशमी के दिन नींव डाली गई थी। वहीं न्यू मंदिर के निर्माण के उपरांत 27 अगस्त 2026 गुरुवार को न्यू मंदिर के छत ढलाई कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इससे पूर्व सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति मरंगी मेला कमेटी के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव जजमान के रूप में पूजा में बैठे थे। जहां पर पंडित ललित नारायण झा के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना की गई। इनके उपरांत छत ढलाई कार्य का शुभारंभ किया गया। मौके पर मेला कमेटी के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने कहा कि मनसाही प्रखंड में सबसे बड़ा दुर्गा पूजा सार्वजनिक दुर्गा मंदिर मरंगी में होता हैं और यहां पर हर साल श्रद्धालु पूजा अर्चना करने आते हैं। सच्चे मन से मन्नत मांगते हैं,उसका मन्नत पूरा होता हैं और अगले वर्ष पूरे धूमधाम के साथ पूजा अर्चना करने दुर्गा मंदिर मरंगी आते हैं। वहीं सार्वजनिक दुर्गा मंदिर मरंगी में पूजा अर्चना करने के लिए मंदिर छोटा पड़ने लगा, मंदिर में काफी भीड़ होती थी इसी को देखते हुए कमिटी के सदस्यों ने 2024 में विजयादशमी के दिन सार्वजनिक दुर्गा मंदिर का भव्य रूप से नए सिरे से न्यू मंदिर के निर्माण का नींव रखा था तब से ही न्यू मंदिर का निर्माण जोर-शोर से जारी था और गुरुवार 27 अगस्त 2026 को विधिवत मंदिर का ढलाई कार्य का शुरूआत हुआ मंदिर की ढलाई के उपरांत मंदिर के गर्भ गृह सहित पूरे मंदिर को आकर्षक ढंग से तैयार किया जाएगा एवं आकर्षक लाइट लगाया जाएगा।

कौवाबाड़ी आदिवासी टोला में चलो पंचायत चलो वार्ड अभियान की शुरूआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही (कटिहार) । प्रखंड क्षेत्र के चित्तौरिया पंचायत के वार्ड संख्या सात कौवाबाड़ी में कांग्रेस पार्टी का चलो पंचायत चलो वार्ड अभियान की शुरूआत हुई। इस अभियान की अध्यक्षता कांग्रेस के मनसाही प्रखंड अध्यक्ष कमरुल हक एवं मंडल अध्यक्ष लालचंद हेम्ब्रम ने संयुक्त रूप से की। इस मौके पर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने कहा कि चलो पंचायत चलों वार्ड अभियान के माध्यम से कांग्रेस को पंचायत के वार्ड और शहर के मोहल्लों तक मजबूत किया जाएगा। इसके लिए कार्यकताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय होकर लोगों से जूड़ने की अपील की गयी । उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से स्थानीय स्तर पर नई टीम तैयार कर संगठन को मजबूत करने का प्रयास किया

जाएगा। वहीं कांग्रेस नेत्री सह उपाध्यक्ष बिहार प्रदेश आदिवासी कांग्रेस बिहार के इंजीनियर मीनाक्षी श्वेता ने कहा कि अभी चुनाव का समय नहीं हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारी को आदिवासी गांव जाकर उनकी समस्याओं को सुनना हैं। अभी कटिहार जिले के पदाधिकारी ओर कार्यकताओं की वजह से पूरे बिहार में कटिहार का रैंकिंग ए में हैं। कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष कमरुल हक ने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और पेपर लीक जैसे मुद्दे आम लोगों से जुड़े. हैं।कांग्रेस कार्यकर्ता इन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएंगे और सरकार की नीतियों के खिलाफ आवाज उठाएंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी का उद्देश्य जनहित से जूड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना और लोगों की समस्याओं को संगठन के माध्यम से सामने लाना हैं। बैठक में कांग्रेस नेताओं ने कार्यकताओं से अभियान को गंभीरता से आगे बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों से संपर्क स्थापित करने पर जोर दिया। पार्टी नेताओं ने कहा कि मजबूत संगठन के लिए पंचायत,वार्ड और मोहल्ला स्तर पर कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी हैं। इस अवसर पर बिहार प्रदेश उपाध्यक्ष सउद आलम, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष अल्तमश दीवान, मोहम्मद हसन, मसरूर आलम, मो. जमशेद आलम, सेदूर रहमान, मो. रफीक, मो. रहीम, किसन टुडू आदि उपस्थित रहे ।

सिर्फ 100 से निवेश शुरू कर मिला तगड़ा मुनाफा, फंड्स ने दिया 24.4 प्रतिशत तक का रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर मार्केट में डायरेक्ट निवेश की तुलना में म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना हमेशा से कम जोखिम वाला माना गया है। लंबे समय के लिए अगर कोई म्यूचुअल फंड्स में एसआईपी के जरिए पैसे जमा करता है तो उसे अच्छा-खासा रिटर्न मिल सकता है। म्यूचुअल फंड्स में दो तरीकों से निवेश होता है, एक एसआईपी और दूसरा लमसम माध्यम से।

उदाहरण के लिए एसआईपी में हर महीने में एक तय राशि का निवेश किया जाता है, जबकि लमसम में एक बार में ही यानी एकमुश्त राशि का निवेश किया जाता है। हम यहां टॉप 5 इक्विटी आधारित ऐसे एसआईपी फंड्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्होंने अपने पात्र निवेशकों को 24.4 फीसदी तक का रिटर्न दिया है। इन फंड्स ने ये रिटर्न बीते 10 वर्षों में दिया है, जिसमें कम से कम निवेश 100 रुपये से लेकर 5000 रुपये तक का है। रिटर्न के आंकड़े 19 अगस्त 2026 तक के हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं... निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड की बात करें तो इसमें निवेश की शुरुआत सिर्फ 100 रुपये की एसआईपी से किया जा सकता है। 19 अगस्त 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, इस फंड ने बीते 10 वर्षों में 20.1 फीसदी का रिटर्न दिया है। 26 अगस्त 2026 के अनुसार, इसका 5064.0809 रुपया है। क्वांट टैक्स सेवर फंड की बात करें तो इसने बीते 10 वर्षों में 20.1 फीसदी का रिटर्न दिया है। इस म्यूचुअल फंड में आप कम से कम 500 रुपये से एसआईपी निवेश की शुरुआत कर सकते हैं। 26 अगस्त 2026 के आंकड़ों के अनुसार, इसका फिलहाल का 465.4646 रुपये का है।बीते 10 वर्षों में इसने अपने पात्र निवेशकों को 24.4 फीसदी का रिटर्न दिया है।

इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड

इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड ने भी बीते 10 वर्षों में अपने पात्र निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दिया है। इसने पिछले 10 सालों में 20.4 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इस फंड में आप केवल 100 रुपये से निवेश की शुरुआत कर सकते हैं। इसका करंट एनएवी 246.11 रुपये (26 अगस्त 2026 तक) का है।

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड

निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड बीते 10 वर्षों में रिटर्न देने के मामले पर टॉप 5 में दूसरे स्थान पर आता है। इसने अपने पात्र निवेशकों को 21.5 फीसदी का रिटर्न दिया है। इस फंड में निवेश की शुरुआत करने के लिए कम से कम 5000 रुपये की जरूरत होती है। मतलब कि अगर आप निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड में निवेश की शुरुआत करने की प्लानिंग कर रहे हैं तो इसके लिए आपको निवेश की शुरुआत कम से कम 5 हजार रुपये से करनी होगी। बाकी अधिकतम आप कितना भी निवेश कर सकते हैं। क्वांट स्मॉल कैप फंड बीते 10 वर्षों में रिटर्न देने के मामले पर टॉप 5 में पहले स्थान पर आता है। इस फंड में निवेश की शुरुआत के लिए न्यूनतम राशि 5000 रुपये है।

संक्षिप्त समाचार

इंटर्न को हर महीने 30 लाख का ऑफर! देसी कंपनियों ने तोड़ दिए सारे रेकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में हाई-फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग कंपनियां इंटर्न्स को रेकॉर्ड तोड़ पैसा ऑफर

कर रही हैं। शेयर बाजार में सुस्ती और डेरिवेटिव्स के कड़े नियमों के बीच, ये कंपनियां गणित और डेटा के माहिर युवाओं को अपने साथ जोड़ने के लिए भारी-भरकम सैलरी दे रही हैं। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, गुड़गांव की कंपनी इंटर्न्स को महीने के करीब 30 लाख रुपये ऑफर कर रही है। यानी दो महीने की इंटर्नशिप के लिए छात्र को 60 लाख रुपये मिलेंगे। यह रकम पिछले साल के मुकाबले करीब चार गुना ज्यादा है। वहीं, ग्रेविटॉन रिसर्च कैपिटल दो महीने की इंटर्नशिप के लिए करीब 50 लाख रुपये दे रही है, जबकि पहले यह रकम 16 लाख रुपये के आसपास थी। विदेशी ट्रेडिंग कंपनियां भी पीछे नहीं हैं। एम्सटर्डम की आइएमसी ट्रेडिंग ने दो महीने की इंटर्नशिप का पैकेज दोगुना कर 50 लाख रुपये कर दिया है। कंपनी तो दो महीने के लिए करीब 60 लाख रुपये ऑफर कर रही है। ये बड़े-बड़े पैकेज देश के टॉप इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों को दिए जा रहे हैं। कंपनियां ऐसे इंजीनियरों को ढूंढ रही हैं जो गणित के जटिल मॉडल बना सकें और ऐसे सिस्टम तैयार कर सकें जो पलक झपकते ही ट्रेडिंग कर सकें। भर्ती करने वाली कंपनी एक्विस सर्च के पार्टनर डैनियल वाज कहते हैं कि विदेशी कंपनियां अब सीधे कॉलेज कैंपस से ही टैलेंट को उठाने के लिए बहुत ज्यादा पैसा खर्च कर रही हैं। उनके मुताबिक, कंपनियां अनुभवी लोगों को बाहर से लाने के बजाय नए इंजीनियरों को खुद ट्रेनिंग देकर तैयार करना ज्यादा पसंद कर रही हैं।

खाने की 4 और चीजें भी हुईं महंगी

नईदिल्ली, एजेंसी। रक्षाबंधन के त्योहार से पहले ही चीनी के बढ़े हुए दाम का सामना कर रही आम जनता के सामने और भी चुनौतियां हैं। ताजा आंकड़े बता रहे हैं कि देश में और भी कई खाद्य सामग्रियां हैं, जिनके रेट तेजी से बढ़े हैं। रिपोर्ट में इनकी जानकारी मिलती है। देश में महंगाई का दबाव केवल चीनी तक सीमित नहीं है। अगस्त में कई प्रमुख खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी तेज बढ़ोतरी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक की अगस्त की मासिक रिपोर्ट के अनुसार, प्याज की कीमतों में सबसे ज्यादा 11 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। इसके अलावा चावल, गेहूं, दालों और खाद्य तेलों के दाम भी बढ़े हैं। आरबीआई ने 1 से 21 अगस्त के दौरान औसत कीमतों की तुलना जुलाई की समान अवधि से की है। इसके मुताबिक, मौसम के असर और पश्चिम एशिया संघर्ष से आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई, जिससे खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर व्यापक दबाव बना हुआ है। प्याज और चीनी की कीमतें लगातार बढ़ रही है। चीनी के दाम हर रोज बदल रहे हैं। देश के कई हिस्सों में चीनी की कीमतें 70 रुपये से अधिक पहुंच गई है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, सब्जियों में प्याज की कीमतें सबसे अधिक तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई हैं। वहीं, अगस्त में चावल की कीमत 2.1 फीसदी बढ़ी। इसी तरह अनाज, दालों की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली। गेहूं के दाम में 0.6 फीसदी की वृद्धि हुई। दालों में चना दाल एक फीसदी, अरहर दाल 0.5 फीसदी और मूंग दाल 0.4 फीसदी महंगी हुई। खाद्य तेलों के दाम भी बढ़े। आरबीआई के अनुसार, सरसों तेल 1.6 फीसदी, मूंगफली तेल 1 फीसदी, सूरजमुखी तेल 0.9 फीसदी और पाम तेल 0.9 फीसदी महंगा हुआ। हालांकि, इस अवधि में आलू की कीमतों में थोड़ी नरमी दर्ज की गई है।

सात राज्यों के सरकारी स्कूलों को अपने ऐप का फ्री एक्सेस देगी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की दिग्गज टेक कंपनी ने स्कूलों में डिजिटल क्रिएटिविटी और एआई स्किल्स को आगे बढ़ाने के लिए एक बड़ी पहल की है। कंपनी ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, असम, बिहार और तमिलनाडु की राज्य सरकारों के साथ एक रणनीतिक पहल की घोषणा की है। राज्यों के साथ हुए एमओयू के तहत कंपनी हजारों सरकारी स्कूलों को फ्री एक्सेस देगी। एक डिजिटल मीडिया ऐप है। इसे छात्रों को ऐसे प्रोजेक्ट्स में शामिल करने के लिए डिजाइन किया गया है जो सीखने के परिणामों यानी लर्निंग आउटकम्स को बेहतर बनाते हैं और भविष्य के लिए जरूरी स्किल्स विकसित करते हैं। कंपनी का दावा है कि इस पहल से देश भर के स्कूलों में 78 लाख छात्रों और शिक्षकों का फायदा होगा। इस पहल के तहत छात्र और शिक्षक के अंतर्गत डिजिटल क्रिएटिविटी और एआई स्किल-बिल्डिंग करिकुलम का भी लाभ उठा सकेंगे। इससे क्रिएटिव प्रॉब्लम-सॉल्विंग, डिजिटल स्टोरीटेलिंग और एआई-असिस्टेड कंटेंट क्रिएशन में दक्षता विकसित होगी जो भविष्य के लिए तैयार शिक्षा के प्रति राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विजन को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षकों को क्लासरूम टीचिंग में डिजिटल क्रिएटिविटी को शामिल करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जबकि छात्र स्कूल प्रोजेक्ट्स और क्रिएटिव अभिव्यक्ति के लिए उपयोग करेंगे। इससे भारत के क्रिएटिव और डिजिटल उद्योगों में भविष्य के करियर के लिए उनके स्किल्स बेहतर होंगे।

सोना 1,200 उछला, चांदी 3,300 महंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमत में आज शुरुआती कारोबार में तेजी आई है। रक्षाबंधन से एक दिन पहले पर सोना आज करीब 1,200 रुपये प्रति 10 ग्राम उछल गया जबकि चांदी की कीमत में 3,300 रुपये प्रति किलो से ज्यादा तेजी आई। कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बाद यह उम्मीद जगी है कि अमेरिका का फेड रिजर्व ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। इसके अलावा, डॉलर में गिरावट से कीमती धातुओं को सहारा मिला। निवेशकों की नजरें इस हफ्ते के आखिर में फेड के चेयरमैन केविन वॉर्श के बहु-प्रतीक्षित बयानों पर टिकी हैं। 5 अक्तूबर की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,59,663 रुपये पर बंद हुआ था और आज यह 1,60,499 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 1,195 रुपये की तेजी के साथ 1,60,898 रुपये तक उछला। सुबह 9.15 बजे यह 753 रुपये की तेजी के साथ 1,60,416 रुपये पर ट्रेड कर रहा था इसी तरह 4 सितंबर की डिलीवरी वाली चांदी 2,39,638 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी और आज यह 3,361 रुपये की तेजी के साथ 2,42,999 रुपये पर खुली। सुबह 9.18 बजे यह 1852 रुपये की तेजी के साथ 2,41,490 रुपये पर ट्रेड कर रही थी।

फिजिकल मार्केट का हाल

इस बीच फिजिकल मार्केट में सोने और चांदी फ्लैट कारोबार कर रहे हैं। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 10 रुपये की गिरावट के साथ 1,63,740 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट वाला सोना भी 10 रुपये की गिरावट के साथ 1,50,090 रुपये पर है जबकि 18 कैरेट वाला सोना 10 रुपये नीचे 1,22,800 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। चांदी भी 100 रुपये की गिरावट के साथ 2,59,900 रुपये पर है।

जयपुर में सोने-चांदी की कीमत

राजस्थान की राजधानी जयपुर में 24 कैरेट वाला सोना 1,63,880 पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट वाले सोने की कीमत 1,50,240 और 18 कैरेट वाले सोने की कीमत 1,22,950 रुपये है। इसी तरह चांदी 2,59,900 रुपये किलो पर है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रक्षाबंधन से एक दिन पहले 24 कैरेट वाला सोना 1,63,890 पर प्रति 10 ग्राम पर चल रहा है। इसी तरह 22 कैरेट वाला सोना 1,50,240 और 18 कैरेट वाला सोना 1,22,950 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। लखनऊ में भी चांदी का रेट 2,59,900 रुपये किलो है। मुंबई में सोने का रेट क्रमशः 1,62,980, 1,49,400 और 1,22,240 है। बिहार की राजधानी पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत अभी 1,63,790 चल रही है। 22 कैरेट वाले सोने की कीमत 1,50,140 और 22 कैरेट की 1,22,850 है।

स्मार्ट तरीके से लें टर्म इंश्योरेंस, सही टिप्स नहीं जाने तो हो सकता है भारी नुकसान!

नई दिल्ली, एजेंसी। लोग आज के समय में खुद से लेकर वाहन, मकान, परिवार, महंगे फोन समेत अन्य चीजों का इंश्योरेंस कराते हैं। इन सभी इंश्योरेंस में से एक खास बीमा टर्म इंश्योरेंस होता है। इसे एक खास जीवन बीमा प्लान माना जाता है जो एक तय समय के लिए बीमा लेने वाले के परिवार को आर्थिक मदद और सुरक्षा प्रदान करता है।

टर्म इंश्योरेंस को परिवार के लिए एक खास और अहम आर्थिक सुरक्षा माना गया है। देश में कई सारी बीमा कंपनियां हैं, जो लोगों को टर्म इंश्योरेंस की सुविधा देती हैं। आय दिन काफी संख्या में लोग टर्म इंश्योरेंस को लेते हुए भी दिखते हैं। इस बीच एक्सपर्ट्स ग्राहकों को सलाह देते हैं कि टर्म इंश्योरेंस लेने से पहले अपने स्मार्ट तरीके का इस्तेमाल कीजिए। मतलब कि आप सोच समझकर ही किसी भी कंपनी के टर्म इंश्योरेंस को लीजिए। अगर आप इसे लेने में कोई गलती करते हैं तो आपको महंगा प्रीमियम भरना पड़ सकता है, इससे आपको भारी नुकसान भी हो सकते हैं। टर्म इंश्योरेंस को लेने के लिए 18 साल से लेकर 60 साल (तय नियमानुसार 70 साल तक) की उम्र सीमा होती है। जानकार बताते हैं कि आप जितनी कम उम्र में टर्म इंश्योरेंस को लेते हैं, आपको उतना ही कम प्रीमियम देना होता है। इससे आपकी पात्र फैमली को काफी

अधिक और कम प्रीमियम पर ज्यादा आर्थिक मदद मिल जाती है।

देश में कई बीमा कंपनियां हैं जो टर्म इंश्योरेंस देती हैं। इस दौरान ग्राहकों को बहुत ही सावधानी से अच्छी कंपनियों का चुनाव करना होता है। केवल आप कम और सस्ते प्रीमियम के चक्कर में कंपनी का चुनाव अच्छे से नहीं कर सकते हैं। कारण यह है कि टर्म इंश्योरेंस लेने का आपका खास उद्देश्य आपके परिवार को अच्छे से आर्थिक सुरक्षा देना है। ऐसे में आपको अगर अच्छी और विश्वसनीय कंपनी से टर्म इंश्योरेंस मिलता है तो आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसके साथ ही अगर वह कंपनी कम प्रीमियम वाला टर्म इंश्योरेंस ऑफर करती है तो यह और भी अच्छा माना जाता है। आप किसी भी कंपनी को टर्म इंश्योरेंस के लिए चुनने से पहले उसकी विश्वसनीयता, क्लेम सेटलमेंट प्रोसेस, क्लेम सेटलमेंट रेशियो, इतिहास, अपने ग्राहकों को देने वाली सुविधाओं की गुवणत्ता समेत अन्य बातों को ध्यान में रखकर चुनाव कर सकते हैं।

किसी भी कंपनी से टर्म इंश्योरेंस लेने से पहले आप उस प्लान के बारे में अच्छे से जान लें। आपको टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी के सभी नियम और कानून, शर्तें, प्रीमियम देने की राशि और समयसीमा, टर्म इंश्योरेंस के तहत कवर (मिलने वाली राशि) समेत अन्य अहम जानकारी को पहले ही जान लेनी होगी। मतलब कि आपको किसी भी टर्म इंश्योरेंस के लिए आवेदन करने से पहले इन सभी बातों की पूरी जानकारी और समझ रखनी होगी। जब आप टर्म इंश्योरेंस लेते हैं तो बीमा कंपनियां इसमें कई राइडर्स ऑफर करती हैं।

एयर इंडिया पर टाटा के बाद सिंगापुर में भी बवाल, फंडिंग पर उठने लगे सवाल, संसद में उठ सकता है मामला

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया का बढ़ता घाटा सिंगापुर के लिए भी सिरदर्द बन गया है। इसकी गूंज सिंगापुर की संसद तक पहुंच सकती है। एयर इंडिया में टाटा ग्रुप की 75 फीसदी हिस्सेदारी है जबकि बाकी स्टेक सिंगापुर एयरलाइंस के पास है। पिछले साल एयर इंडिया का घाटा 22,238 करोड़ रुपये रहा था। इस बीच खबर आई है कि कंपनी ने अपनी स्थिति सुधारने के लिए अपने स्टेकहोल्डर्स से .1.5 बिलियन के बेलआउट की मांग की है।

ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक सिंगापुर में विपक्षी वर्कर्स पार्टी के सांसद केनेथ टियोंग बून कियाट ने एयर इंडिया में निवेश पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सिंगापुर एयरलाइंस के जरिए एयर इंडिया को सपोर्ट करने के लिए टेमासेक फंड के किसी भी भविष्य के इस्तेमाल का विरोध किया। टेमासेक होल्डिंग्स सिंगापुर सरकार के मालिकाना हक वाली मल्टीनेशनल इन्वेस्टमेंट फर्म है। यह सिंगापुर एयरलाइंस में सबसे बड़ी शेयरहोल्डर है। ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर जेफरी सियो को लिखे एक पत्र

में पूछा कि क्या एयर इंडिया के घाटे का आकलन सिंगापुर एयरलाइंस की जरूरी ट्रांसपोर्ट सर्विस देने की क्षमता के आधार पर किया गया है और क्या इससे सिविल एविएशन अथॉरिटी ऑफ सिंगापुर एक्ट के तहत एसआइए के तय स्टेटस से जुड़ी नोटिफिकेशन की जिम्मेदारी लागू होती है। उन्होंने 8 सितंबर के संसदीय सत्र में इसका मौखिक जवाब मांगा। उन्होंने कहा, यह सिर्फ प्राइवेट शेयरहोल्डर्स के लिए सवाल नहीं है। दोनों में से जो भी चेक लिखेगा, उसका टेमासेक पर बड़ा असर पड़ेगा। खासकर सिंगापुर के लोगों पर एयर इंडिया को चलाने की जिम्मेदारी नहीं है। मैं सिंगापुर एयरलाइंस के जरिए एयर इंडिया को सपोर्ट देने के लिए टेमासेक के फंड के किसी भी भविष्य के इस्तेमाल का समर्थन या उम्मीद नहीं करूंगा। अगर सिंगापुर एयरलाइंस एयर इंडिया पर अपना दांव जारी रखना चाहती है, तो उसे अपने दम पर ऐसा करना चाहिए, न कि टेमासेक के दम पर। टेमासेक ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। एसआइए और एयर इंडिया ने सवालों का जवाब नहीं दिया। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक एयर इंडिया ने टाटा संस और सिंगापुर एयरलाइंस से लगभग 1.5 बिलियन डॉलर की नई इक्विटी मांगी है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया 3 लाइफ साइकिल फंड, 9 सितंबर तक निवेश का मौका

मुंबई, एजेंसी। तीनों ओपन-एंडेड स्कीमें हैं, जिन्हें पहले से तय मैच्योरिटी और लक्ष्य-आधारित निवेश के लिए ग्लाइड पाथ रणनीति के आधार पर बनाया गया है। इन तीनों स्कीमों के लिए न्यू फंड ऑफर कल यानी 26 अगस्त 2026 को ही खुल गया है। इनमें 9 सितंबर, 2026 तक निवेश किया जा सकेगा।

फंड हाउस की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार प्रूडेंशियल लाइफ साइकिल फंड्स ऐसी ओपन-एंडेड स्कीमें हैं जो एक डाइवर्सिफाइड, मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो को पहले से तय ग्लाइड पाथ के साथ जोड़ती हैं। हर स्कीम के शुरुआती सालों में लंबे समय में होने वाली संभावित ग्रोथ का फायदा उठाने के लिए इक्विटी एलोकेशन को काफी ज्यादा रखा जाता है। जैसे-जैसे स्कीम अपनी मैच्योरिटी की तारीख के करीब पहुंचती है, इक्विटी एक्सपोजर को धीरे-धीरे कम किया जाता है और उसी हिसाब से डेट एलोकेशन को बढ़ाया जाता है, ताकि निवेशक के लक्ष्य की तारीख के करीब आने पर निवेश में ज़्यादा स्थिरता मिल सके। फंड हाउस की हर स्कीम में इक्विटी और इक्विटी से जुड़े सिक्योरिटीज, डेट और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स, और गोल्ड और सिल्वर श्वञ्जस्न, गोल्ड और

सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड कमोडिटी डेरिवेटिव्स और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स की यूनिट्स में निवेश किया जा सकता है। इक्विटी एलोकेशन में इक्विटी आर्बिट्राज का एक्सपोजर भी शामिल हो सकता है, बशर्ते कुल इक्विटी और इक्विटी से जुड़ा एक्सपोजर स्कीम की तय सीमाओं के भीतर रहे। लाइफ साइकिल फंड, क्लोज्ड-एंड फंड के साथ हमारे अनुभव से बनी लंबी अवधि की सोच और हाइब्रिड फंड को मैनेज करने में हमारी विशेषज्ञता को एक साथ लाता है। 5, 10 और 15 साल की अवधि वाले विकल्पों के साथ निवेशक इस फंड को अपने किसी खास वित्तीय लक्ष्य से जोड़ सकते हैं। मुख्य बात यह है कि जैसे-जैसे निवेशक अपने लक्ष्य के करीब पहुंचता है, निवेश का तरीका भी बदलता रहता है। प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड के एस. नरेन के मुताबिक लाइफ साइकिल फंड, क्लोज्ड-एंड फंड के साथ हमारे अनुभव से बनी लंबी अवधि की सोच और हाइब्रिड फंड को मैनेज करने में हमारी विशेषज्ञता को एक साथ लाता है। 5, 10 और 15 साल की अवधि वाले विकल्पों के साथ निवेशक इस फंड को अपने किसी खास वित्तीय लक्ष्य से जोड़ सकते हैं। मुख्य बात यह है कि जैसे-जैसे निवेशक अपने लक्ष्य के करीब पहुंचता है, निवेश का तरीका भी बदलता रहता है। लंबी अवधि होने से इक्विटी में ज्यादा हिस्सेदारी का मौका मिलता है, जबकि जैसे-जैसे स्कीम मैच्योरिटी के करीब आती है, निवेश का बंटवारा धीरे-धीरे ज़्यादा सुरक्षित (कंजर्वेटिव) होता जाता है। साथ ही, ओपन-एंडेड स्कीम होने के कारण, निवेशकों को मैच्योरिटी की तारीख की पाबंदी के बिना इसमें निवेश करने या बाहर निकलने की सुविधा मिलती है।

जॉब छोड़ी, झेली असफलता, फिर 40,000 से शुरू किया काम, अब 2.5 करोड़ का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। कश्मीर के दो इंजीनियर भाइयों ने हार न मानने की मिसाल पेश की है। इनके नाम फसीह खान और हुमायूं धर हैं। दोनों कजिन हैं। नौकरी छोड़ने और फिर बिजनेस में असफलता झेलने के बाद इन्होंने दोबारा वापसी की। 40,000 रुपये की मामूली पूंजी से नया काम शुरू किया। आज यह सफर 2.5 करोड़ रुपये के सालाना रेवेन्यू तक पहुंच चुका है। उनके स्टार्टअप का नाम है। यह गुलमर्ग और पहलगाम जैसे ओवरक्राउडेड स्थानों से हटकर कश्मीर की अनदेखी खूबसूरती से रूबरू करा रहा है। आइए, यहां फसीह खान और हुमायूं धर की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

फसीह और हुमायूं ने इंजीनियरिंग की है। पढ़ाई पूरी करने के बाद दोनों ने पुणे और बेंगलुरु की जानी-मानी कंपनियों में नौकरी शुरू की। हालांकि, 9-टू-5 का रूटीन उन्हें रोक न सका। वे 2017 में अपने गृह राज्य कश्मीर लौट आए। शुरुआत में उन्होंने हेल्थकेयर सेक्टर में डॉक्टरों के लिए एक ऐप बनाया। यह बुरी तरह असफल रहा। स्टार्टअप्स की बारीकियों को समझने के लिए वे फिर से बेंगलुरु लौटे। वहां अनअकैडमी में काम करने के दौरान फसीह ने एडटेक की धमाकेदार ग्रोथ देखी। इससे उन्हें अपना खुद का वेंचर खड़ा करने का दोबारा साहस मिला। 2021 में फसीह और हुमायूं ने ट्रैकिंग के अपने शौक को एक बिजनेस मॉडल का रूप

दिया। अपने नए स्टार्टअप की नींव रखी। 2022 तक उन्होंने अपनी सेवाओं का विस्तार होटल बुकिंग और रेंटल सेवाओं में कर लिया। जब मेंटर्स ने उन्हें अपनी अलग पहचान बनाने की सलाह दी तो उन्होंने कश्मीर में ओवरटूरिज्म और पर्यावरण के नुकसान की समस्या को समझा। 2023 में उनके इस ईको-टूरिज्म मॉडल को आईआईटी रोपड़ (वाधवानी फाउंडेशन के तहत) और कश्मीर एंजेल नेटवर्क के जरिए 22 लाख रुपये की सीड फंडिंग मिली। इससे उनके काम को नई रफ्तार मिली। अप्रैल 2025 में घाटी में आतंकी हमले हुए। इसके बाद पर्यटन उद्योग को बड़ा झटका लगा। इससे स्टार्टअप के बुकिंग कैंसलेशन बढ़े। फंड फंस गया। इस संकट के बावजूद दोनों संस्थापकों ने हार नहीं मानी। बिजनेस को सिर्फ एक जगह तक सीमित न रखकर नए क्षेत्रों में डायवर्सिफाई किया।

रक्षाबंधन विवाद पर कृति सेनन ने तोड़ी चुप्पी ट्रोलर्स को दिया जवाब

कृति सेनन इन दिनों अपने एक विज्ञापन को लेकर काफी ट्रोल हो रहीं थीं। इस मामले पर उन्हें एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनौत ने भी जमकर घेरा था। अब कृति ने इस पूरे मामले पर करारा जवाब दिया है

क्यों ट्रोल हुईं कृति सेनन? उन्होंने एक ज्वैलरी ब्रांड के लिए यह विज्ञापन किया। एक्ट्रेस विज्ञापन में रक्षाबंधन का त्योहार मनाती नजर आईं। मगर, उनके कपड़े काफी रिवीलिंग थे। वे इंडो वेस्टर्न ड्रेस में दिखाई दीं। कृति सेनन की ड्रेस पर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है।

कृति ने इस मामले पर क्या कहा? अब कृति ने इन ट्रोल्स को करारा जवाब देते हुए कहा कि किसी महिला के कपड़ों से उसकी संस्कृति के प्रति सम्मान को नहीं मापा जाना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया पर स्टोरी शेयर कर लिखा, 'त्योहारों की असली भावना आपके कपड़ों में नहीं, बल्कि उन भावनाओं और परंपराओं में होती है जिन्हें आप दिल से मानते हैं। रक्षाबंधन सुरक्षा और प्यार का रिश्ता है। मेरी बहन और मैं एक-दूसरे को राखी बांधते हैं। हम एक-दूसरे की रक्षा करने का वादा करते हैं और एक-दूसरे की अच्छी सेहत, खुशी और लंबी उम्र की प्रार्थना करते हैं। हमारे लिए यह प्यार और प्रार्थना हमारे कुत्तों तक भी जाती है, क्योंकि वे भी हमारे परिवार का हिस्सा हैं।'

महिलाओं पर एक्ट्रेस ने दिया ये बयान महिलाओं पर बात करते हुए कृति ने कहा, 'आखिर हम महिलाओं को यह बताना कब बंद करेंगे कि उन्हें क्या पहनना चाहिए? समय के साथ पारंपरिक फैशन भी बदला है, लेकिन आज भी किसी महिला की संस्कृति के प्रति सम्मान को सिर्फ उसके कपड़ों से क्यों मापा जाता है? संस्कृति और परंपराएं उसके दिल में होती हैं, उसकी नेकलाइन में नहीं।'

कंगना ने पूरे मामले पर क्या कहा था? कंगना रनौत ने इस मामले पर बात करते हुए अपनी इंस्टा स्टोरी पर लिखा था, 'महिलाओं के लिए यह बहुत अच्छा समय है। हमारे वॉर्डरोब तरह-तरह के कपड़ों से भरे हुए हैं। आज की महिला ग्लोबल है। कॉकटेल ड्रेस से लेकर लहंगा-चोली, जींस से लेकर साड़ी, बिकिनी से लेकर सलवार-कमीज तक, इतने सारे ऑप्शन होने के बावजूद आप बिकिनी या अंडरगारमेंट्स पहनकर अपने भाई को राखी क्यों बांधेंगी? आपके स्टाइलिंग ऑप्शन कहां गए'? हाहा, यह विज्ञापन जानबूझकर अजीब बनाया गया लगता है।'

कंगना रनौत विवाद पर तापसी पन्नू ने तोड़ी चुप्पी

कंगना रनौत और तापसी पन्नू के बीच लंबे समय से मतभेद रहे हैं। साल 2019 में दोनों के बीच सार्वजनिक रूप से झगड़ा हुआ था। एक बार फिर दोनों के बीच जुबानी जंग शुरू हुई। बीते दिनों कंगना के साथ विवाद पर तापसी ने रिएक्शन देते हुए परवरिश पर बात कर दी थी। कंगना ने भी सोशल मीडिया पर रिएक्शन दिया था। वहीं, अब तापसी

तापसी पन्नू ने क्या कहा?

आज फिल्म 'गांधारी' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के मौक पर पैपराजी ने तापसी पन्नू से कंगना रनौत से विवाद के बारे में सवाल किया गया। पैप्स ने पूछा, एक महिला दूसरी महिला को सपोर्ट करती है, तभी एक बेहतर सोसाइटी होती है। मगर, आपका और कंगना का वॉर चल रहा है और आपने उन्हें लेकर परवरिश को लेकर भी बात की। इस पर तापसी ने कहा, 'मैं इतना कहना चाहूंगी कि हर बार आप क्यों मेरे से ऐसा सवाल करते हैं। दो महिलाओं के बारे में। आपको आज का ही मौका मिला ये सवाल करने का। आप खत्म क्यों नहीं होने देते यह झगड़ा'?

सब एक जैसा सवाल पूछते हैं

तापसी ने आगे कहा, 'आप जब हम दोनों से ये वाला सवाल करना बंद करेंगे ना तो ये ईश्यू भी खत्म हो जाएगा। आप सब लोगों को या तो मजा आ रहा है ये सब देखकर, तो सब एक जैसा सवाल पूछने में लगे पड़े हैं। अगर आप हकीकत में चाहते हैं कि यह ईश्यू खत्म हो तो आप ये सवाल तभी पूछना बंद कर देते और ये बात तभी खत्म हो जाती'।

कब रिलीज होगी 'गांधारी'

बता दें कि तापसी पन्नू की आगामी फिल्म 'गांधारी' का आज ट्रेलर जारी हो चुका है। इसमें वे एक मां की भूमिका में नजर आई हैं, जिसकी बच्ची का अपहरण हो जाता है। यह फिल्म 03 सितंबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

क्या रणबीर की 'ब्रह्मास्त्र 2' में नजर आएंगी दीपिका

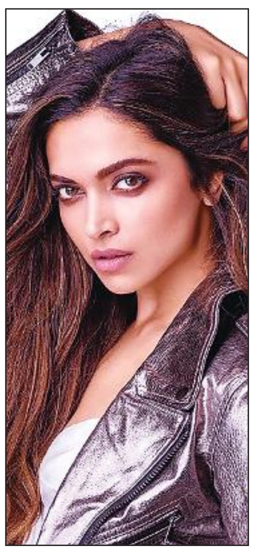

फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में रणबीर कपूर और आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आए। अब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा कहा गया था कि दूसरे पार्ट में दीपिका पादुकोण नजर आएंगी। वे अमृता की भूमिका अदा करेंगी। मगर, अभिनेत्री के प्रवक्ता ने ऐसी खबरों को खारिज कर दिया है। दीपिका पादुकोण 'ब्रह्मास्त्र 2' में नजर नहीं आएंगी। उनके प्रवक्ता ने यह बात कही है। इस स्पष्टीकरण से उन वायरल खबरों का खंडन होता है जिनमें दावा किया गया था कि एक्ट्रेस इस सीक्वल में अहम भूमिका निभाएंगी रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका पादुकोण 'ब्रह्मास्त्र 2' से नहीं जुड़ी हैं। दीपिका पादुकोण के प्रवक्ता ने साफ किया कि वे खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं, जिनमें कहा गया था कि दीपिका 'ब्रह्मास्त्र 2' में दिखाई देंगी।

प्यार के एक नजरिए को दिखाता है 'रात कालिया' सॉन्ग

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री शहजान पद्मसी ने गाना 'रात कालिया' से गायिकी में डेब्यू किया है। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि गायन को लेकर वे पहले से पैशनेट थीं, लेकिन एक्टिंग के लिए फिल्मों के ऑफर आने लगे, जिससे ये सपना पीछे रह गया। अभिनेत्री ने बताया, 'एक्टिंग का सफर अचानक से शुरू हुआ और मुझे काम करते वक्त काफी मजा भी आ रहा था। फिर, एक के बाद बहुत सारे प्रोजेक्ट हाथ में आने लगे। ऐसा लग रहा था जैसे मैं लहर पर सर्फिंग कर रही हूं। शहजान पद्मसी कॉमेडी फिल्म 'हाउसफुल 2' में पारुल नाम के किरदार में नजर आई थी। अभिनेत्री का मानना है कि इस फिल्म में काम करने के बाद ही उन्हें एहसास हुआ कि अब उन्हें थोड़ी क्रिएटिविटी की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मेरे अंदर एक दूसरा पहलू भी था, जिसे मैं देखना चाहती थी, तो मैंने सोचा कि चलो उस रास्ते पर चलते हैं। मेरी मां, शेरोन प्रभाकर, इंडिया की पहली पॉप स्टार्स में से एक हैं। तो मैंने मॉम के साथ म्यूजिक में आगे बढ़ने का फैसला किया। हम दोनों घंटों तक साथ में रियाज करते थे।' अभिनेत्री ने अपनी मां का शुक्रिया अदा करते हुए बताया कि वे उनकी वजह से शहजान पद्मसी को बाहर क्लास लेने की जरूरत नहीं पड़ी। उन्होंने कहा, 'मां की शिक्षिका बनना मुझे काफी अच्छा लगा। क्योंकि बेशक हम सब दिल से ही काम करते हैं, लेकिन मैंने सच में समय लिया और खुद से कहा कि अगर मुझे इस प्रोफेशन को सीरियसली लेना है, तो अपने हुनर पर काम करना होगा। पहले अपना हुनर पक्का करना होगा। प्रैक्टिस करना बहुत जरूरी है, और मुझे प्रैक्टिस की इस पूरी प्रोसेस से प्यार हो गया।' अभिनेत्री ने आगे गाना 'रात कालिया' के बार में भी बताया। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि यह एक लव सॉन्ग है, जो प्यार के नजरिए को दिखाता है। जैसे किसी भी रिश्ते के शुरुआत में इंसान एक दूसरे पर डिपेंडेंट होता है, कुछ वैसा ही। इसमें मेरे बहुत सारे ख्याल हैं, जिसमें मैं घंटों बात कर सकती हूं क्योंकि ये बहुत इंटरेस्टिंग है। जब भी मैं अपने दोस्तों से इस बारे में बात करती हूं, तो वो भी कहते हैं कि उन्होंने भी ऐसा ही महसूस किया है। वो कहते हैं, 'हां, मेरे साथ भी ऐसा हुआ है, मैं पहले बहुत डिपेंडेंट थी। मैं एक इंसान पर झुक जाती थी और अब मैं बहुत बदल गई हूं, तो ये प्यार का एक बदला हुआ, परिपक्व सफर है।'

ट्रोलिंग को अब दिल पर नहीं लेतीं सफलता की कहानी का हिस्सा मानती हूं

'कैसी ये यारियां' से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नीति टेलर हाल ही में रियलिटी शो 'एलायंस' में नजर आई थीं। इस शो में उनके सफर के दौरान जहां कई भावुक पल देखने को मिले, वहीं कुछ रिश्तों ने भी खूब ध्यान खींचा। शो से जुड़े अनुभवों और अपनी निजी सोच को लेकर नीति ने आईएएनएस से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर भी अपनी राय रखी और बताया कि समय के साथ इस मामले में उनका नजरिया काफी बदल गया है।

नीति ने कहा, ''अब मैं सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग को पहले की तरह दिल पर नहीं लेतीं। ट्रोल होने के पीछे एक मैसेज होता है कि लोग आपको देख रहे हैं और आपके बारे में बात कर रहे हैं। मैंने अब नकारात्मक टिप्पणियों पर ध्यान देने के बजाय अपने काम और उन लोगों पर फोकस करना शुरू कर दिया है, जो सपोर्ट करते हैं।'' ट्रोलिंग को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए नीति ने कहा, ''ये सिर्फ कंप्यूटर और फोन के पीछे छिपे चेहरे हैं, जिन्हें दूसरों को खुश देखना पसंद नहीं है, क्योंकि उनकी अपनी जिंदगी ठीक नहीं चल रही होती। ऐसे लोगों की बातों को अपने ऊपर हावी होने देना सही नहीं है। अगर आप पब्लिक फिगर है, तो आपकी लाइफ में इस तरह की चीजों का होना एक तरह से सामान्य बात है और हर कमेंट का जवाब देना जरूरी नहीं होता।''

नीति ने ट्रोलिंग को सफलता से भी जोड़कर देखा। उन्होंने कहा, ''मुझे यह भी लगता है कि ट्रोलिंग आपकी सफलता की कहानी का एक हिस्सा है। जब लोग आपके बारे में बात करते हैं और आपकी मौजूदगी पर प्रतिक्रिया देते हैं, तो इसका मतलब यह भी हो सकता है कि आप लोगों की नजर में हैं। इसलिए अब मैं ट्रोलिंग को लेकर ज्यादा परेशान नहीं होती और इसे अपनी जिंदगी का एक हिस्सा मानकर आगे बढ़ती हूं।'' बात अगर 'एलायंस' में उनके सफर की करें, तो उन्हें कई भावनात्मक उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ा, लेकिन इसी दौरान दोस्त भी बने, जिनकी शुरुआत की उम्मीद शायद किसी ने नहीं की थी। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा नीति और अभिनेता कुशाल टंडन की दोस्ती की हुई। शो की शुरुआत में दोनों के बीच ज्यादा अच्छी बॉन्डिंग नहीं थी और उनके रिश्ते में दूरी दिखाई देती थी, लेकिन समय के साथ दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और उनके इक्वेशन भी बदलते गए। प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हुए 'एलायंस' को आखिर में मिनी माथुर ने जीता।

मिर्जापुर' में अली फजल की बहन बनीं हर्षिता गौर बोलीं- वे मेरी बहुत टांग खींचते हैं, मैं शो में सबसे छोटी

'मिर्जापुर' की डिंपी का रोल निभाने वालीं हर्षिता गौर ने भले बीटेक इंजिनियरिंग की पढ़ाई की लेकिन उनका सपना कहीं न कहीं एक्ट्रेस बनने का था। उन्होंने कहा- मेरी मां डॉक्टर हैं और अपने कॉलेज डेज में 9 साल तक उन्होंने भी थिएटर किया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी अगली फिल्म मिर्जापुर द मूवी से।

बीटेक इंजिनियरिंग की पढ़ाई करने वाली हर्षिता गौर हमेशा से अभिनेत्री बनना चाहती थीं, मगर साथ ही उन्हें अपने परिवार को मायूस नहीं करना था, यही वजह थी कि उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। किस्मत ने उनका साथ दिया और 'साड्डा हक' जैसे टीवी शोज से एक्टिंग की उनकी राह आसान हो गई, मगर 'मिर्जापुर' की डिंपी जैसे शांत और सौम्य रोल ने उन्हें रातों -रात मशहूर कर दिया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी आगामी फिल्म मिर्जापुर द मूवी से। उनसे खास बातचीत।

'इंजिनियरिंग कर रही थी, मगर एक्ट्रेस बनना था' एक्टिंग में आने से पहलेहर्षिता इंजिनियरिंग कर रही थीं।

किसिंग सीन पर घरवालों ने आपत्ति नहीं की

अपने पहले ही शो 'साड्डा हक' में हर्षिता ने किसिंग सीन्स किए थे। अपने परिवार वालों की प्रतिक्रिया के बारे में वे कहती हैं, 'मेरे परिवार ने कोई आपत्ति नहीं जताई। हालांकि हम मिडिल क्लास वैल्यूज रखते हैं, मगर साथ ही वे ओपन-माइंडेड भी हैं। मेरे कहने का यह तात्पर्य है कि उनका ये हमेशा से मानना है कि तुम परदे पर जो कर रही हो, वो वैल्यू करना चाहिए। मतलब आपको किसिंग सीन करना है या कोई और इंटीमेट दृश्य, अगर वो आपके काम को वैल्यू दे रहे हैं, रिक्वायरमेंट है, अच्छे, क्रिएटिव और क्राफ्ट को समझने वाले लोगों के साथ कर रहे हैं, तो फिर कोई समस्या नहीं है। उन्होंने हमेशा ये समझा कि ये कहानी की मांग थी।'

कथक का साथ कभी नहीं छोड़ सकती

कथक को अपना पहला प्यार मानने वाली हर्षिता कहती हैं, 'मेरे लिए कथक बहुत खूबसूरत चीज है और मुझे बेहद पसंद है। मैंने छह साल की उम्र से कथक सीखा, लेकिन पढ़ाई और बाद में मुंबई आने के दौरान इसमें कई लंबे ब्रेक आए। मुंबई में जब मैंने दोबारा शुरू किया तो एक एक्सीडेंट के बाद दोनों घुटनों में इंजरी हो गई और करीब 4-5 महीने बेड रेस्ट पर रही।

उसी दौरान मिर्जापुर का एक्शन सीक्वेंस भी शूट करना था, जो काफी मुश्किल था। मिर्जापुर द मूवी की वजह से मुझे दोबारा कथक शुरू करने की हिम्मत मिली। अब मुझे लगता है कि कथक मेरी बॉडी में है। मैं इसका साथ नहीं छोड़ूंगी।'

अली मेरी खूब टांग खींचता है

'मिर्जापुर' में हर्षिता अका डिंपी गुड्डू उर्फ अली फजल की बहन बनी हैं। अली के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में वे कहती हैं, 'सीरीज की तरह वे रियल लाइफ में भी काफी केयरिंग हैं। हमारा मस्ती-मजाक वाला रिश्ता है। वे मेरी बहुत टांग खींचते हैं। मैं शो में सबसे छोटी हूं। जब आई थी, सबसे छोटी थी, अभी भी सबसे छोटी हूं, तो सभी मेरा बच्चे की तरह ख़याल रखते हैं।

मैंने मिर्जापुर के लिए मना कर दिया था

डिंपी पंडित का जो किरदार हर्षिता के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ, उसके लिए उन्होंने पहले मना कर दिया था। वे बताती हैं, 'मैंने एक टीवी शो किया था साड्डा हक, उसमें हमारे मिर्जापुर के निर्देशक गुरमीत असिस्टेंट डायरेक्टर हुआ करते थे। उन्होंने मुझे मिर्जापुर के सीजन वन के लिए डिंपी पंडित की भूमिका का ऑफर दिया। उस वक्त तक हम ओटीटी क्या होता है, जानते नहीं थे। मैंने रोल के लिए मना कर दिया था, क्योंकि आपकी लिमिटेड अंडरस्टैंडिंग होती है। मुझे कहा गया कि दो भाइयों की बहन का रोल है और मैंने उसे नकार दिया, लेकिन फिर उनका दोबारा कॉल आया। मैं जब दूसरी बार मिली, तो मुझे वो सीन नरेट किया गया, जहां मुन्ना (दिव्येंदु शर्मा) के अटैक करने पर डिंपी बोलती है, गाड़ी रोक वरना ठोक देंगे। उस बार मुझे पूरा माहौल और किरदार जम गया और मैंने हां कर दी। आज मिर्जापुर के तीन सीजन के बाद जब मिर्जापुर द मूवी आ रही है, तो लगता है कि अगर मैंने डिंपी के लिए मना कर दिया होता, तो ये मेरे करियर की सबसे बड़ी बेवकूफी होती।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए भारत की अंडर-19 टीम में सहवाग और द्रविड़ के बेटों का चयन

नई दिल्ली,एजेंसी। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग और पूर्व कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एक दिवसीय श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। जूनियर पुरुष चयन समिति ने घरेलू दौरे के लिए टीमों की घोषणा कर दी है, जिसका कार्यकाल जल्द ही समाप्त होने वाला है। जिसमें राजकोट में 18, 21 और 23 सितंबर को खेले जाने वाले तीन 50 ओवर के मैच शामिल हैं। इसके बाद राजकोट में 27 से 30 सितंबर तक और अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम 'बी' ग्राउंड में 5 से 8 अक्टूबर तक खेले जाने वाले दो लाल गेंद के बहुदिवसीय मैच होंगे। 50 ओवर के मैच में उत्तराखंड के बल्लेबाज लक्ष्य रायचंदानी कप्तानी करेंगे, जबकि मध्य प्रदेश के बल्लेबाज यशबर्धन चौहान उनके उप-कप्तान होंगे। चौहान लाल गेंद वाले मैचों में कप्तानी संभालेंगे और रायचंदानी उनके उप-कप्तान होंगे। लेग स्पिन ऑलराउंडर आर्यवीर और विकेटकीपर बल्लेबाज अन्वय को 15 सदस्यीय वनडे टीम में जगह मिली है, लेकिन दोनों ही वनडे मैचों के लिए चुनी गई टीम में शामिल नहीं हैं। आर्यवीर फिलहाल 2026 दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेल रहे हैं और अब तक सिर्फ दो मैच ही खेल चुके हैं। वहीं, अन्वय ने जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम के लिए दो 50 ओवर के मैचों में 101 रन बनाए। उस दौरे पर भारत की अंडर-19 टीम 50 ओवर की सीरीज 2-1 से हार गई, लेकिन रेड बॉल सीरीज 1-0 से जीत ली। आर्यवीर के अलावा, मनल चौहान और चिगुरुपति वेंकट को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 50 ओवर के मैचों में शामिल किया गया है, जबकि सागर विर्क, अनमोलजीत सिंह और ईशान सूद को टीम से बाहर रखा गया है। मल्टी-डे गेम्स टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज अभिप्रय बिस्वास (विकेटकीपर), इशान ओम, अयान अकरम, मोहित उलवा और आर्यन यादव को शामिल किया गया है, उनकी जगह विकेटकीपर बल्लेबाज आर्यन संदेश सकपाल, हेमचुदेशन जे, बीके किशोर, काव्या परेश पटेल और चिगुरुपति वेंकट को शामिल किया गया है। एकदिवसीय मैचों के लिए भारत की यू19 टीम में लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशबर्धन चौहान (उपकप्तान), रजत बघेल (विकेटकीपर), आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनल चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), वी. यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उलवा, चिगुरुपति वेंकट और काव्या पटेल है। बहु-दिवसीय मुकाबलों के लिए भारत की अंडर-19 टीम में यशबर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उप-कप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा (विकेटकीपर), अभिप्राय विश्वास (विकेटकीपर), रोहित यादव, इशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उलवा और आर्यन यादव है।

भारत दौरे की वजह से न्यूजीलैंड में टिकटों की रिकॉर्ड मांग

क्राइस्टचर्च ,एजेंसी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के इंटरनेशनल समर क्रिकेट ने रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत की है। क्रिकेट नेशन मेंबर्स की प्री-सेल के पहले 48 घंटों के अंदर 26,000 टिकट बिक गए। टिकटों की जबरदस्त मांग भारत दौरे की वजह से है। भारतीय टीम अक्टूबर में मल्टी-फॉर्मेट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड का दौरा करेगी। इस दौरे पर 12 मैच खेले जाने हैं। ऑकलैंड के ईडन पार्क में व्हाइट-बॉल मैच शुरुआती बिक्री में सबसे बड़ा आकर्षण बनकर उभरा हैं। क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी टिकटों की जबरदस्त मांग देखी गई है। 9,000 की क्षमता वाले इस वेन्यू पर 22 और 24 अक्टूबर को होने वाले शुरुआती दो टी20 के साथ-साथ 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक होने वाले टूर के दूसरे और आखिरी टेस्ट के लिए भी टिकट बिक जाने की उम्मीद है। वेलिंगटन में भी टिकटों की बिक्री जोरों पर है। यहां तीसरा टी20 और दूसरा वनडे खेला जाना है। पहला टेस्ट, जो 19 नवंबर से शुरू होगा, बेसिन रिजर्व में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड क्रिकेट के चीफ मार्केटिंग और कमर्शियल ऑफिसर ग्लेन क्रिचली ने कहा कि शुरुआती रिस्पॉन्स भारत के दौरे को लेकर उत्साह दिखाता है। शुरू से ही फैन्स के लिए हमारा संदेश यही रहा है कि वे कुछ भी मिस न करने के लिए तैयार रहें। पहले दो दिनों में टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री से यह साबित होता है कि बहुतों ने हमारी बात सुनी है। न्यूजीलैंड के लोगों के लिए यह एक बहुत कम मिलने वाला मौका है कि वे भारत से जुड़े क्रिकेट के खेल का जबरदस्त मजा लें और दुनिया के कुछ सबसे बड़े क्रिकेट स्टार को खेलते हुए देखें। ' उन्होंने कहा, 'हमने जानबूझकर टिकट की कीमतें पिछले सीजन जितनी ही रखी हैं, और हमारे क्रिकेट नेशन एक्सेस कोड का इस्तेमाल करके एक टिकट 30 डॉलर से कम में मिल रहा है। हमें खुशी है कि फैंस अपनी सीट पक्की करने के लिए जल्दी आ रहे हैं और जनरल पब्लिक सेल में अभी 11 दिन बाकी हैं। हमारा संदेश यही है कि मौका न चूकें। क्रिचली ने 'द फोर' और 'द सिक्स' ग्रुप टिकट पैकेज के साथ-साथ वेन्यू टिकट बंडल को भी हाईलाइट किया, जो उन सपोर्टर्स के लिए अतिरिक्त वैल्यू विकल्प है और जो कई मैच देखने का प्लान बना रहे हैं। जनरल पब्लिक सेल 7 सितंबर से शुरू होने वाली है। हालांकि, फैंस अभी भी क्रिकेट नेशन के लिए साइन अप करके एक्सक्लूसिव प्री-सेल का फायदा उठा सकते हैं, जो टिकटों पर 15 प्रतिशत का डिस्काउंट भी देता है।

सीपीएल 2026

टिम सिफर्ट का विस्फोटक शतक, सेंट लूसिया ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हराया

त्रिनिदाद,एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के 17वें मैच में सेंट लूसिया किंग्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 36 रन से हरा दिया। सेंट लूसिया की जीत में पारी की शुरुआत करने आए विस्फोटक बल्लेबाज टिम सिफर्ट के विस्फोटक शतक की अहम भूमिका रही।

ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में त्रिनबागो नाइट राइडर्स को जीत के लिए 212 रन का विशाल लक्ष्य मिला था, लेकिन बड़े लक्ष्य के सामने टीम लड़खड़ा गई और 20 ओवर में 6 विकेट पर 175 रन बना सकी। त्रिनबागो के लिए छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए दिग्गज ऑलराउंडर किरोन पोलार्ड ने विस्फोटक तूफानी अर्धशतक लगाया, लेकिन उसका फायदा टीम को नहीं हुआ। पोलार्ड ने 26 गेंदों पर 5 छक्के और 6 चौकों की मदद से 65 रन की पारी खेली। इसके अलावा पारी की शुरुआत करने आए कोलिन मुनरो ने 35 गेंदों पर 2 छक्के और 6 चौकों की मदद से 48 रन बनाए। सुनील नरेन ने भी 14 गेंदों पर 25 रन बनाए। कप्तान निकोलस पूरन (0), मैथ्यू ब्रिट्जके (0) और मैथ्यू ट्रॉम्प की 26 गेंदों पर खेली गई 15 रनों की पारी त्रिनबागो की हार का मुख्य कारण रही। सेंट लूसिया किंग्स के लिए कप्तान रोस्टन चेज ने सर्वाधिक 3 विकेट लिए।

मुचोवा-मेंसिक ने बेनसिक-कोबोली की जोड़ी को हराकर खिताब जीता

न्यूयॉर्क, एजेंसी। जैकब मेंसिक और कैरोलिना मुचोवा ने गुरुवार को आर्थर ऐश स्टेडियम में हुए फाइनल में फ्लेवियो कोबोली और बेलिंडा बेनसिक को हराकर यूएस ओपन 2026 का मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता। चेक जोड़ी ने एक टीम के तौर पर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता, उन्होंने इटैलियन-स्विस जोड़ी को एक घंटे, 13 मिनट के मुकाबले में 6-3, 1-6, (10-6) से हराया। मेंसिक और मुचोवा ने अच्छी शुरुआत की, अपनी सर्व बनाए रखते हुए 2-1 की बढ़त बनाई, फिर चौथे गेम में बेनसिक और कोबोली की सर्विस तोड़ी, जिसमें स्विस खिलाड़ी ने वाइड शॉट मारा। बेनसिक और कोबोली ने छठे गेम में लव पर पकड़ बनाए रखते हुए जोरदार वापसी की, लेकिन ब्रेक नहीं ले सके और चेक जोड़ी ने पहला सेट 6-3 से जीत लिया। दूसरे सेट में बेनसिक और कोबोली ने ब्रेक वापस ले लिया, जब बेनसिक ने फोरहैंड रिटर्न विनर मारा, और 3-1 की बढ़त बना ली। उनकी शानदार वापसी तब जारी रही जब कोबोली ने अपनी सर्व को मजबूत किया, इससे पहले कि मेंसिक की सर्विस टूट गई। बेनसिक ने दूसरे सेट के लिए सर्व किया और इसे 6-1 से जीत लिया। यह टाईब्रेक तक गया, लेकिन चेक जोड़ी ने अपने विरोधियों को दूर रखने के लिए काफी कुछ किया।

वे 9-5 से आगे थे, इससे पहले कि मेंसिक ने टाईब्रेक जीतने और यूएस ओपन का खिताब जीतने के लिए एक ऐस लगाया। दोनों इस गेम में सेमीफाइनल में मिरा एंड्रीवा और एंड्री रुबलेव पर टाईब्रेक जीत के बाद आए थे। मैच के बाद मुचोवा ने कहा, 'मुझे लगता है कि आखिर में, मैचिंग आउटफिट ने हमारे लिए फर्क पैदा किया। मुझे सच में उम्मीद नहीं थी कि मैं आज रात यहां खड़ी रहूंगी। हम बस मजे करने और इस मिक्स्ड डबल्स का आनंद लेने आए थे। अब हम यहां खड़े हैं। ' मेन्सिक ने इस बड़ी जीत पर कहा, 'मैं पहली बार यहां खड़ा हुआ हूं। टूर्नामेंट से पहले मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी, लेकिन यह बहुत मजेदार है। यह जीत अद्भुत है। '

35 पर सारे प्लेयर ऑलआउट

7 खिलाड़ी जीरो पर निपटे...

क्रिकेट के मैदान में इस टीम का हो गया तमाशा

नईदिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट के मैदान पर कभी-कभी ऐसा प्रदर्शन देखने को मिलता है, जिस पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है. वुमेंस कॉन्टिनेंटल कप 2026 में ऑस्ट्रिया की महिला टीम के साथ कुछ ऐसा ही हुआ. ग्वेर्नसे के खिलाफ एक दिन पहले 85 रन की शानदार जीत दर्ज करने वाली ऑस्ट्रिया की टीम अगले ही मुकाबले में तुर्की के सामने सिर्फ 35 रन पर ऑलआउट हो गई. टीम के सात बल्लेबाजों का खाता तक नहीं खुला. बारिश की वजह से मुकाबला 10-10 ओवर का कर दिया गया था, लेकिन मैच भी ज्यादा देर नहीं चला. तुर्की ने सिर्फ 82 गेंद में मुकाबला खत्म कर दिया और 27 गेंद बाकी रहते आठ विकेट से जीत दर्ज 3की. बुखारेस्ट के मोआरा व्लासी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए इस मुकाबले में तुर्की की कप्तान कुब्रा कनावरची ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया.

20 रन की साझेदारी के बाद फिर शुरू हुआ विकेटों का सिलसिला

सलामी बल्लेबाज कोमाती रेड्डी और शीतल भारद्वाज ने पारी को संभालने की कोशिश की. दोनों ने चौथे विकेट के लिए 20 रन जोड़े. लेकिन तुर्की की कप्तान कनावरची ने रेड्डी को आउट कर यह साझेदारी तोड़ दी. रेड्डी ने 19 गेंदों पर आठ रन बनाए. इसके बाद तुर्की की गेंदबाजों ने ऑस्ट्रिया के बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया. कनावरची ने मल्लिका पाथिरानाहेलागे को आउट किया, जबकि उसी ओवर में प्रविथा गणेशन भी पवेलियन लौट गई. अगले ओवर में हाजर सेलिक ने तो कहर ही बरपा दिया.

कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सका

ऑस्ट्रिया की पारी 8.1 ओवर में 35 रन पर सिमट गई. शीतल भारद्वाज रन आउट होने वाली आखिरी बल्लेबाज रहीं. ऑस्ट्रिया की ओर से कोई भी बल्लेबाज 10 रन तक नहीं पहुंच सका. रेड्डी के आठ रन टीम की पारी का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर रहा. यह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ऑस्ट्रिया का अब तक का सबसे कम स्कोर भी बन गया. यानी एक दिन पहले ग्वेर्नसे के खिलाफ 85 रन से जीत दर्ज करने वाली टीम अगले ही मुकाबले में 35 रन पर ढेर हो गई.

तुर्की ने 5.3 ओवर में खत्म कर दिया मैच

तुर्की को जीत के लिए सिर्फ 36 रन का लक्ष्य मिला था. लक्ष्य छोटा था, लेकिन टीम को भी शुरुआत में झटका लगा. कप्तान कनावरची सिर्फ चार गेंद खेलकर बिना खाता खोले मल्लिका की गेंद पर आउट हो गई. इसके बाद मल्लिका ने अपनी अगली ओवर में दूसरे सलामी बल्लेबाज सुजान तुरान को भी पवेलियन भेज दिया. हालांकि इसके बाद जेहरा एंडर और मेलिके बायराम ने कोई और मौका नहीं दिया. दोनों ने मिलकर तुर्की को 5.3 ओवर में लक्ष्य तक पहुंचा दिया. एंडर ने 12 गेंदों पर 13 रन बनाए, जबकि बायराम ने 11 रन की पारी खेली. बायराम ने अपनी पारी में मुकाबले का इकलौता छक्का भी लगाया.तुर्की ने आठ विकेट से मुकाबला अपने नाम किया और उसके पास 27 गेंदें बाकी थीं.

ऑस्ट्रिया की कप्तान प्रिया साबू पारी के पहले ही ओवर में एजगी नूर किलिक की गेंद पर बोल्ड हो गई. वह सिर्फ दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गई. दूसरे ओवर में आशी चोपला रन आउट हो गई. वह भी दो गेंद खेलकर डक पर आउट हुई. इसके बाद तीसरे ओवर में विकेटकीपर बल्लेबाज हादिया सिद्दीकी को हाजर सेलिक ने बोल्ड कर दिया.

कोलंबो टेस्ट

सोनल दिनुशा ने रचा इतिहास, भारत के खिलाफ ये रिकॉर्ड बनाने वाले पहले श्रीलंकाई बने

कोलंबो,एजेंसी। शानदार फॉर्म में चल रहे श्रीलंका के सोनल दिनुशा ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान दूसरी इनिंग में अर्धशतक लगाते हुए बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है। सोनल दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान सभी चार पारियों में 50 से ज्यादा रन बनाने वाले श्रीलंकाई खिलाड़ी बन गए हैं। इतना ही नहीं इससे भी बड़ी बात यह है कि वह भारत के खिलाफ ऐसा करने वाले पहले श्रीलंकाई हैं। इससे पहले श्रीलंका के कुमार संगकारा और दिमुथ करुणारत्ने ने यह उपलब्धि हासिल की है। लेकिन भारत के खिलाफ यह पहला मौका है। संगकारा ने दो बार दो मैचों की टेस्ट सीरीज में यह रिकॉर्ड बनाया है। संगकारा ने बांग्लादेश के खिलाफ 2013 और फिर इंग्लैंड के खिलाफ उसी के घर में 2014 में दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 4 बार 50 प्लस स्कोर बनाया था। करुणारत्ने ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2018 में यह उपलब्धि हासिल की थी। अब इस लिस्ट में सोनल का नाम शामिल हो गया है जिन्होंने भारत के खिलाफ ऐसा किया।

श्रीलंका ने हारते मैच में पलटी बाजी, कोलंबो टेस्ट में भारत ड्रॉ के लिए मजबूर

भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले गए सीरीज का दूसरा मुकाबला ड्रॉ पर खत्म हुआ है। सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान पर खेले गए इस मैच में टीम इंडिया दूसरी पारी में श्रीलंका को ऑलआउट नहीं कर पाई और यह मैच ड्रॉ पर छूटा। इसी के साथ भारतीय टीम ने सीरीज को 1-0 से जीत लिया।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान लेंगे संन्यास

2026 के बाद क्रिकेट को कहेंगे अलविदा

नई दिल्ली,एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान डीन एल्गर ने 2026 सीजन के अंत में सभी तरह के पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान किया है। 39 वर्षीय एल्गर ने परिवार को अधिक समय देने को अपने फैसले की मुख्य वजह बताया और दो दशक से ज्यादा लंबे करियर को अलविदा कहने का फैसला किया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान और अनुभवी सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर ने क्रिकेट से संन्यास लेने का एलान कर दिया है। 39 वर्षीय एल्गर 2026 सीजन के अंत में पेशेवर क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कहेंगे। इसके साथ ही दो दशक से अधिक लंबे उनके शानदार क्रिकेट करियर का अंत हो जाएगा।

अब परिवार के लिए मौजूद रहना चाहता हूं

अपने संन्यास के फैसले पर एल्गर ने कहा, 'मुझे लगता है कि अब मेरे लिए सही समय है। मैं अब 39 साल का हूं और घर पर बहुत कुछ चल रहा है। मेरे बच्चे तेजी से बड़े हो रहे हैं। मैं अब अपने परिवार के लिए मौजूद रहना चाहता हूं।' उन्होंने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के लिए 12 साल खेलना और फिर टीम की कप्तानी करना उनके करियर के सबसे गौरवपूर्ण पलों में रहा। एल्गर ने कहा, 'अगर मैं अपने सफर को पीछे मुड़कर देखता हूं तो शायद बहुत कम लोगों ने सोचा होगा कि मेरा क्रिकेट करियर इतना लंबा चलेगा। दो दशक से ज्यादा का करियर होना मेरे लिए बेहद खास है।'

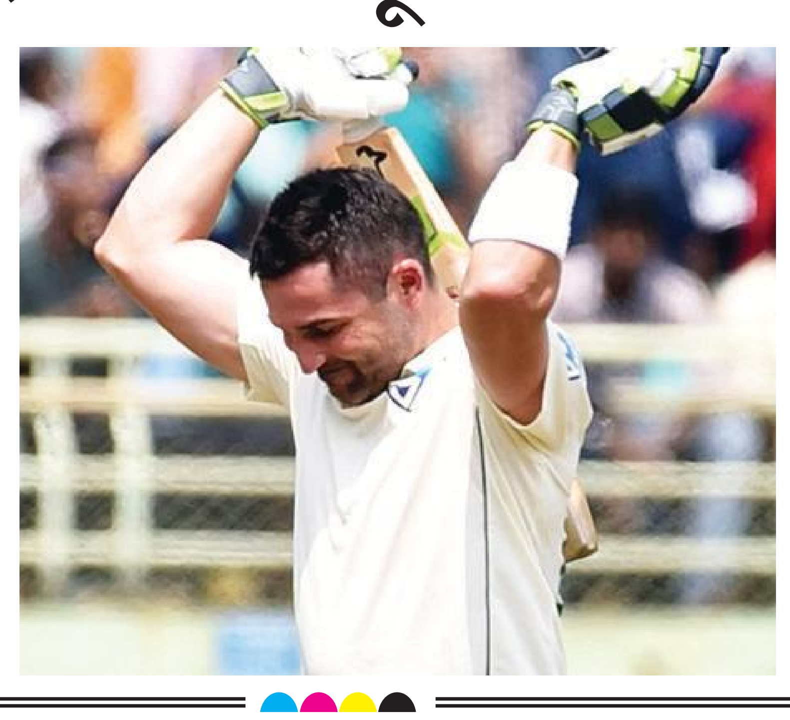

86 टेस्ट में बनाए 5347 रन

डीन एल्गर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 86 टेस्ट मैच खेले और 37.92 की औसत से 5347 रन बनाए। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 14 शतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रन रहा, जो उन्होंने 2017 में बांग्लादेश के खिलाफ बनाया था। एल्गर ने दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी भी 18 टेस्ट मैचों में की। उन्होंने जनवरी 2024 में भारत के खिलाफ केपटाउन टेस्ट में आखिरी बार प्रोटियाज टीम की कप्तानी की थी। उस मुकाबले में नियमित कप्तान तेम्बा बावुमा चोटिल होने के कारण टीम का हिस्सा नहीं थे।

संक्षिप्त समाचार

सावन पूर्णिमा पर गिरिडीह शहर में भारी वाहनों की नो-एंट्री, शाम 6 बजे से लागू होगा आदेश

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सावन पूर्णिमा के अवसर पर गिरिडीह शहर के प्रमुख शिव मंदिर दुखिया महादेव मंदिर, अजीडीह में श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने यातायात व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। अनुमंडल पदाधिकारी सह-अनुमंडल दंडाधिकारी, गिरिडीह की ओर से जारी आदेश के अनुसार शहर के अंदर भारी वाहनों के आवागमन पर अस्थायी रोक लगाई गई है। आदेश के मुताबिक 27 अगस्त की शाम 6 बजे से 28 अगस्त की सुबह 5 बजे तक भारी वाहनों का शहर के अंदर प्रवेश एवं आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने यह निर्णय श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से लिया है।प्रशासन के अनुसार सावन पूर्णिमा के शुभ अवसर पर गिरिडीह एवं आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु रात में नदी से जल उठाकर पैदल परसवाटांड़, बड़ा चौक, बरवाडीह, अजीडीह होते हुए दुखिया महादेव मंदिर में जलाभिषेक करने पहुंचेंगे। ऐसे में भारी वाहनों की आवाजाही से यातायात बाधित होने तथा किसी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए यह रोक लगाई गई है। प्रशासन ने संबंधित पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने तथा आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। साथ ही जिला जनसंपर्क पदाधिकारी को इस आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार कराने को कहा गया है। श्रद्धालुओं की भीड़ और सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन ने लोगों से यातायात व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है।

स्ट्रीट फूड वेंडर्स के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 31 अगस्त से

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नेशनल एसोसिएशन ऑफ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ इंडिया (नासवी), फूड सेफ्टी विभाग, झारखंड सरकार एवं सहयोगी संगठन गिरिडीह फुटपाथ दुकानदार विक्रेता संघ के संयुक्त तत्वावधान में स्ट्रीट फूड वेंडर्स के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण एवं

जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर 31 अगस्त और 1 सितंबर 2026 को होटल सकीना, बुलाकी रोड, डीएवी स्कूल के समीप आयोजित होगा। इसमें स्ट्रीट फूड वेंडर्स को स्वच्छ एवं सुरक्षित भोजन, खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वास्थ्य लाभ, फूड पॉइजनिंग से बचाव तथा खाद्य सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जाएंगी। आयोजकों के अनुसार प्रशिक्षण का उद्देश्य शहर के स्ट्रीट फूड वेंडर्स को जागरूक करने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनाना और ग्राहकों को सुरक्षित व स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराने के लिए सक्षम बनाना है। प्रशिक्षण पूरा करने वाले वेंडर्स को ट्रेनिंग सर्टिफिकेट के साथ एक किट निःशुल्क प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम में उपायुक्त, नगर आयुक्त, मेयर प्रमिला मेहरा, डिप्टी मेयर सुमित कुमार, फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारी, नासवी के पदाधिकारी तथा गिरिडीह फुटपाथ दुकानदार विक्रेता संघ के प्रतिनिधियों के शामिल होने की संभावना है। संघ के अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा टार्जन ने जिले के अधिक से अधिक स्ट्रीट फूड वेंडर्स से प्रशिक्षण शिविर में शामिल होकर इसका लाभ उठाने की अपील की है। इस अवसर पर पंकज कुमार सागर, कोषाध्यक्ष मोहम्मद इकबाल, सचिव अफगान उर्फ बबलू, शक्ति कुमार शाह, अतराम उर्फ सितारा, धीरज कुमार, पवन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

ओबरा में 24 घंटे के हरिकीर्तन का समापन, विधायक मनोज यादव ने भजन गाकर श्रद्धालुओं को झुमाया

'हरे राम हरे कृष्णा' के जयकारों से गूंजा क्षेत्र

चौपारण/हजारीबाग/नवभारत टाइम्स संवाददाता। बच्छई पंचायत स्थित ग्राम ओबरा में आयोजित 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन गुरुवार को भक्तिमय माहौल के बीच संपन्न हो गया। बुधवार सुबह 10 बजे शुरू हुए इस धार्मिक अनुष्ठान के समापन के साथ ही पूरा गांव और आसपास का क्षेत्र हरे राम, हरे कृष्ण के जयकारों से गुंजायमान रहा।

हरिकीर्तन में बरही विधायक मनोज कुमार यादव शामिल हुए। उन्होंने भगवान हरि की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। इस दौरान विधायक ने स्वयं हरि भजन गाकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया और वातावरण में उत्साह भर दिया। कीर्तन में लराही, चक, सेवई, हजारी व कोयली के कीर्तन मंडली अपनी प्रस्तुति से समां बांधा। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि सहदेव प्रसाद यादव, मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र रजक, पंसस विजय मधेसिया, समाजसेवी देवल यादव, दिनेश यादव, शंकर दयाल साव, बिनोद साव उपस्थित थे।

आयोजन को सफल बनाने में पुजारी सचिन शर्मा व सरिता देवी, धर्मदेव यादव, सोबरन यादव, सुरेश राणा, रामजीवन राणा, रामलाल शर्मा, कार्तिक यादव, मन्नू शर्मा, बालेश्वर राणा, लक्ष्मण राणा, संजय यादव, अशोक यादव, महेश यादव, किसुन यादव, बहादुर राणा, सतेंद्र यादव, किशोर राणा, मोहित राणा, सकलदेव यादव, जितेंद्र यादव, मनोज यादव, उपेंद्र यादव, दुर्गेश राणा, अजित यादव, मिथुन यादव, तुलसी यादव, रविन्द्र यादव, नरेश यादव, शंकर राणा, बालेश्वर यादव, संजय शर्मा, अशोक रविदास, सुनील राणा, सुरेश यादव, विकास राणा, लोकनाथ राणा, नारायण राणा, सचिन्द्र साव, आलोक राणा, अमर यादव, अनिल शर्मा, सुरेन्द्र यादव समेत समस्त ग्रामीणों की सराहनीय भूमिका रही।

पेड़ों की रक्षा का लिया संकल्प, विधायक प्रदीप प्रसाद ने बांधा रक्षा सूत्र

हजारीबाग, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बसोबार स्थित सेवाने नदी मंदिर के समीप गुरुवार को पेड़ रक्षाबंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद शामिल हुए। इस दौरान पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं। पेड़ हमें शुद्ध वायु और छाया देने के साथ पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिस प्रकार हम अपने रिश्तों की रक्षा का संकल्प लेते हैं, उसी प्रकार पेड़ों की रक्षा और उनकी देखभाल करना भी हमारा नैतिक दायित्व है।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण किसी एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी का सामूहिक दायित्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यएक पेड़ मां के नामह्व अभियान ने पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने का काम किया है। इससे प्रेरणा लेते हुए सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की जरूरत है।

विधायक ने कहा कि पेड़ बचेंगे, तभी पर्यावरण बचेगा और तभी सभी का भविष्य सुरक्षित रहेगा। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनकी देखभाल करने तथा आसपास के वातावरण को हरा-भरा और स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। वहीं स्कूल के बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक किया।

कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि दिनेश कुशवाहा, दिलीप साहू, रौशन सिन्हा, दारू मंडल अध्यक्ष अशोक कुशवाहा, सदर पश्चिमी मंडल अध्यक्ष शिवपाल यादव, आयोजक महेंद्र कुशवाहा, सुधीर कुशवाहा, प्रकाश कुशवाहा, प्रमोद कुशवाहा, संजय कुशवाहा, राजन सिन्हा, दिनेश पासवान, रंजीत सिन्हा, भरत प्रसाद, सुरेंद्र कुमार, त्रिलोकी कुशवाहा, विक्की कुशवाहा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मर्सी हॉस्पिटल गिरिडीह में कई बीमा कंपनियों और टीपीए की कैशलेस सुविधा

गिरिडीह, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मर्सी हॉस्पिटल, गिरिडीह में मरीजों को स्वास्थ्य बीमा के माध्यम से इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कई जनरल इंश्योरेंस कंपनियों और हेल्थ इंश्योरेंस टीपीए के साथ एम्पैनलमेंट किया गया है। इससे पात्र बीमित मरीजों को अस्पताल में इलाज के दौरान बीमा संबंधी सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा।

अस्पताल के एम्पैनल्ड जनरल इंश्योरेंस पार्टनर्स में अको जनरल इन्शुरन्स, बजाज जनरल इन्शुरन्स, चोलामंडालाम एमएस जीआईसी, गो डिजिट जनरल इन्शुरन्स, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जीआईसी , जुरीच कोटक जनरल इन्शुरन्स, लिबर्टी जनरल इन्शुरन्स, मगमा जनरल इन्शुरन्स, रहेजा क्यूबीई जीआईसी , इंडसइंड जनरल इन्शुरन्स, यूनिवर्सल सोम्पो जीआईसी, जुनो जनरल इन्शुरन्स और आदित्य बिरला हेल्थ इन्शुरन्स शामिल हैं।

झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष बने मो. शमशाद अंसारी, कार्यकर्ताओं ने दी बधाई

केरेडारी (हजारीबाग)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) हजारीबाग जिला अल्पसंख्यक मोर्चा का गठन किया गया है। जिला समिति की अनुशंसा एवं पार्टी के निर्देश के आलोक में मो. शमशाद अंसारी को हजारीबाग जिला अल्पसंख्यक मोर्चा का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इस संबंध में झामुमो के महासचिव विनोद कुमार पांडेय के हस्ताक्षर से पत्र जारी किया गया है।

जारी पत्र में जिला अल्पसंख्यक मोर्चा के पदाधिकारियों को केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों, जिला समिति के पदाधिकारियों तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के सहयोग और मार्गदर्शन में संगठन को मजबूत करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही जिला समिति का पूर्ण गठन सुनिश्चित करने की बात कही गई है। पार्टी ने उम्मीद जताई है कि नवगठित समिति के पदाधिकारी अपनी कर्मठता और संगठनात्मक क्षमता का उपयोग करते हुए संगठन को मजबूत करने के लिए कार्य करेंगे। साथ ही अनुशासन में रहकर कार्यकर्ताओं के साथ मधुर संबंध स्थापित करते हुए संगठन के विस्तार में योगदान देंगे।

मो. शमशाद अंसारी के जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर क्षेत्र के लोगों और झामुमो कार्यकर्ताओं में खुशी है। मुखिया इलियास अंसारी, सफर रजा, सफीउल्लाह अंसारी, तारीख हुसैन, शहबान अंसारी, जावेद आलम सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि शमशाद अंसारी के नेतृत्व में अल्पसंख्यक मोर्चा जिले में संगठन को और मजबूत करेगा।

रक्षाबंधन से पहले 4.57 लाख बहनों के खाते में पहुंचे114.35 करोड़

मंईयां सम्मान योजना की राशि अंतरित

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले गिरिडीह जिले की 4.57 लाख महिलाओं को मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत अगस्त माह की सम्मान राशि का तोहफा मिला है। जिले की 4,57,400 लाभुक महिलाओं के बैंक खातों में प्रति महिला 2,500 की दर से कुल 114.35 करोड़ की राशि आधार आधारित डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से अंतरित की गई। जिला प्रशासन के अनुसार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मंत्री सुदिव्य कुमार की पहल के तहत यह राशि लाभुक महिलाओं के खातों में भेजी गई है। रक्षाबंधन से ठीक पहले मिली इस राशि से जिले की लाखों महिलाओं को आर्थिक संबल मिलने की उम्मीद है।

जमुआ में सबसे ज्यादा लाभुक

प्रखंडवार आंकड़ों के अनुसार जमुआ में सबसे अधिक 53,776 महिलाओं को योजना का लाभ मिला है। इसके बाद धनवार में 47,819, डुमरी में 41,370 और गिरिडीह प्रखंड में 40,229 महिलाओं के खाते में राशि भेजी गई। वहीं बिरनी की 35,407, देवरी की 34,279, गांडेय की 32,503, बगोदर की 31,942 और बेंगाबाद की 28,805 महिलाओं को अगस्त की सम्मान राशि मिली है। इसके अलावा गिरिडीह नगर निगम क्षेत्र की 27,741, सरिया की 25,518, गावां की 21,350 और पीरटांड़ की 18,473 महिलाओं को भी योजना का लाभ मिला। तिसरी की 13,582, सरिया नगर पंचायत की 2,457 और धनवार नगर पंचायत की 2,149 लाभुक महिलाओं के खातों में भी राशि अंतरित की गई है। महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा जिला प्रशासन का कहना है कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल की जा रही है। रक्षाबंधन से पहले राशि का भुगतान महिलाओं के लिए आर्थिक सहयोग के साथ सम्मान और आत्मनिर्भरता का संदेश भी है। प्रशासन की ओर से कहा गया कि सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचाने का प्रयास जारी है।

बैंकिंग योजनाओं के लक्ष्य पूरे करें बैंक, लंबित ऋण आवेदनों का समय पर करें निष्पादन

गिरिडीह,नवबिहार टाइम्स संवाददाता। समाहरणालय सभाकक्ष में बुधवार को उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला सलाहकार समिति (डीसीसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की बैठक हुई। जून 2026 तिमाही की समीक्षा के दौरान जिले में संचालित विभिन्न बैंकिंग एवं वित्तीय योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने सभी बैंकों को निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में वार्षिक ऋण योजना (ऐसीपी), सीडी रतिओ , किसान क्रेडिट कार्ड कसीसी), पीएमएफएमई , पीएम स्वानिधि , मुद्रा , बी-पीएम फबी वाई और स्वयं सहायता समूह एसएचजी समेत विभिन्न योजनाओं की बैंकवार समीक्षा की गई।

वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों की प्रगति की भी जानकारी ली गई। कसीसी की कम प्रगति पर अधिकारियों ने जताई चिंता। समीक्षा के दौरान किसान क्रेडिट कार्ड योजना में अपेक्षाकृत कम उपलब्धि सामने आने पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया गया। कुछ बैंकों द्वारा एक लाख रुपये से अधिक के कसीसी ऋण के लिए एलपीसी की अनिवार्यता का मुद्दा उठाया गया। विभिन्न अंचलों में आवेदकों को एलपीसी उपलब्ध कराने में आ रही परेशानी के समाधान के लिए समन्वय से कार्रवाई करने को कहा गया कभेलवाघाटी में बैंक शाखा खोलने का निर्देश उपायुक्त रामनिवास यादव ने भेलवाघाटी एवं आसपास की पंचायतों में बैंकिंग सुविधा की आवश्यकता को देखते हुए बैंक शाखा खोलने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश भारतीय स्टेट बैंक को दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ना आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए बेहद जरूरी है। बैठक में गुरूजी क्रेडिट कार्ड योजना की भी समीक्षा हुई। स्वीकृत ऋण राशि की तुलना में संवितरित राशि कम पाए जाने पर संबंधित बैंकों से स्पष्टीकरण मांगा गया। उपायुक्त ने स्वीकृत ऋण का समयबद्ध संवितरण सुनिश्चित करने को कहा। एसएचजी , किसानों और छोटे कारोबारियों को मिले ऋण का लाभ बैठक में स्वयं सहायता समूहों, किसानों, छोटे कारोबारियों और जरूरतमंद लोगों को ऋण एवं अन्य वित्तीय सेवाओं से जोड़ने पर जोर दिया गया।

आईटीआई गोला में हुनर परियोजना का शुभारंभ, युवाओं को मिलेगा निःशुल्क आवासीय वेल्डिंग प्रशिक्षण

पीवीयूएनएल ने सामाजिक दायित्व के तहत दिए 60 लाख रुपये

रामगढ़, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले के युवाओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाकर रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से आईटीआई गोला में हुनर परियोजना का शुभारंभ किया गया। जिला प्रशासन रामगढ़, पीवीयूएनएल पतरातू एवं झारखंड गवर्नमेंट टूल रूम आईटीआई गोला के संयुक्त तत्वावधान में शुरू की गई इस परियोजना के तहत युवाओं को तीन माह का निःशुल्क आवासीय वेल्डिंग प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यक्रम का शुभारंभ हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल, बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी, उपायुक्त ऋतुराज एवं पीवीयूएनएल पतरातू के महाप्रबंधक आर.के. निरंजन ने संयुक्त रूप से किया। हुनर परियोजना के तहत युवाओं को आधुनिक वेल्डिंग तकनीक का तीन माह का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस परियोजना के लिए पीवीयूएनएल ने अपने सामाजिक दायित्व के तहत 60 लाख रुपये की राशि उपलब्ध कराई है। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद युवाओं को रोजगार दिलाने में पूरी सहायता देने का प्रावधान किया गया है। वहीं चयनित प्रशिक्षुओं को 1500 रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति भी प्रदान की जाएगी। सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हुनर परियोजना युवाओं को कौशल एवं रोजगार से जोड़ने के साथ-साथ रोजगार के लिए होने वाले पलायन को रोकने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।

विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि ग्रामीण एवं स्थानीय युवाओं को सही प्रशिक्षण और अवसर उपलब्ध कराने से उनके लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में इस परियोजना से जुड़ने की अपील की। उपायुक्त ऋतुराज ने कहा कि जिले के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारपरक तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। हुनर परियोजना के माध्यम से युवाओं को आधुनिक वेल्डिंग तकनीक में दक्ष कर उद्योगों की मांग के अनुरूप तैयार किया जाएगा।उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसर मिलने से रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों एवं दूर-दराज के क्षेत्रों में होने वाले पलायन में कमी आएगी। इससे युवाओं की आय बढ़ने के साथ परिवारों की आर्थिक स्थिति एवं जिले की स्थानीय अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा प्रशिक्षुओं को अधिकतम रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। पीवीयूएनएल पतरातू के महाप्रबंधक आर.के. निरंजन ने कहा कि संस्था स्थानीय युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार सृजन को प्राथमिकता दे रही है।

परियोजना के तहत आधुनिक मशीनों की सहायता से सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा और प्रशिक्षण के बाद रोजगार प्राप्त करने में आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।परियोजना के अंतर्गत तीन माह का निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण, आधुनिक वेल्डिंग तकनीक की शिक्षा, आधुनिक मशीनों से सुसज्जित प्रशिक्षण प्रयोगशाला, रोजगार प्राप्त करने में पूरी सहायता तथा चयनित प्रशिक्षुओं को 1500 रुपये प्रतिमाह छात्रवृत्ति की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण केंद्र का अवलोकन किया।

मर्सी हॉस्पिटल में एडवांस आर्थ्रोस्कोपिक घुटने की सर्जरी, गिरिडीह में बढ़ी आधुनिक ऑर्थोपेडिक सुविधा

गिरिडीह, नव बिहार टाइम्स संवाददाता। मर्सी हॉस्पिटल, गिरिडीह ने ऑर्थोपेडिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करने का दावा किया है। अस्पताल में एडवांस आर्थ्रोस्कोपिक घुटने की सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। अस्पताल के अनुसार, इस प्रक्रिया के माध्यम से मरीजों को घुटने से जुड़ी जटिल समस्याओं के लिए आधुनिक और विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराई जा रही है। अस्पताल की ओर से बताया गया कि की-होल तकनीक पर आधारित आर्थ्रोस्कोपिक सर्जरी में छोटे चीरे के माध्यम से घुटने के अंदर की समस्या का उपचार किया जाता है। इसमें एसीएल (ऐसीएल) रिकंस्ट्रक्शन और मेनिस्कस रिपेयर जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं।

पूर्व रेलवे

ई–निविदा सं. 02_2026-27, **दिनांक** 25.08.2026, उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/इंजी., गति शक्ति इकाई, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा–711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई–निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है। **कार्य का विवरण** : उत्तरपाड़ा (यूपीए) और कोन्नगर (केओजी) में सभी प्लेटफॉर्मों पर लिफ्ट के साथ 6 मी. चौड़े फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य :** रु. 9,99,12,745.88, **बयाना राशि:** रु. 19,98,300/–, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.):** 0.00, **समापन अवधि :** बारह (12) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 22.09.2026 **को 15.00 बजे।** निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। **ईएमडी और टीडीसी का भुगतान–**ई–निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई–निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्स्ड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा। HWH-307/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

एक सितंबर से रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र में फिर शुरू होगा घर-घर कचरा संग्रहण

मुर्रामकला संयंत्र में जमा पुराने कचरे का 15 दिनों में होगा उठाव और सफाई

रामगढ़, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर परिषद रामगढ़ क्षेत्र में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से एक सितंबर 2026 से घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य पुनः प्रारंभ किया जाएगा।

इस संबंध में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में छावनी परिषद के मुख्य अधिशासी अधिकारी, नगर परिषद रामगढ़ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं स्थायी समिति के सदस्य, कार्यपालक पदाधिकारी तथा कचरा संग्रहण कार्य से जुड़ी एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में नगर परिषद क्षेत्र में घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था को सुचारू रूप से शुरू करने, कचरे के उचित संग्रहण एवं निष्पादन तथा समग्र स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने पर विस्तार से चर्चा की गई।

निर्णय लिया गया कि एक सितंबर से नगर परिषद क्षेत्र में घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य फिर से शुरू किया जाएगा। बैठक में मुर्रामकला स्थित कचरा प्रसंस्करण स्थल पर जमा पुराने कचरे के उठाव एवं सफाई को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। नगर परिषद रामगढ़, छावनी परिषद एवं संबंधित कचरा संग्रहण एजेंसी के आपसी समन्वय से वहां जमा पुराने कचरे का उठाव एवं सफाई कार्य 15 दिनों के भीतर पूरा किया जाएगा।

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कचरे के उचित संग्रहण, परिवहन एवं निष्पादन की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के लिए नियमित निगरानी एवं प्रभावी कार्यान्वयन पर भी जोर दिया। नगर परिषद ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने घरों से निकलने वाले कचरे को सड़क, नाली अथवा खुले स्थानों पर न फेंकें और कचरा संग्रहण वाहन के आने पर अपना कचरा उसी में डालें।

साथ ही गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग कर देने तथा स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में नगर परिषद एवं जिला प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई है।

रक्षाबंधन पर चाणक्य पब्लिक स्कूल में प्रेम, सुरक्षा और प्रकृति संरक्षण का संदेश

नव बिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सिरसिया स्थित चाणक्य पब्लिक स्कूल में रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास और भावनात्मक माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने मुख्य अतिथि पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी जीतवाहन उरांव एवं पुलिस उपाधीक्षक नीरज सिंह को राखी बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। अधिकारियों ने छात्राओं के स्नेह को स्वीकार करते हुए उन्हें सुरक्षा, आत्मविश्वास और उज्ज्वल भविष्य का संदेश दिया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक रक्षाबंधन मनाया। छात्राओं ने छात्रों की कलाई पर राखी बांधी, जबकि छात्रों ने अपनी बहनों को उपहार देकर पर्व की खुशियां साझा कीं। इस दौरान विद्यालय परिसर में भाई-बहन के प्रेम, सम्मान और आपसी विश्वास का माहौल देखने को मिला। राखी के साथ पौधों की भी रक्षा का संकल्प रक्षाबंधन को प्रकृति संरक्षण से जोड़ते हुए विद्यालय में विशेष पहल की गई। 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत बच्चों को पौधे वितरित किए गए और बच्चों ने पौधों को भी राखी बांधी। बच्चों को समझाया गया कि जिस तरह भाई-बहन एक-दूसरे की रक्षा करते हैं, उसी तरह पेड़-पौधे भी स्वच्छ हवा, छाया और जीवन देकर हमारी रक्षा करते हैं। प्रत्येक बच्चे को उसकी मां के साथ

एक पौधा सौंपा गया, ताकि वह मिलकर पौधे की देखभाल करे और उसे बड़ा करे। विद्यालय के निदेशक राहुल कुमार बर्मन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि त्योहारों को केवल उत्सव तक सीमित न रखकर उनमें प्रेम, सुरक्षा, जिम्मेदारी और पर्यावरण संरक्षण जैसे संस्कारों को जोड़ना बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने बच्चों से प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहने और पौधों की नियमित देखभाल करने की अपील की। रक्षाबंधन का यह आयोजन बच्चों के लिए भाई-बहन के रिश्ते की मजबूती के साथ-साथ ह्नरिश्तों की रक्षा और प्रकृति की रक्षा का यादगार संदेश बन गया।

संक्षिप्त समाचार

नीट पीजी परीक्षा को लेकर डीडीसी - डीईओ ने क्रिसेंट लैब का किया निरीक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आगामी 30 अगस्त 2026 को आयोजित होने वाली नीट पीजी परीक्षा को लेकर उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार ने गुरुवार को पिंड्राजोरा स्थित क्रिसेंट लैब परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों एवं केंद्र अधीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में डीडीसी ने परीक्षा केंद्र में प्रकाश की समुचित व्यवस्था, अभ्यर्थियों की सुविधा एवं सुगम आवागमन के लिए पर्याप्त साइनेज लगाने, साथ ही पेयजल एवं स्वच्छता की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूर्ण करने को कहा। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को परीक्षा आयोजन से जुड़े निर्धारित दिशा-निर्देशों का अनुपालन शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने तथा केंद्र पर आवश्यक व्यवस्थाओं की अंतिम रूप से जांच करने का निर्देश दिया। मौके पर डीईओ प्रवीन रंजन, टीसीएस के प्रतिनिधि समेत अन्य कर्मी उपस्थित थे।

बीएसएल में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत 69 युवाओं को प्रशिक्षण का अवसर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तृतीय चरण के अंतर्गत कुल 69 युवाओं को विभिन्न तकनीकी एवं गैर-तकनीकी क्षेत्रों में इंटर्नशिप प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को उद्योग आधारित व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर उन्हें रोजगार के लिए अधिक सक्षम बनाना है। इस योजना के तहत चयनित अभ्यर्थियों को प्रति माह लगभग 9,000 का मानदेय प्रदान किया जाएगा, जो भारत सरकार एवं कंपनी के संयुक्त सहयोग से दिया जाएगा। यह इंटर्नशिप विभिन्न ट्रेड्स एवं विभागों में उपलब्ध होगी, जिनमें इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, फिटर, वेल्डर, टर्नर, मशीनिस्ट, सिविल, इंस्ट्रूमेंटेशन, पीएलसी लैब, मेटलर्जी, लॉजिस्टिक्स, एचआर, कंप्यूटर ऑपरेशन, प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, हाइड्रोलिक्स तथा सिरेमिक इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्र शामिल हैं। योजना के अंतर्गत पात्रता के अनुसार आई आई टी, डिप्लोमा, स्नातक (विज्ञान, कला, वाणिज्य एवं 12वीं पास अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। इस इंटर्नशिप की अवधि 9 महीने की होगी होगी तथा आवेदन की तिथि 24 अगस्त 2026 से 15 नवंबर 2026 तक है, इस प्रशिक्षण के दौरान अभ्यर्थियों को उद्योग की वास्तविक कार्यप्रणाली का अनुभव प्राप्त होगा, जिससे उनके कौशल विकास में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। बोकारो इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने सभी इच्छुक एवं योग्य युवाओं से इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की है।00

11 सितंबर को बैंकों में एक दिवसीय हड़ताल

28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय हड़ताल की चेतावनी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के आह्वान पर गुरुवार को चास-बोकारो के सैकड़ों बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने बैंक ऑफ इंडिया, बोकारो स्टील सिटी शाखा,

सेक्टर-4 के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में एआईबीए, एआईबीओसी, एनसीबीई, बीईएफआई, एआईबीओए, आईएनबीईएफ और आईएनबीओसी सहित विभिन्न बैंक यूनियन के सदस्य शामिल हुए। कर्मचारियों ने प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) में कथित भेदभाव, पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने और लंबित मांगों के शीघ्र समाधान की मांग की। यूएफबीयू का आरोप है कि कर्मचारियों और स्केल-3 तक के अधिकारियों, जिनकी संख्या करीब 93 प्रतिशत है, को केवल 15 दिनों का पीएलआई देने का निर्देश दिया गया है, जबकि स्केल-4 और उससे ऊपर के अधिकारियों को 365 दिनों का प्रोत्साहन देने का आदेश जारी किया गया है। यूनियन ने इसे कर्मचारियों के साथ भेदभाव बताते हुए सरकार और आईबीए से निर्णय वापस लेने की मांग की। यूएफबीयू के जिला संयोजक सिद्धेश नारायण दास ने कहा कि मांगें नहीं मानी गईं तो 11 सितंबर को देशव्यापी एकदिवसीय हड़ताल होगी। इसके बाद 28, 29 और 30 सितंबर को तीन दिवसीय हड़ताल तथा 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी। उन्होंने इसकी जिम्मेदारी आईबीए और केंद्र सरकार पर होने की बात कही। प्रदर्शन में राघव कुमार सिंह, राजीव कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार, राजेश ओझा, विभाष झा, पंकज कुमार, प्रदीप कुमार सहित कई कर्मचारी और अधिकारी मौजूद रहे।

बोकारो पुलिस का साइबर अपराध पर प्रहार, तीन साल में 4.54 करोड़ की ठगी का खुलासा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डिजिटल लेन-देन बढ़ने के साथ बोकारो जिले में साइबर ठगी भी बड़ी चुनौती बनती जा रही है. बोकारो साइबर थाना में दर्ज मामलों के उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2024 से 26 (अगस्त तक) साइबर फ्राड ने बोकारोवासियों के खाते से चार करोड़ 54 लाख 48 हजार 754 रुपये की ठगी की. पुलिस की सक्रियता के कारण 95 लाख 28 हजार 78 रुपये होल्ड कराया गया. जबकि 33 लाख 25 हजार 503 रुपए भुक्तभोगियों को वापस कराया गया. साल 2026 (जनवरी से 20 अगस्त) में बोकारो साइबर थाना में 24 मामला दर्ज किया गया. इसमें साइबर अपराधियों ने कुल 93 लाख 48 हजार 754 रुपये की ठगी की. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 63 लाख 75 हजार 569 रुपए होल्ड कराये. जबकि 29 लाख 88 हजार 209 रुपए पीडितों को वापस कराया गया. इसमें साईबर थाना के अलावा 1930 द्वारा रिलिज्ड रिक्वेस्ट शामिल है. डीएसपी मुख्यालय पवन कुमार के निर्देश पर 19 अगस्त को एक दिन में एमआरएम पोर्टल पर लंबित 22 लोगों का होल्ड अमाउंट रिफंड किया गया. इसमें गुजरात कॉलोनी चास के नागेंद्र सिन्हा को सात लाख मिला. साल 2024-2025 में 57 साइबर ठगी के मामले दर्ज हुए है. इन मामलों में करीब तीन करोड 61 लाख रुपये की ठगी सामने आयी है. हालांकि पुलिस की तेज कार्रवाई से कुछ रकम को बैंक स्तर पर होल्ड कराया गया. कुछ राशि पीड़ितों को वापस भी मिली है. साइबर अपराधियों के ठगी के तौर-तरीकों में फर्जी बैंक अधिकारी बनकर लोन का झांसा देना, निवेश व ट्रेडिंग के नाम पर ठगी, संदिग्ध लिंक भेजना व डिजिटल माध्यम से बैंक खाते खाली करना शामिल है. लोभ में फंसने वालों का खाता खाली हो जाता है. जुलाई 26 में बोकारो पुलिस ने चास-पिंड्राजोरा क्षेत्र से बैंक अधिकारी बनकर लोन दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था. जुलाई 26 में ही बारी को-ऑपरेटिव इलाके में पुलिस ने कथित अंतरराज्यीय साइबर ठगी नेटवर्क से जुड़े नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया. उनके पास से 10 मोबाइल फोन, 19 सिम कार्ड व नकद रुपये बरामद किया था. लगातार साइबर ठगी के बढते आंकड़े बताते हैं कि साइबर ठगी के खिलाफ सिर्फ गिरफ्तारी नहीं, बल्कि ठगी की रकम को तत्काल रोकना व पीड़ितों तक पैसा वापस पहुंचाना चुनौती है. बोकारो पुलिस लोगों से संदिग्ध लिंक, अनजान कॉल व ऑनलाइन निवेश के झांसे से बचने की अपील कर रही है. साल 2024 में बोकारो साइबर थाना में 28 मामला दर्ज किया गया. इन मामलों में कुल दो करोड़ 84 हजार 890 रुपये की ठगी हुई. पुलिस की पहल से चार लाख 75 हजार 552 रुपये बैंक खातों में होल्ड कराये गये. एक भी साइबर ठग तक पुलिस नहीं पहुंच सकी. कोई गिरफ्तार नहीं किया जा सका. साल 2025 में बोकारो साइबर थाना में 29 मामला दर्ज किया गया. इन मामलों में साइबर अपराधियों ने कुल एक करोड़ 61 लाख 10 हजार 497 रुपये की ठगी की. पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 26 लाख 76 हजार 897 रुपये होल्ड कराये. जबकि तीन लाख 37 हजार 294 रुपये पीड़ितों को वापस कराया गया. तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया. अभियान चला कर 14 लाख 33 हजार 80 रुपये बरामद की गयी. एसपी नाथू सिंह मीणा ने कहा साइबर अपराधियों पर बोकारो पुलिस लागतार प्रहार कर रही है. इसी का नतीजा है कि फ्राड के शिकार व्यक्ति लगातार पुलिस से संपर्क कर रहे है. ठगी गयी राशि भी वापस करायी जा रही है. कुछ राशि होल्ड पर है. लगातार राशि की रिक्वरी के लिए अभियान चलाया जा रहा है.

राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

28 से 30 अगस्त तक चलेगा तीन दिवसीय अभियान, 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' होगी थीम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के उपलक्ष्य में फिट इंडिया अभियान के तहत 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' विषयवस्तु पर 28 से 30 अगस्त 2026 तक तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी अभियान के माध्यम से राष्ट्रीय खेल दिवस-2026 का आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय खेल दिवस के मुख्य केंद्र बिंदु ह्लएक घंटा खेल के मैदान मेंह्व के तहत प्रत्येक नागरिक को कम-से-कम एक घंटे खेल के मैदान में खेल एवं अन्य शारीरिक गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसी क्रम में गुरुवार को उपायुक्त अजय

नाथ झा ने अपने कार्यालय कक्ष में जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह, फैलो रवि शंकर सहित संबंधित पदाधिकारियों के साथ बैठक की। उपायुक्त ने राष्ट्रीय खेल दिवस के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विद्यालयों एवं कॉलेजों में आयोजित होंगी खेल प्रतियोगिताएं

उपायुक्त ने जिले के सभी विद्यालयों, उच्च विद्यालयों एवं कॉलेजों में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं एवं खेल गतिविधियों का आयोजन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक विद्यार्थियों एवं युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ते हुए राष्ट्रीय खेल दिवस के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाया जाए।

31 अगस्त को खेल संघों के प्रतिनिधियों - खिलाड़ियों को किया जाएगा सम्मानित

उपायुक्त ने जिले के सभी खेल संघों तथा खेल से जुड़े लोगों एवं खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए 31 अगस्त 2026 को सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्देश दिया। समारोह में खेल के क्षेत्र में योगदान देने वाले प्रतिनिधियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

जिलेवासी एक घंटा खेल के मैदान में बिताएं

बैठक में उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिलेवासियों से 28 से 30 अगस्त तक कम-से-कम एक घंटा खेल के मैदान में बिताने तथा खेल गतिविधियों में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि खेल गतिविधि में भाग लेने के बाद नागरिक अपना जियो-टैग फोटो निर्धारित गूगल फॉर्म पर अपलोड कर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते है। उन्होंने कहा कि खेल स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम है। जिले के नागरिक स्वयं खेल गतिविधियों में भाग लें तथा अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी खेल के लिए प्रेरित करें।

विशेष गहन पुनरीक्षण सुनवाई का डीईओ सह डीसी ने किया निरीक्षण

मतदाताओं से संवाद कर दस्तावेजों एवं सुनवाई प्रक्रिया की ली जानकारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरुवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त अजय नाथ झा ने विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत सुनवाई कार्य का अनुमंडल कार्यालय, चास एवं चास नगर निगम कार्यालय में निरीक्षण किया। उन्होंने निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अनुमंडल पदाधिकारी, चास श्रीमती प्रांजल ढ़ांडा तथा विभिन्न सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी-सह-अतिरिक्त निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों से सुनवाई कार्य की प्रगति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान डीईओ सह डीसी ने मौके पर उपस्थित कई मतदाताओं से संवाद किया। उन्होंने मतदाताओं को उपलब्ध कराए गए नोटिस, उनके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज तथा मतदाता सूची में पूर्व के विवरण से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सुनवाई से संबंधित सभी मामलों की सुनवाई निर्धारित प्रक्रिया के तहत निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित करें।

सुनवाई के लिए निर्धारित दस्तावेजों की दी जानकारी

डीईओ सह डीसी ने बताया कि सुनवाई के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दस्तावेजों में से एक या अधिक दस्तावेज प्रस्तुत किए जा सकते हैं। इनमें केंद्र अथवा राज्य सरकार तथा सार्वजनिक उपक्रम के नियमित कर्मचारी या पेंशनभोगी को जारी पहचान पत्र अथवा पेंशन भुगतान आदेश, एक जुलाई 1987 से पूर्व सरकार, स्थानीय प्राधिकरण, बैंक, डाकघर, भारतीय जीवन बीमा निगम अथवा सार्वजनिक उपक्रम द्वारा भारत में जारी पहचान पत्र, प्रमाणपत्र या अन्य दस्तावेज, सक्षम अधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाणपत्र, पासपोर्ट, मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा जारी मैट्रिकुलेशन अथवा शैक्षणिक प्रमाणपत्र, सक्षम राज्य प्राधिकरण द्वारा जारी स्थायी निवास प्रमाणपत्र, वन अधिकार प्रमाणपत्र, अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति प्रमाणपत्र, जहां उपलब्ध हो वहां राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, राज्य या स्थानीय अधिकारियों द्वारा तैयार परिवार रजिस्टर, सरकार द्वारा जारी भूमि या मकान आवंटन प्रमाणपत्र अथवा खतियान की प्रति एवं पिछली विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची की प्रति शामिल हैं। डीईओ सह डीसी ने कहा कि सुनवाई के दौरान प्रत्येक मतदाता को अपनी बात रखने का समुचित अवसर मिले। अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करते हुए पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। मौके पर जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह समेत संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

रक्षाबंधन पर उपायुक्त की अपील : बहन की रक्षा के साथ हर महिला के सम्मान और सुरक्षा का लें संकल्प

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने जिलेवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सभी भाइयों से बहनों की रक्षा, सम्मान एवं सुरक्षा का संकल्प लेने की अपील की है। उपायुक्त ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के स्नेह और रक्षा के वचन का पर्व नहीं, बल्कि समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि हर परिवार का पुरुष सदस्य यह संकल्प ले कि वह केवल अपनी बहन ही नहीं, बल्कि हर महिला की गरिमा, सम्मान और सुरक्षा के लिए जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि भाई चुप नहीं बैठेंगे। किसी बहन या महिला के साथ अन्याय, दुर्व्यवहार अथवा असुरक्षा की स्थिति में हम मूकदर्शक नहीं बनेंगे, बल्कि उसके साथ खड़े होंगे और आवश्यकतानुसार प्रशासन एवं पुलिस को सूचना देंगे। उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि रक्षाबंधन के अवसर पर हम ऐसा समाज बनाने का संकल्प लें, जहां हर बहन सुरक्षित महसूस करे, हर महिला का सम्मान हो और किसी भी प्रकार के भेदभाव अथवा हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं हो। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि परिवार, समाज और प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। रक्षाबंधन के पवित्र पर्व पर लिया गया यह संकल्प सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी को और मजबूत करेगा। उपायुक्त ने जिलेवासियों से रक्षाबंधन का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे, सम्मान और सुरक्षित समाज के संकल्प के साथ मनाने की अपील की।

बीएसएल में सतर्कता जागरूकता एवं निवारक सतर्कता अभियान पर सत्र आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के सतर्कता विभाग द्वारा आगामी 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026' एवं वर्त्तमान में जारी 'तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान' के अंतर्गत आज एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी, अधिशासी निदेशक, विभिन्न विभागों के मुख्य महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष सहित सतर्कता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। यह सत्र 17 अगस्त से 16 नवंबर 2026 तक चलने वाले तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान का हिस्सा था। सत्र के दौरान अभियान अवधि में आयोजित की जाने वाली प्रमुख पहलों एवं गतिविधियों की जानकारी शीर्ष प्रबंधन को अवगत कराई गई तथा सुशासन में पारदर्शिता एवं नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में उनकी भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन ह्ल सत्यनिष्ठा से समृद्धि ह्व थीम के अंतर्गत किया गया। सत्र का संचालन मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ द्वारा किया गया, उन्होंने आगामी 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026' एवं 'तीन माह के निवारक सतर्कता अभियान' के अंतर्गत चल रहे विभिन्न कार्यक्रमों से सभी को अवगत कराया। इस अवसर पर सामूहिक जिम्मेदारी, पारदर्शी कार्यप्रणाली, नैतिक आचरण तथा संगठनात्मक प्रक्रियाओं में सत्यनिष्ठा एवं स्पष्ट जवाबदेही की आवश्यकता पर बल दिया गया। निवारक सतर्कता से जुड़ी ऐसी पहलों के माध्यम से बोकारो स्टील प्लांट संगठन में पारदर्शिता और सुशासन की संस्कृति को निरंतर सुदृढ़ करने की दिशा में प्रयासरत है।

जियाडा एसोसिएशन एवं बीएसएल अधिकारियों के बीच बैठक आयोजित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जियाडा, बोकारो प्रक्षेत्र अंतर्गत विभिन्न औद्योगिक एवं उद्यमी एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों तथा बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के अधिकारियों के बीच गुरुवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक में औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों के साथ-साथ आगामी एसयूबी-पीएलसी बीएसएल के संबंध में आवश्यक जानकारी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने पर चर्चा की गई। बैठक में बीएसएल की ओर से तापस कुमार, महाप्रबंधक (आर एंड बीआर) एवं मनोज मंडल, वरीय प्रबंधक (आर एंड बीआर) उपस्थित रहे। वहीं, जियाडा बोकारो प्रक्षेत्र की ओर से सन्नी कुमार, सहायक विकास पदाधिकारी, जियाडा बोकारो प्रक्षेत्र उपस्थित थे।

बच्चों ने पेड़ों को बांधी राखी, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेरमो प्रखंड अंतर्गत गांधी नगर स्थित कृष्णा सुदर्शन सेंट्रल स्कूल के छात्र-छात्राओं ने गुरुवार को रक्षाबंधन पर्व के पूर्व अवसर पर अनूठी पहल करते हुए पेड़ों को राखी बांधी और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। छात्राओं ने पेड़ों को अपना भाई मानते हुए उनकी रक्षा का संकल्प लिया। इस अवसर पर

उपायुक्त अजय नाथ झा ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम से जुड़े और छात्र-छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने बच्चों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के बीच रक्षा के संकल्प का पर्व नहीं है, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा का भी संदेश देता है। उपायुक्त ने कहा कि हर बच्चा एक वृक्ष की रक्षा का संकल्प ले और हर बच्चा एक पौधा लगाए। पौधा लगाने के साथ-साथ उसकी नियमित देखभाल एवं रक्षा की जिम्मेदारी भी निभाए। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक बच्चा एक पौधे की जिम्मेदारी ले, तो आने वाले समय में हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में बड़ा योगदान दिया जा सकता है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने की अपील की। साथ ही, पेड़-पौधों को बचाने, अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा प्रकृति के साथ संतुलित व्यवहार करने का संदेश दिया। इस अवसर पर डीईओ प्रवीण रंजन, डीएसई अतुल कुमार चौबे, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह समेत विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

प्रकृति के साथ चलेंगे, तभी सुरक्षित रहेगा हमारा कल : उपायुक्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नेपाल में हालिया प्राकृतिक त्रासदी से सीख लेते हुए गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने आमजनों से प्रकृति के अनुयायी बनकर रहने तथा प्राकृतिक संसाधनों के अनुरूप जीवनशैली अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का दुष्परिणाम अंततः मानव समाज को ही भुगतना पड़ता है। इसलिए विकास के साथ पर्यावरण एवं प्राकृतिक संरचनाओं का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उपायुक्त ने संबंधित अंचल अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले से होकर गुजरने वाली गरगा एवं दामोदर नदी के रिवर बेड में किसी भी प्रकार के कंक्रीट निर्माण की अनुमति नहीं दी जाए। नदी के प्राकृतिक प्रवाह क्षेत्र को हर हाल में संरक्षित रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि यदि रिवर बेड क्षेत्र में किसी रैयत की निजी भूमि भी है, तो वहां भी किसी प्रकार का स्थायी कंक्रीट निर्माण नहीं किया जाए। ऐसी भूमि का उपयोग कृषि कार्य के लिए करने तथा अधिक से अधिक पौधारोपण को बढ़ावा देने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाए। उपायुक्त ने कहा कि नदियां केवल जलधारा नहीं, बल्कि हमारे जीवन और भविष्य की जीवनरेखा हैं। इनके प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड़ कर हम अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए संकट पैदा कर सकते हैं। हमें आज ही यह संकल्प लेना होगा कि प्रकृति पर अधिकार जमाने के बजाय उसके साथ सामंजस्य बनाकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने अधिकारियों को नदी क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने, अनधिकृत निर्माण पर रोक लगाने तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बीएसएल यातायात विभाग में समस्याओं को लेकर कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएसएल अनाधिशासी कर्मचारी संघ की विभागीय बैठक यातायात विभाग के लोको शेड में हुई। बैठक में कर्मचारियों ने विभाग में व्याप्त विभिन्न समस्याओं को यूनियन पदाधिकारियों के समक्ष रखा। पदाधिकारियों ने समस्याओं को नोट कर संबंधित अधिकारियों के संज्ञान में लाने और समाधान के लिए उचित पहल का आश्वासन दिया। कर्मचारियों ने लोको शेड और मोटरसाइकिल गैरेज के क्षतिग्रस्त शेड की मरम्मत, रिपेयर रूम में शेड निर्माण, बीएसएल कर्मियों के लिए अलग रेस्ट रूम की व्यवस्था तथा शौचालय की नियमित सफाई और अतिरिक्त शौचालय की मांग उठाई। प्लांट मेडिकल में आश्रितों के लिए मेडिसिन रिपीट की व्यवस्था, इनसेंटिव/रिवॉर्ड और एक्टिंग अलाउंस की समस्या के समाधान की भी मांग की गई। इसके अलावा अतिरिक्त स्थानों पर बायोमेट्रिक मशीन लगाने, तेल-मोबिल की सफाई के लिए ग्रीस किलर उपलब्ध कराने, खराब वाटर कूलर की मरम्मत तथा यातायात विभाग के अधीन नौ स्टेशनों और लोको शेड की जर्जर अप्रोच रोड की मरम्मत की मांग रखी

गई। महासचिव हरिओम ने कहा कि संयंत्र संचालन में यातायात विभाग की भूमिका शरीर की धमनी जैसी है। इसके बावजूद छोटी-छोटी समस्याओं का लंबे समय तक लंबित रहना उचित नहीं है। विभागीय प्रतिनिधि राकेश कुमार ने समस्याओं के समाधान के लिए उचित मंच पर आवाज उठाने का आह्वान किया। उपमहासचिव माणिक मुंडा ने भी बैठक को संबोधित किया। राकेश कुमार ने कहा कि ह्लशौचालय और रेस्ट रूम जैसी छोटी समस्याओं के लिए भी कर्मियों को तरसाया जा रहा है, जिससे कर्मियों का आक्रोश चरम पर है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोइया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK